@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 17 अगस्त 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 277 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अलास्का में ट्रंप-पुतिन की मुलाकात का भारत ने किया स्वागत, कहा-
संवाद से ही बनेगी शांति की राह

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिका और रूस के बीच

अलास्का में हुई शिखर वार्ता का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह पहल वैश्विक शांति की दिशा में एक अहम कदम है। जायसवाल ने कहा कि भारत इस वार्ता में हुई प्रगति की सराहना करता है और मानता है कि आगे का रास्ता केवल संवाद और कूटनीति से ही निकल सकता है। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया की नजर यूक्रेन युद्ध पर है और सभी चाहते हैं कि इस संघर्ष का जल्द से जल्द अंत हो। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की हमेशा से यही नीति रही है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने दोहराया कि बातचीत और आपसी समझ ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है।

● वार्ता पर दुनिया की नजरें

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का में हुई शिखर वार्ता ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद पहली बार दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात हुई। हालांकि बैठक को 'उपयोगी' बताते हुए भी ट्रंप ने यह साफ किया कि फिलहाल कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन अभी हम पूरी मंजिल तक नहीं पहुंचे हैं।

मोहम्मद जिन्ना और राहुल गांधी की सोच एक जैसी है : गौरव भाटिया

▸▸ राहुल गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना दोनों एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भारत के विभाजन से संबंधित बदलावों को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना की। भाटिया ने राहुल गांधी की विचारधारा की तुलना पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना से करते हुए कहा कि दोनों की सोच समान है और वे एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं।

शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में हाल के बदलावों, विशेष रूप से भारत के विभाजन पर एक नए मॉड्यूल के शामिल होने की बात उठाई। उन्होंने दावा किया कि इस मॉड्यूल में विभाजन की जिम्मेदारी तीन पक्षों, मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और लॉर्ड माउंटबेटन, पर डाली गई है। इस सच्चाई के

सामने आने पर सबसे पहले दर्द राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी को हुआ है। 'जिन्ना' और राहुल, दोनों की सोच एक जैसी है, दोनों एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि 'अखंड भारत' का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ, जिसकी जड़ में मोहम्मद अली जिन्ना की जहरीली सोच थी, और कांग्रेस, विशेष रूप से राहुल गांधी, उसी तुष्टिकरण और सांप्रदायिकता की नीति को अपनाते हैं। भाटिया ने कहा कि जिन्ना धर्म के आधार पर आरक्षण और शरिया कानून की वकालत करते थे और कांग्रेस भी इसी दिशा में देश को चलाने में विश्वास रखती है, जबकि भाजपा संविधान के आधार पर शासन में विश्वास करती है। उन्होंने यह भी पूछा कि विभाजन के लिए कौन जिम्मेदार था और क्या किसी राजनीतिक दल की महत्वाकांक्षा राष्ट्रीय हितों पर भारी पड़ी?

सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करने बिहार आ रहे हैं राहल गांधी : गिरिराज सिंह

पटना। केंद्रीय कपड़ा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बिहार यात्रा पर सवाल उठाया है। उन्होंने राहुल गांधी पर इस यात्रा के जरिए वोट बैंक की राजनीति करने और बिना सबूत वोट चोरी का शिगूफा छोड़कर राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र बिहार के बेगूसराय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी खानदानी ठग हैं, वे बिहार सिर्फ नौटंकी करने वोट बैंक की राजनीति करने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने 65 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने का आरोप तो लगाया, लेकिन उच्चतम न्यायालय में 65 हजार लोगों का भी हलफनामा तक दाखिल नहीं किया।

पीएम मोदी को बोलना चाहिए 'खून और क्रिकेट' एक साथ नहीं चलेगा : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए संबोधन पर शनिवार को निशाना साधा। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा, लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का मैच खेलना प्रस्तावित है। संजय राउत ने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को खून और पानी की जगह पर यह कहना चाहिए कि खून

और क्रिकेट एक साथ नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री के आगे ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बैठे हुए थे और उनके बेटे आईसीसी चेयरमैन हैं। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री को अमित शाह की ओर इशारा करते हुए यह कहना चाहिए कि खून और क्रिकेट एक साथ नहीं चलेगा। लेकिन, अफसोस प्रधानमंत्री ने ऐसा अपने संबोधन में नहीं कहा। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि पानी तो कोई बात नहीं। उसे तो हम देख लेंगे। लेकिन, सबसे पहले प्रधानमंत्री को यह सुनिश्चित करना होगा कि क्रिकेट भी ऐसी स्थिति में एक साथ नहीं चल सकता है। यह बात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी अपने बेटे को कहनी चाहिए। संजय राउत ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित किया है, लेकिन इस बार उनकी सरकार जा रही है। अब इन्हें कोई भी पूछने वाला नहीं है। अब इस सरकार का समय पूरी हो चुका है। 12वीं बार जिस तरह से प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित किया है, उससे एक बात जाहिर हो चुकी है कि अब इस सरकार के 12 बज चुके हैं।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए बिहार से 'वोट अधिकार यात्रा' : पवन खेड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय स्थित इंदिरा भवन में पत्रकारों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रविवार को बिहार के सासाराम से हमारी ऐतिहासिक वोट अधिकार यात्रा शुरू होने जा रही है। आजाद भारत में सांस लेना इसीलिए संभव है क्योंकि वोट देना संभव है। पवन खेड़ा ने कहा कि अगर हम वोट नहीं दे सकते, तो हम आजाद भारत में आजाद तरीके से सांस भी नहीं ले सकते। यह संघर्ष जो राहुल गांधी जी ने शुरू किया है, यह इसलिए किया है कि आजाद भारत में एक-एक भारतवासी आजादी से सांस ले सके। जिस ढंग से फर्जी तरीके से वोट जोड़ना, फर्जी तरीके से वोट काटना, और भाजपा की चोरी रंगे हाथों पकड़ी गई है, और खासतौर पर बिहार में अगर यह

एसआईआर नहीं शुरू किया जाता, तो शायद इतना कुछ सामने भी नहीं आता। अब तो आम लोग भी अपना नाम काटे जाने की बात लेकर सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति यह हो गई कि माननीय सर्वोच?च न्यायालय को भी हस्तक्षेप करना पड़ा और जो हमारी, तमाम लोगों की... इंडिया अलायंस के लोग थे, एक्टिविस्ट थे, वोटर रिप्रेजेंटेटिव्स थे, सबकी मांग चुनाव आयोग को माननी पड़ी, लेकिन माननीय सर्वोच?च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ऐसा हुआ। खेड़ा ने कहा कि षड्यंत्र सिर्फ वोट छीनने का नहीं था, षड्यंत्र हमारी-आपकी पहचान, दलित, वंचित, शोषित, पीड़ित, अल्पसंख्यक, दिहाड़ी मजदूर, की पहचान छीनने का था। आज आप उनका वोट देने का अधिकार छीनोगे, कल सरकारी योजनाओं में उनकी भागीदारी छीन लोगे।

'हम कई कीमती जिंदगियां खो चुके हैं', किश्तवाड़ त्रासदी पर बोले उमर अब्दुल्ला

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना से भीषण त्रासदी हुई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को इस त्रासदी से प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने इस आपदा में हुई जनहानि और नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि सरकार इस कठिन घड़ी में पूरी मजबूती से लोगों के साथ खड़ी है। मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला ने हालात को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि हम कई कीमती जिंदगियां खो चुके हैं। करीब 55 लोगों की मौत हो चुकी है और 100 से ज्यादा लोग जख्मी हैं। इनमें से कुछ गंभीर घायलों को जम्मू अस्पताल शिफ्ट किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। लगभग 70 से 80 लोग अब भी लापता हैं और उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। ये संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि जब वह प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर लौट रहे थे, तभी रास्ते में एक शव भी बरामद हुआ, जो बादल फटने की वजह से बह गया था। सीएम ने कहा कि प्रशासन की पूरी कोशिश है कि लापता लोगों की तलाश तेजी से की जाए और उसके बाद उनके पुनर्वास का कार्य शुरू किया जाए।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी 18 अगस्त को भारत आएंगे

▸▸ सीमा विवाद पर होगी विशेष प्रतिनिधियों के साथ वार्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत-चीन दोनों देश एक टेबल पर बैठकर सीमा विवाद का समाधान निकालने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में, चीन के विदेश मंत्री वांग यी 18 अगस्त (सोमवार) को भारत का दौरा करेंगे। बीजिंग ने शनिवार को पुष्टि करते हुए कहा कि वांग यी भारत आएंगे और सीमा विवाद पर दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच होने वाली 24वें दौर की वार्ता में शामिल होंगे।

चीनी विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'विदेश मंत्री और सीपीसी (चाइनीज कम्युनिटी पार्टी) केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो सदस्य वांग यी विशेष निमंत्रण पर 18 से

20 अगस्त तक भारत का दौरा करेंगे। वह सीमा विवाद पर चीन और भारत के विशेष प्रतिनिधियों के बीच 24वें दौर की वार्ता करेंगे। वांग यी की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तिआनजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जाने वाले हैं। पीएम मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन दौरे पर रहेंगे। 2020 में गलवान संघर्ष के बाद से यह प्रधानमंत्री मोदी की पहली चीन यात्रा होगी, जिसने द्विपक्षीय संबंधों को गंभीर रूप से प्रभावित किया था।

द बंगाल फाइल्स : ट्रेलर लॉन्च मंच पर चढ़ी कोलकाता पुलिस, बिजली काटी, जब्त किया लैपटॉप

▸▸ 'बंगाल में बड़ी ताकतों के इशारे पर सच को दबाने की कोशिश की जा रही है।'

एजेंसी
कोलकाता। फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री और उनकी पत्नी व अभिनेत्री-निर्माता पल्लवी जोशी के फिल्म द बंगाल फाइल्स के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम को लेकर शनिवार कोलकाता में बड़ा विवाद खड़ा हो गया। कोलकाता पुलिस ने मीडिया के सामने ऐसा बर्ताव किया जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी।

कोलकाता पुलिस ने पांच सितारा होटल आईटीसी रॉयल बंगाल में कार्यक्रम को बीच में रोकते हुए कॉन्फ्रेंस हॉल की बिजली काट दी। इसके साथ ही हफिल्म का ट्रेलर दिखाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा लैपटॉप तक जब्त कर लिया। इसके बाद विवेक अग्निहोत्री को पुलिस ने इस तरह घेर दिया कि वह मीडिया से बात तक ना कर पाएं। स्थित यह थी कि कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तक ट्रेलर लॉन्च के मंच पर चढ़ गए थे। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर विवेक अग्निहोत्री ने राज्य सरकार और

पुलिस पर तानाशाही रवैये का आरोप लगाते हुए कहा कि 'बंगाल में बड़ी ताकतों के इशारे पर सच को दबाने की कोशिश की जा रही है।'

विवेक के अनुसार, शुक्रवार देर रात वह मुंबई से कोलकाता पहुंचे थे। शनिवार सुबह उनकी नई फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का कार्यक्रम लग्जरी होटल में था। यह कार्यक्रम पहले एक मल्टीप्लेक्स में आयोजित होने वाला था, लेकिन ÷राजनीतिक दबाव÷ के चलते आयोजन स्थल को बदल दिया गया। सुबह तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ, हॉल में भारी संख्या में पुलिसकर्मी पहुंची और ट्रेलर दिखाने के दौरान अचानक बिजली काट दी गई। विवेक ने मंच से ही कहा कि बिना किसी कारण के कॉन्फ्रेंस रूम की बिजली काट दी गई। सुबह से भारी पुलिस बल यहां मौजूद थी। हम तो चोर-डाकू नहीं हैं, फिल्म बनाते हैं। सत्यजीत रे की धरती पर खड़े होकर ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा, कभी सोचा नहीं था। अगर यह तानाशाही नहीं तो और क्या है? अगर यह फासीवाद नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि अगर पुलिस मुझे गिरफ्तार करती है तो कर ले लेकिन मैं लड़ाई जारी रखूंगा।

बृजक्षेत्र में लौटेगा द्वापर युग

सीएम योगी ने की 30 हजार करोड़ के मास्टरप्लान की घोषणा

एजेंसी
मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मथुरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मथुरा के डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य सभागार में आयोजित पूज्य साधु-संतों के सम्मान समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने मथुरा-वृंदावन को करीब 646 करोड़ रुपये की लागत वाली 118 विकास परियोजनाओं की सौगात दी और बृजक्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की नई कार्ययोजना की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने बृजक्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की नई कार्ययोजना की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह कार्ययोजना मथुरा, वृंदावन, बरसाना और गोकुल जैसे तीर्थ स्थलों को द्वापर युग की स्मृतियों से जोड़ेगी। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार पूज्य संतों की भावनाओं का सम्मान करने और

● श्रीकृष्ण की निष्काम कर्म की प्रेरणा ही हमारी ताकत, कोई हमारा बाल भी बांका नहीं कर सकता : योगी आदित्यनाथ

बृजक्षेत्र को संवर्धित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम उन कार्यों को संभव बना रहे हैं, जिन्हें कभी असंभव माना जाता था।' उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उदाहरण देते हुए कहा कि 10 साल पहले इनकी कल्पना भी असंभव लगती थी, लेकिन आज ये साकार हो चुके हैं। काशी में जहां पहले 50 श्रद्धालु एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे, वहां आज 50 हजार श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर सकते हैं। अयोध्या में भव्य राम मंदिर त्रेतायुग की स्मृति को जीवंत कर रहा है। इसी तरह, विंध्यवासिनी धाम में भी भव्य कॉरिडोर का निर्माण पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पांच हजार वर्षों के पौराणिक इतिहास के हम साक्षी बन रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देश और दुनिया से भक्त यहां भक्तिमय भाव के साथ एकत्रित हुए हैं। मथुरा की पावन माटी और इसके रज-रज में श्रीकृष्ण बसे हैं। ऐसी भक्ति दुनिया में कहीं और मिलना दुर्लभ है। इस पवित्र भूमि को कोटि-कोटि नमन। सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से उन्हें मथुरा में रंगोत्सव और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे आयोजनों में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

राहुल गांधी की यात्रा पर अजय आलोक का तंज

'बिहार चुनाव में महागठबंधन को एनडीए का मुक्का पड़ेगा',

एजेंसी
रोहतास। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार यात्रा को लेकर भाजपा प्रवक्ता अजय आलोक ने कटाक्ष किया है। उन्होंने विपक्षी गठबंधन को 'भानुमति का कुनबा' बताते हुए कहा कि इससे कुछ नहीं होगा। संभावित हार के डर से विपक्षी दलों में बौखलाहट है। भ्रम फैलाकर जनता को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता है। अजय आलोक ने सवाल किया कि राहुल गांधी किसलिए यात्रा निकाल रहे हैं, यह बताएं। वह सासाराम आ रहे हैं, तो बताएं कि क्या उनकी पार्टी सासाराम में भी 'वोट चोरी' करके चुनाव जीती? भाजपा प्रवक्ता ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आप पहाड़ को नुकसान नहीं पहुंचा सकते हैं। बिहार में एनडीए भी जनता के सहयोग से एक पहाड़ की तरह खड़ा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 18 जिलों के 51 विधानसभा क्षेत्रों से होकर यात्रा करेंगे, लेकिन पूरे बिहार में महागठबंधन की इससे भी कम सीटें आने वाली हैं। महागठबंधन एक तिहाई सीटों पर ही सिमटने वाला है। इस बार भी महागठबंधन को एनडीए का मुक्का

(भाजपा, जदयू, लोजपा, हम पार्टी और आरएलएसपी) बहुत तेज पड़ने वाला है। अजय आलोक ने दावा किया कि इस बार 2010 से भी बेहतर परिणाम होंगे और 2025 में एनडीए 225 सीटें जीतने वाला है।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर देशभर के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 7वीं पुण्यतिथि पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कई केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और नेताओं ने उन्हें नमन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा है कि उनका जीवन राष्ट्र की अटूट सेवा के लिए समर्पित था। उन्होंने यह भी कहा कि उनके विचार और आदर्श भारत की प्रगति यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने मूल्य आधारित राजनीति को आगे बढ़ाते हुए विकास और सुशासन की मजबूत नींव रखी। उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया, भले ही इसके लिए उन्हें अपनी सरकार गंवानी पड़ी। उनके नेतृत्व में भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण और कारगिल युद्ध में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वाजपेयी को करोड़ों कार्यकर्ताओं की प्रेरणा बताते हुए

कहा कि उनका जीवन विचारधारा और सिद्धांतों पर आधारित था और वह राष्ट्र के प्रति पूरी तरह समर्पित रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें राष्ट्रधर्म का निर्भीक प्रहरी और राजनीतिक शुचिता का शिल्पकार बताते हुए कहा कि वे संयम, सौम्यता और नैतिकता के प्रतीक थे। अटल जी सच्चे अर्थों में राजनीतिक साधना के प्रतिमान थे। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वाजपेयी का जीवन सुशासन और जनसेवा को समर्पित था और वह असंख्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अटल बिहारी वाजपेयी के ग्वालियर के दिनों को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने भाजपा की नींव रखने से लेकर नए भारत की आधारशिला गढ़ने तक राष्ट्र के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य किया। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने वाजपेयी को एक ऐसा कवि बताया जिनके शब्दों ने राष्ट्र की आत्मा को झकझोर दिया। उन्होंने कहा कि उनके विचार और आदर्श देश को आगे बढ़ाने की दिशा में आज भी मार्गदर्शन करते हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उन्हें एक प्रेरक नेता और प्रशंसित राजनेता बताते हुए कहा कि उनके विचार आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अटल जी को नमन करते हुए कहा कि अटल जी हमेशा विचारों और संस्कारों में जीवित रहेंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी वाजपेयी जी को सादर नमन किया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा ने उन्हें भाजपा के संस्थापक सदस्य और करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत के रूप में याद किया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने उन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं का पथप्रदर्शक और प्रेरणास्रोत बताया। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्यमंत्री तोखन साहू ने अटल जी को भाजपा का पितृ पुरुष बताया और उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने अटल जी को एक विचार और संस्कार बताते हुए कहा कि वह एक व्यक्ति नहीं बल्कि युगद्रष्टा थे।

पत्ते शाह की दरगाह की छत गिरी, 6 लोगों की मौत, 4 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार दोपहर को हुमायूं के मकबरे के पास मौजूद पत्ते शाह की दरगाह की छत और दीवार गिर गई। इस हादसे में 10 लोग मलबे में दब गए जिसमें से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं चार घायलों का एम्स के ट्रॉमा सेंटर और एक का आरएमएल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में 56 वर्षीय मीना अरोड़ा, 24 वर्षीय मोनुष्का अरोड़ा, 40 वर्षीय अनीता सैनी, 35 वर्षीय मोइनुद्दीन, 79 वर्षीय स्वरूप चंद और आरिफ शामिल हैं। घायलों में शमीम, आर्यन, रशद परवीन, गुड़िया परवीन और रानी का नाम शामिल है, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। दरगाह से जुड़े लोगों के अनुसार, मौलवी के लिए बने ये कमरे करीब 50 साल पुराने थे। दीवारें और छत मिट्टी व ईंट से बनी थी। लगभग 25 साल पहले इनके पुनर्निर्माण की कोशिश की गई, लेकिन एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) ने रोक लगा दी, क्योंकि यह हुमायूं टॉम्ब के संरक्षित क्षेत्र के भीतर आता था। तब से इनमें कोई बड़ी मरम्मत नहीं हुई, जिससे संरचना बेहद कमजोर हो गई थी। संयुक्त पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी रेंज) एसके जैन ने बताया कि पुलिस ने दरगाह के संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिए गए हैं। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के डीएम ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह हिस्सा अतिक्रमण हो सकता है। जांच में पुष्टि होने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा के हिसार की यूटूयबर ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। एसआईटी ने स्पेशल कोर्ट में ज्योति मल्होत्रा कि खिलाफ यह चार्जशीट दाखिल की है। 2500 पन्नों की चार्जशीट में एसआईटी ने ज्योति मल्होत्रा पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ये चार्जशीट 14 अगस्त को एसआईटी ने दी है। ज्योति मल्होत्रा अभी जेल में बंद हैं। बीते दिनों हाई कोर्ट ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पुलिस का दावा है कि 3 महीने की कड़ी मेहनत और कई सबूत जुटाकर यह रिपोर्ट तैयार की है।

उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के भवन का छज्जा गिरने से एक बच्ची की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के भवन का छज्जा गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गई। यह घटना पाथरपाड़ी गांव में हुई। यह घटना स्वतंत्रता दिवस पर पाथरपाड़ी गांव के पीएमश्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में हुई। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण उसका निर्माण कार्य चल रहा था। पुलिस के अनुसार, घटना के समय दो बच्चियां स्कूल के पास बकरियां चरा रही थीं। तभी अचानक निर्माणाधीन भवन का छज्जा गिर गया, इसके मलबे में दबने से 12 वर्षीय मोली की मौत हो गई और 11 वर्षीय पायल घायल हो गई। घायल पायल को इलाज के लिए गुजरात ले जाया गया है। इस दुखद घटना के बाद, शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर दो कर्मियों को निलंबित किया है। निलंबित किए गए कर्मियों में कार्यवाहक सहायक अभियंता हेमसिंह और एक संविदा पर कार्यरत सिविल कंसल्टेंट शामिल हैं। इन दोनों को कार्य में प्रथम दृष्टया लापरवाही का दोषी माना गया है। इसके अलावा, शिक्षा विभाग ने निर्माण कार्य से संबंधित कंपनी के खिलाफ प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन पर निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि दोनों बच्चियां स्कूल की छात्राएं नहीं थीं और निर्माणाधीन भवन में कोई कक्षाएं संचालित नहीं हो रही थीं। स्कूल का संचालन अन्यत्र हो रहा था।

एयर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

ग्वालियर (एजेंसी)। एयर इण्डिया की फ्लाइट से एक बार फिर तकनीकी खराबी सामने आई है। बैंगलोर से ग्वालियर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट की तकनीकी खामी की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग की गई। लैंडिंग के दौरान कुछ ही मिनट में फ्लाइट ने कई बार झटके लिए। जिसके कारण दूसरी कोशिश में फ्लाइट की लैंडिंग हो पाई। इस दौरान घबराए यात्रियों ने एयरपोर्ट पर नाराजगी जाहिर करते हुए आरोप लगाया कि एयर इंडिया की खराब सर्विस के कारण यात्रियों की जान जोखिम में आ गयी थी। यात्रियों के मुताबिक, जैसे ही फ्लाइट लैंडिंग कर रही थी। अचानक जोरदार झटका लगा और सभी यात्री घबरा गए। पायलट ने पहले फ्लाइट को लैंड करने की कोशिश की। लेकिन तकनीकी समस्या के कारण लेंडिंग नही हो सकी। इसके बाद फ्लाइट को दोबारा लैंड कराने की कोशिश की गई।

हत्या के आरोपी मोहम्मद दिलशाद को 26 साल बाद गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 1999 में सऊदी अरब में एक व्यक्ति की हत्या के आरोपी मोहम्मद दिलशाद को 26 साल बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) से गिरफ्तार किया है। दरअसल अक्टूबर 1999 में, दिलशाद ने सऊदी अरब में अपने एक साथी की हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद, वह भारत भाग आया। गिरफ्तारी से बचने के लिए, दिलशाद ने अपनी पहचान बदल ली और एक नया पासपोर्ट बनवा लिया। इसी नई पहचान के दम पर वह लगातार कुवैत और सऊदी अरब की यात्रा कर रहा था। इसके बाद सऊदी अरब के अनुरोध पर, सीबीआई ने अप्रैल 2022 में मामला दर्ज किया। जांच के दौरान, सीबीआई ने दिलशाद के नए पासपोर्ट और उसकी बदली हुई पहचान का पता लगाया। इसके बाद, उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया। 11 अगस्त को, दिलशाद को सऊदी अरब के मदीना से जेद्दा होते हुए वापस भारत आने पर आईजीआई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का लिखित जबाव... इस तरह की समयसीमा तय करने से संवैधानिक संकट पैदा होगा

-विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय करने का मामला

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। राष्ट्रपति और राज्यपाल के विधेयकों पर फैसला लेने के लिए समय सीमा तय करने को लेकर केंद्र ने सुप्रीम आदेश पर आपत्ति जाहिर की है। इसी साल अप्रैल में दो जजों की बेंच ने कहा था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को विधेयकों पर एक तय समयसीमा के अंदर ही फैसला लेना चाहिए। दो जजों की बेंच ने कहा था कि किसी बिल पर फैसला लेने के लिए राष्ट्रपति को तीन माह और राज्यपालों को एक माह से ज्यादा का समय नहीं मिलना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता हैं, तब कोर्ट दखल दे सकता है। वहीं मामले पर केंद्र का कहना है कि अगर इस तरह से सुप्रीम कोर्ट दखल देता है, तब संवैधानिक अराजकता पैदा होगी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में लिखित में जबाव देकर कहा है कि इस तरह की समयसीमा तय करने से संवैधानिक संकट पैदा होगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब देकर कहा कि आर्टिकल 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट को जो विशेष शक्तियां दी गई हैं, उसमें संविधान में संशोधन या फिर कानून निर्माताओं को हराने की मंशा से कदम उठाने का अधिकार नहीं मिला है। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि इस तरह से राज्यपाल जैसे पद की गरिमा को कम नहीं कर सकते है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल या फिर राष्ट्रपति का पद लोकतांत्रिक व्यवस्था के शीर्ष पद पर हैं। अगर किसी तरह की परेशानी होती है, तब इस मामले को राजनीतिक और संवैधानिक तरीके से हैंडल किया जाएगा। इसमें न्यायपालिका का हस्तक्षेप उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 200 के तहत राज्यपाल के पास अधिकार है कि वे विधेयकों को मंजूरी दे सकते हैं या फिर राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं।

तमिलनाडु को लेकर सुनवाई करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 08 अप्रैल को फैसला देकर कहा था कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को भी बिल को मंजूरी देने को लेकर समयसीमा का पालन करना चाहिए। इसके बाद राष्ट्रपति कि ओर से प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भेजा गया जिसपर 12 अगस्त तक सभी पक्षों को लिखित जवाब देना था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भेजकर सुप्रीम कोर्ट से कुल 14 सवाल किए थे।

अब सुप्रीम कोर्ट के एक संवैधानिक पीठ 19 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी जिसमें सीजेआई बीआर गवई भी शामिल होने वाले है। कोर्ट का कहना है कि दोनों पक्षों को बहस के लिए चार-चार दिन का मौका दिया जाएगा और 10 सितंबर तक सुनवाई पूरी होगी। सुनवाई की सुविधा के लिए दोनों को लिए सुप्रीम कोर्ट ने नोडल वकील नियुक्त कर दिया है। कपिल सिब्बल की तरफ से मिशा रोहतगी नोडल वकील होंगी। वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहती की तरफ से अमन मेहता नोडल वकील बनाया गया।

राहुल गांधी 17 से शुरु करेंगे वोटर अधिकार यात्रा, 1 सितंबर को पटना में होगा समापन

पटना (एजेंसी)। लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए बिहार के लोगों को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि मैं 17 अगस्त से बिहार में हैं और यहां के मतदाताओं के अधिकार के लिए उनके साथ खड़ा हूं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि 17 अगस्त से बिहार में हूं, आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने और आपके मताधिकार के लिए कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने को तैयार हूं। बिहार को जोड़ती हुई 16 दिन और 1300 किलोमीटर की वोटर अधिकार यात्रा, साथ आएं, हाथ बटाएं। ये भारत के लोकतंत्र और आपके पहले संवैधानिक हक को बचाने की लड़ाई है।

बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का विरोध हो रहा है। इसे लेकर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा निकलेगी। यह यात्रा 17 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तक चलेगी। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को सासाराम, रोहतास से निकलेगी, जो 18 अगस्त को देव दोह, अंबा-कुटुंबा और 19 को हनुमान मंदिर, पूनामा, वजीरगंज पहुंचेगी। 20 अगस्त को एक दिन के ब्रेक के बाद 21 अगस्त को तीज मोहाली दुर्गा मंदिर, शेखपुरा से फिर यात्रा निकलेगी, जो 22 अगस्त को चंदन बाग चौक, मुंगेर, 23 अगस्त को कुर्मला चौक, बरारी, कटिहार और 24 अगस्त को खुश्कीवान, कटिहार से पूर्णिया पहुंचेगी। 25 अगस्त को एक दिन ब्रेक के बाद फिर यात्रा 26 अगस्त को हुसैन पौक, सुपौल से निकलेगी, जो 27 अगस्त को गंगवारा महावीर स्थान, दरभंगा, 28 अगस्त को रीगा रोड, सीतामढ़ी, 29 अगस्त को हरिवाटिका गांधी चौक, बेतिया और 30 अगस्त को एकमा चौक, एकमा विधानसभा, छपरा पहुंचेगी। 31 अगस्त को फिर ब्रेक और फिर 1 सितंबर को पटना के गांधी मैदान में यात्रा समाप्त हो जाएगी।

राज्य में किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने का अधिकार नहीं: सीएम सैनी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की चेतावनी दी है। शनिवार को चंडीगढ़ में उन्होंने अपराधियों को चेताया और कहा कि किसी को भी कानून व्यवस्था खराब करने का अधिकार नहीं है। भिवानी में एक महिला शिक्षिका की हत्या के मामले पर सीएम सैनी ने कहा कि लोगों को सुरक्षित माहौल देना सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि किसी के पास कानून व्यवस्था को खराब करने का अधिकार नहीं है। इसलिए सभी लोग आराम से रहें।

सीएम सैनी ने कहा कि कोई कितना भी बड़ा व्यक्ति हो, अगर कानून के खिलाफ काम करेगा तो वह बचेगा नहीं। यह सरकार का साफ संदेश है। सीएम सैनी ने जन्माष्टमी पर्व पर कहा कि श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव है। वह एक गरीब व्यक्ति को उठाकर अपनी छाती से लगाते थे। पीएम मोदी भी गरीब व्यक्ति को उठाकर छाती से लगा रहे हैं। उन्होंने नशे के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की बात कही।

सैनी ने हरियाणा की जनता से कहा कि आप अपने आसपास नशे में संलिप्त लोगों और नशा बेचने वालों की शिकायत करें, इस पर कड़ी कार्रवाई होगी। इस दौरान सीएम सैनी ने कांग्रेस पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को कमजोर करने का काम किया है। देश उस गति से नहीं बढ़ पाया, जो सपना हमारे क्रांतिकारी वीरों का था। 15 अगस्त को 79वां जन्मदिन मनाया गया। हमने उन शहीदों को याद किया, जिनके कारण हम आजाद भारत में रह रहे हैं। कांग्रेस ने कभी उनके सम्मान के अनुरूप काम नहीं किया। आयुष्मान योजना को लेकर उन्होंने कहा कि बातचीत चल रही है, लेकिन हम जल्द ही जिला स्तर पर ऐसे अस्पताल बनाएंगे, जिनमें सबसे अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

विदेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या बांग्लादेशी के नाम काटे जा रहे... राहुल गांधी और तेजस्वी को इतना दर्द क्यों

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने उठाए सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार में गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) पर जारी सियासी घमासान के बीच केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर निशाना साधकर कई सवालों के जवाब पूछे हैं। सांसद राय ने पूछा कि क्या विदेशी घुसपैठियों को, रोहिंग्या बांग्लादेशी को देश के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने का अधिकार है? अगर शामिल होने का अधिकार है, तब इसका जवाब दें कि क्यों और किस लिए? एसआईआर के माध्यम से विदेशी घुसपैठियों के वोट को काटा जा रहा है, तब इसका विरोध क्यों? बिहार के 13 करोड़ जनता और देश के 140 करोड़ नागरिक इसका जवाब चाहते हैं।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने लिखा कि तेजस्वी यादव, नेता प्रतिपक्ष बिहार आपसे विनम्र अनुरोध है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बिहार के लोगों को गुमराह करने की आप कोशिश ना करें। बिहार की जनता आपकी हकीकत को भली भांति जानती है। आप जिस लोकतंत्र की बात करते हैं इसका गवाह बिहार के 13 करोड़ लोग हैं। आपके पिता लालू यादव ने किस तरह लोकतंत्र के नाम पर, चुनाव के नाम पर मत पेटियों को लूटवाने का काम करते थे वह पूरा बिहार इस बात को जानता है।

उन्होंने लिखा कि आप राहुल गांधी के साथ वोट अधिकार यात्रा निकालिए लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है लेकिन मैं राहुल गांधी से पूरा देश ये जानना चाहता है कि कृपया करके यह बताएं कि 1951 -52 यानी देश में जो पहला चुनाव हुआ था उस समय से लेकर कांग्रेस के शासनकाल में जो भी चुनाव हुए हैं उसमें किस तरह से धांधली हुई है किस तरह से वोट चोरी हुई है उसके बारे में भी वोट अधिकार यात्रा के दौरान जरूर बताएं।

नित्यानंद राय ने पत्र लिखकर कांग्रेस और आरजेडी के शासनकाल पर सवाल उठाए हैं। साथ ही राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर एसआईआर को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाया है।

बिहार में उद्योग नीतीश दे रहे बड़ा पैकेज, मुफ्त जमीन और सब्सिडी, जीएसटी में भी छूट

पटना (एजेंसी)। बिहार हमेशा ही बेरोजगारी का गढ़ रहा है। यही कारण है कि देश और दुनिया हर एक कौने में बिहारी बाबू मिल ही जाएंगे। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्यमी और कारोबारियों के लिए स्पेशल पैकेज लेकर आए है। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पटना के गांधी मैदान से इसकी घोषणा की। अब शनिवार को उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी विस्तृत जानकारी दी है। इसके तहत बिहार में नए उद्योग लगाने वालों को अगले 6 महीने तक विशेष सुविधा दी जाएंगी। इनमें कैपिटल सब्सिडी, ब्याज एवं जीएसटी में छूट, मुफ्त जमीन जैसी कई सुविधाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि साल 2020 में सात निश्चय-2 के तहत की गई घोषणा के क्रम में सरकार ने 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लक्ष्य को पूरा कर लिया है। अब सरकार ने अगले 5 सालों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। राज्य में उद्योग लगाने और स्वरोजगार करने वालों को कई प्रकार की सुविधाएं देकर सरकार उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। अब बिहार में उद्योग लगाने के लिए उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी और जीएसटी के लिए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को दोगुना किया जाएगा। साथ ही उद्योग लगाने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी तथा ज्यादा रोजगार देने वाले उद्योगों को मुफ्त में जमीन भी मिलेगी। यही नहीं जो लोग उद्योग लगाएंगे उनके भूमि से जुडे विवादों को भी समाप्त किया जाएगा।यह सारी सुविधाएं अगले 6 महीने में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को दी जाएंगी।सीएम नीतीश ने कहा कि इनके अलावा कई और प्रावधान भी किए गए हैं, जिनसे राज्य में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को काफी मदद मिलेगी। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी।

नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन का निधन, राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया

चेन्नई (एजेंसी)। नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन का चेन्नई के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने उनके निधन पर शोक जताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से दुखी हूं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य और मणिपुर व पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया।

पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से दुःख हुआ। उन्हें एक समर्पित राष्ट्रवादी के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने अपना जीवन सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने तमिलनाडु में भाजपा का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की। तमिल संस्कृति के प्रति भी उनका गहरा लगाव था। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से अत्यंत दुःख हुआ। तमिलनाडु के भाजपा नेता गणेशन ने आपातकाल के दौरान राष्ट्र के लिए बहुमूल्य योगदान दिया। उन्हें पार्टी के विस्तार, विचारधारा के प्रसार और राज्यपाल के रूप में जनता की सेवा के प्रति समर्पण के लिए याद किया जाएगा। मैं उनके निधन पर उनके अनुयायियों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल। गणेशन के निधन से अत्यंत दुखी हूं। उन्होंने जनता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया और तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण और सेवा को सदैव याद रखा जाएगा। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक संवेदना। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, नागालैंड के राज्यपाल एल गणेशन के निधन से दुखी हूं। एक समर्पित राष्ट्रवादी नेता के तौर पर उन्होंने अपना जीवन जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के लिए समर्पित कर दिया।

पुतिन ने ट्रंप से अंग्रेजी में कहा- 'नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को' इस वाक्य पर दुनिया में होने लगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'नेक्स्ट टाइम इन मॉस्को' कहते हुए अंग्रेजी में न्यौता दिया। पुतिन आमतौर पर रूसी भाषा बोलते हैं और भाषणों में दुभाषियों का सहारा लेते हैं। ऐसे में उनका अंग्रेजी का इस्तेमाल अचानक से सुर्खियों में आ गया। यह छोटा-सा वाक्य केवल निमंत्रण नहीं था, बल्कि राजनीति के पन्नों में दर्ज होने वाला पल था। एक तरफ पुतिन का अंग्रेजी बोलना, दूसरी तरफ ट्रंप का सहज अंदाज, इन 2 बातों नेइंटरनेशनल मीडिया को खूब मसाला दिया। लोग यह जानने को उत्सुक हो गए कि आखिर पुतिन कितनी भाषाएं जानते हैं और क्या वे वास्तव में अंग्रेजी बोलते हैं या सिर्फ फॉर्मेलिटी निभाते हैं?

बता दें कि रूस और अमेरिका की राजनीति अक्सर सुर्खियों में रहती है। कभी हथियारों की होड़, कभी यूक्रेन पर टकराव और कभी व्यक्तिगत बयान। हर बार दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच मुलाकातें चर्चा का विषय बन जाती हैं। हाल में भी ऐसा ही हुआ। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मातृभाषा रूसी है। इसलिए वे स्वाभाविक रूप से इसमें पूरी तरह पारंगत हैं। इसके अलावा पुतिन जर्मन भाषा भी धाराप्रवाह बोल लेते हैं। दरअसल, 1980 के दशक में केजीबी अधिकारी के तौर पर वह ड्रेसडेन (पूर्वी जर्मनी) में तैनात रह चुके हैं। वहां रहकर उन्होंने जर्मन को इतनी अच्छी तरह सीखा कि वे आज भी जर्मन पत्रकारों के साथ डायरेक्ट बातचीत कर सकते हैं। अंग्रेजी की बात करें तो पुतिन इसे समझने में काफी सक्षम हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि वे कई बार दुभाषियों तक को सुधार देते हैं। पुतिन औपचारिक मंचों पर अंग्रेजी का प्रयोग कम करते हैं और अक्सर अनुवादक पर निर्भर रहते हैं। लेकिन इनफॉर्मल पलों में पुतिन अंग्रेजी बोलकर माहौल को सहज बनाने की कोशिश करते हैं। पुतिन का ट्रंप से नेक्स टाइम इन मॉस्को कहना एक हल्की-फुल्की दोस्ताना टिप्पणी हो सकती है। उन्हें डायरेक्ट कनेक्शन यानी बिना दुभाषिए के सीधे अपना संदेश देना ज्यादा प्रभावी लगा होगा। साथ ही उन्होंने पूरी दुनिया को अपनी एक और स्किल- यानी अंग्रेजी भाषा पर पकड़ की झलक भी दिखा दी। ट्रंप की बात करें तो मामला बिल्कुल साफ है। वे केवल अंग्रेजी भाषा जानते हैं और इसी में सहज रहते हैं। न तो वे दूसरी भाषाओं में बातचीत करते हैं और न ही किसी इंटरव्यू में इसका दावा करते हैं। हां, कभी-कभी मजाक में उन्होंने कहा है कि उन्हें कुछ शब्द स्पेनिश या फ्रेंच के आते हैं, लेकिन उन्होंने ज्ञान के तौर पर इसकी आजमाइश अभी तक नहीं की है। इसका मतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भाषाई मामले में पुतिन से पीछे हैं। उनका दायरा अंग्रेजी भाषा तक ही सीमित है।

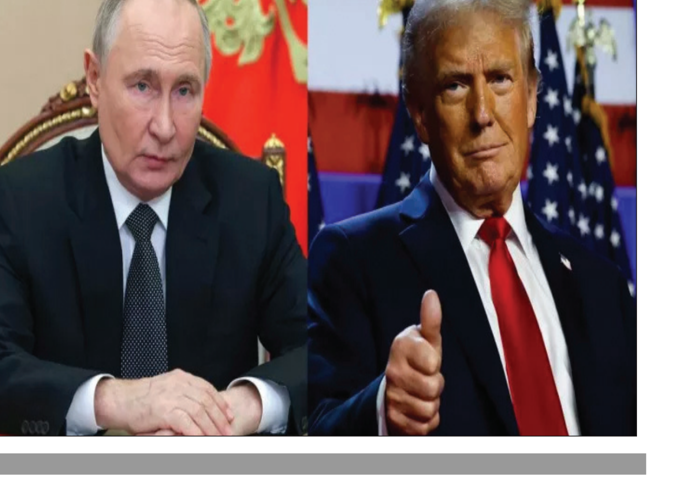

नोएडा के नामी यूनिवर्सिटी में छात्र ने लगाई फांसी

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के अंतिम वर्ष के बीटेक (कंप्यूटर साइंस) के छात्र शिवम डे (24) ने 15 अगस्त की रात नॉलेज पार्क स्थित एचएमआर हॉस्टल में चादर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शिवम मूलरूप से बिहार के पूर्णिया जिले के मधुबनी कॉलोनी का रहने वाला था। उसका घर 1300 किलोमीटर से भी अधिक दूर था। घटना के समय उसका रूममेट बाहर गया हुआ था। जब तक साथियों और हॉस्टल प्रशासन को जानकारी मिली, तब तक शिवम दम तोड़ चुका था। पुलिस ने मौके से एक सुसाइड नोट बरामद किया है। उसमें उसने आत्महत्या के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया है। नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। पिता कार्तिक चंद्र डे प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। पत्नी कविता डे गृहिणी हैं। परिवार में एक छोटी बहन स्निग्धा भी है, जो कक्षा दसवीं में पढ़ती है। परिजनों ने बताया कि शिवम दो महीने पहले ही माता-पिता के साथ वैष्णो देवी दर्शन कर लौटा था। वह स्वभाव से शांत और विनम्र था। वार्डन और मित्रों ने बताया था कि शिवम ज्यादा बातचीत नहीं करता था। पिछले दिनों वह कई बार उदास दिखा। परिजनों के अनुसार शिवम वर्ष 2022 में शारदा यूनिवर्सिटी में दाखिल हुआ था।

डिलीवरी बॉय की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के बाहरी इलाके चंदर विहार में शनिवार रात 12:20 बजे एक 24 साल के डिलीवरी बॉय अशीष वर्मा की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना नशे में हुई झड़प के दौरान पैसे के विवाद को लेकर हुई। अशीष की मां के बयान के आधार पर, उनके पड़ोसियों भजन लाल (32) और राकेश (30) को हत्या का आरोपी बनाया गया है। दोनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उनके खिलाफ उचित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपी दीपक विहार, नीलोठी एक्सटेंशन के रहने वाले हैं। घटना के बाद अशीष को उनके परिवार वाले तुरंत दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

निजामुद्दीन में दरगाह की दीवार-छत गिरने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़ी

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। हादसे के बाद से दरगाह के चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ है। दरगाह को अंदर से बंद कर दिया गया है। इस दौरान एक-दो श्रद्धालु बाबा की दरगाह पर आए जिन्हें घटना की कोई जानकारी नहीं थी। हादसे के बारे में जानकर वह मायूस हो गए और दुखी मन से वापस चले गए। हजरत निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार को दरगाह शरीफ पत्तेवाली की दीवार और छत गिर जाने से छह लोगों की मौत हुई थी, उसमें एक दिन बाद एक आंकड़ा और बढ़ गया। हादसे में घायल एक और पीड़ित की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं दूसरी तरफ शनिवार सुबह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने घटनास्थल के आसपास की जगह का मुआयना किया। टीम ने बाबा पत्ते शाह की दरगाह के अंदर जाने की भी कोशिश की लेकिन दरगाह के मेन दरवाजे पर ताला देखकर लौट आई। इस दौरान दरगाह के आसपास के इलाके की भी जांच की। जांच में लगा कि दरगाह के नजदीक बने बतासे वाले महल के आसपास बड़ी-बड़ी घास उग आई है, जिसे हटाना चाहिए। इसके बाद टीम ने दरगाह के आसपास बने जंगल को साफ करने के निर्देश दिए हैं। दरगाह के आसपास का निरीक्षण करने के बाद टीम वीआईपी गेट से हुमायूं का मकबरा के अंदर गई। वहां दरगाह से सटे मकबरे की दीवार का जायजा लिया। हालांकि दीवार के आसपास पुलिस की ओर से सिक्योरिटी रिबन से हादसे वाली जगह को कवर दिया गया है। इसके अलावा दरगाह के मेन गेट को अंदर से बंद कर दिया गया है। कुंडे पर ताला लगा दिया गया है। दरगाह के अंदर कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था और न ही दरगाह के अंदर बने मस्जिद में कोई व्यक्ति था। दरगाह का मलबा वहां पड़ा हुआ है। फिलहाल दरगाह की दीवार गिरने के बाद से जांच के आदेश दिए गए हैं। हादसे के बाद से दरगाह के चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ है। दरगाह को अंदर से बंद कर दिया गया है। इस दौरान एक-दो श्रद्धालु बाबा की दरगाह पर आए जिन्हें घटना की कोई जानकारी नहीं थी। हादसे के बारे में जानकर वह मायूस हो गए और दुखी मन से वापस चले गए। बाबा पत्ते शाह का पूरा नाम हजरत शम्सुद्दीन औताद था। वह 13वीं सदी के सूफी संत थे। वह इस्लामिक शिक्षा के जानकार थे। जानकार बताते हैं कि हजरत निजामुद्दीन औलिया अपने शिष्यों को दीनी तालीम देने के लिए उन्हें शम्सुद्दीन के पास भेजते थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन इस्लाम धर्म के प्रचार और प्रसार में लगा दिया। उनकी दरगाह हुमायूं के मकबरे की दीवार से सटे ग्यासपुर गांव में स्थित है। यह गांव दिल्ली की ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा है।

Screengrab from video posted on X by @ANI

बेकाबू गाड़ी ने बाइक सवार को रौंदा, पांच बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर तेज रफ्तार बेकाबू थार का कहर देखने को मिली। मोती नगर इलाके में कार ने बाइक सवार शख्स को रौंद दिया। इस घटना में बाइक सवार शख्स की मौत हो गई। मृतक शख्स की पहचान बेचू लाल (40) के रूप में हुई है। घटना के बाद से आरोपी कार चालक फरार है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। इससे पहले इसी महीने चाणक्यपुरी इलाके में इसी तरह की घटना सामने आई थी, जहां थार सवार ने दो लोगों को कुचल दिया था, जिनमें से एक की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हो गया था। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि मध्यरात्रि को मोती नगर थाना पुलिस को एक दुर्घटना की सूचना मिली है। इस दुर्घटना में एक बाइक को थार वाहन ने टक्कर मार दी थी। बाइक सवार की मौके पर मौत हो चुकी थी। घटना के बाद थार का चालक मौके से भाग गया। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के जरिए चालक की पहचान कर उसको पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। उसे पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। मृतक बेचू लाल की बहन किरण ने बताया, पुलिसवालों ने हमें एक वीडियो दिखाया और बताया कि उनकी बाइक खड़ी थी और थार ने बाइक को ज़ोर से टक्कर मार दी। उन्होंने कहा कि वे तुरंत कार्रवाई करेंगे और ड्राइवर को जल्द ही पकड़ लेंगे। मेरे भाई के पांच छोटे बच्चे गांव में रहते हैं।

गैंगस्टर के नाम पर थाईलैंड जाकर मांगी दो करोड़ की रंगदारी

नई दिल्ली। तीन दोस्तों ने कर्ज चुकाने के लिए करोल बाग के एक बड़े ज्वेलर से नामी गैंगस्टर का नाम लेकर दो करोड़ की रंगदारी मांग ली। किसी को शक न हो इसके लिए तीनों दिल्ली से थाईलैंड पहुंचे। वहां से एक सिमकार्ड खरीदकर उसी से व्हाट्सएप कॉल की गई। रकम न देने पर ज्वेलर के तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी गई। शिकायत मिलने के बाद देशबंधु गुप्ता रोड और साइबर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने तीनों आरोपियों को थाईलैंड से दिल्ली पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान सुमित मनचंदा, प्रिंस और नीतिश के रूप में हुई है। आरोपी नीतिश लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से ग्रेजुएट है, वहीं सुमित भी बीकॉम पास है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल दो मोबाइल फोन व अन्य सामान बरामद किया है। आरोपियों ने खुलासा किया है कि इनके ऊपर एक करोड़ से अधिक का कर्ज है। उसे चुकाने के लिए रंगदारी मांगने की साजिश रची। पुलिस से बचने के लिए वह थाईलैंड पहुंचे और वहां से कॉल की। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि पिछले दिनों देशबंधु गुप्ता रोड थाना पुलिस को रंगदारी मांगने की शिकायत मिली थी। पीड़ित ने बताया कि थाईलैंड में मौजूद गैंगस्टर ने परिवार को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपये की मांग की है। रुपये क्रिप्टो करेंसी में मांगे गए हैं। रुपये की पेमेंट के लिए एक क्यूआर कोड भी उसके व्हाट्सएप पर भेजा गया है। फौरन थाना प्रभारी रणधीर सिंह, साइबर थाना प्रभारी संदीप पंवार व अन्य की टीम ने छानबीन शुरू की। मामला चूंकि बेहद गंभीर था इसलिए टीमों ने अलग-अलग तरह से अपना काम किया और छानबीन शुरू की। मामले को देखते हुए इंस्पेक्टर संदीप पंवार ने वरिष्ठ अधिकारियों के जरिये गृहमंत्रालय के आई4सी से मदद ली। इसके अलावा कई पेड साइबर आधुनिक टूल की मदद ली गई। कॉलर की लोकेशन थाईलैंड की मिली। इसके अलावा क्यूआर कोड की मदद से आरोपियों की पहचान कर ली गई। टीम उनके घरों के पास तैनात कर दी गई। जैसे ही आरोपी अपने-अपने घर पहुंचे तो उनको दबोच लिया गया। सुमित को पंजाबी बाग, प्रिंस को पुलबंगश में रोशनआरा रोड और नीतिश को मोती नगर से दबोचा। इनके पास से थाईलैंड की सिम वाला मोबाइल व क्यूआर कोड बनाने वाला मोबाइल भी बरामद कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने वारदात में अपना हाथ होने की बात स्वीकार कर ली। सुमित ने बताया कि उसका ज्वेलरी का काम है। वह पीड़ित को अच्छी तरह जानता है। उसका पीड़ित के घर आना-जाना था। दोस्त प्रिंस व नीतिश पर भी कर्ज था। उसको चुकाने के लिए सुमित ने साजिश रचकर दोस्तों को भी शामिल किया। नीतिश ट्रैवल एजेंसी चलाता है। उसकी अच्छी खासी आमदनी भी होती है। बावजूद इसके उसने रंगदारी में शामिल होने के लिए हां कर दी। पुलिस से बचने के लिए थाईलैंड में रहने वाले गैंगस्टर के नाम पर रंगदारी की साजिश रची। तीनों थाईलैंड पहुंचे और वहां से कॉल कर रंगदारी मांगी गई।

पेड़ काटने पर पुलिस को करना होगा पौधरोपण

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने मंगोलपुरी थाना परिसर में बिना अनुमति पीपल का पेड़ काटे जाने और दो नीम के पेड़ों की अवैध छंटाई पर दिल्ली पुलिस को जिम्मेदार ठहराया है। अधिकरण ने आदेश दिया है कि पुलिस इसकी भरपाई करने के लिए पौधारोपण करे। साथ ही, कम से कम पांच वर्ष तक इनकी देखरेख सुनिश्चित करे। यह मामला स्थानीय निवासी की शिकायत पर सामने आया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि थाने के नवीनीकरण कार्य के दौरान एक ठेकेदार की तरफ से पेड़ों को नुकसान पहुंचाया गया। मार्च 2025 में दाखिल हलफनामे में वन विभाग ने पुष्टि की कि दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम (डीपीटीए), 1994 का उल्लंघन हुआ है। दिल्ली पुलिस ने अपने जवाब में कहा था, मंगोलपुरी का पुराना थाना परिसर खाली पड़ा था और देखरेख की जिम्मेदारी चौकीदार पर थी। परिसर में टूटी टिन शेड की मरम्मत के लिए ठेकेदार को कार्यादेश दिया गया था।

ट्रैफिक जाम से थमी राजधानी की रफ्तार

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। राजधानी में बीते कई दिनों से बारिश का दौर जारी है। ऐसे में शनिवार को भी सुबह से ही बादल और सूरज के बीच अठखेलियों का खेल जारी रहा। दिन के समय कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसने और उमस भरी गर्मी बढ़ा दी। लेकिन, शाम के समय अच्छी बारिश हुई। ऐसे में इंडिया गेट पर आए पर्यटक बारिश का लुफ्त उठाते दिखे। जहां जन्माष्टमी पर बारिश ने लोगों को राहत पहुंचाने का काम किया, लेकिन दूसरी ओर बारिश के चलते कई हिस्सों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और जनजीवन पर बुरा असर पड़ा। ऐसे में बारिश ने ड्रेनेज सिस्टम की खामियों को फिर से उजागर किया। नालों और सीवरों के ओवरफ्लो होने से कई रिहायशी इलाकों में पानी भर गया। यही नहीं, बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बाधित हुई। इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऐसे में दफ्तर से घर जा रहे लोग बीच सुरक्षित जगह रूककर बारिश के थमने का इंतजार करते दिखे। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस के साथ 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का 98 से 71 फीसदी रहा। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक दिल्ली में 0.2 एमएम बारिश दर्ज की गई। आया नगर में 4.6, रिज में 1.8, लोधी रोड़ में 0.2 और पालम में बारिश दर्ज की गई। वहीं, मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी हल्की स्तर की वर्षा होने की संभावना जताई है। इस दौरान आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। राजधानी के साथ ही एनसीआर में हल्की बारिश और बादलों वाला मौसम बना रहेगा। दिल्ली एनसीआर में रुक-रुक कर पड़ने वाली फुहारों के कारण अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है। दिल्ली में इस हफ्ते अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। एक दिन पहले शुक्रवार को दिल्ली के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इससे लोगों को उमस से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, 17, 18 और 20 अगस्त को दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 19, 21 और 22 अगस्त को दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। बता दें कि शुक्रवार की सुबह से ही दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में घने बादल छाए रहे। इस दौरान कई इलाकों में हल्की तो कुछ इलाकों इलाकों में तेज बारिश हुई।

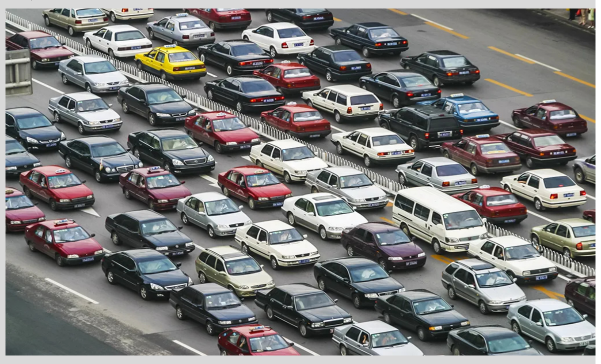

डूसू चुनाव लड़ने के लिए एक लाख के बॉन्ड का आदेश तुगलकी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों को एक लाख बॉन्ड भरने के प्रावधान का विरोध बढ़ता जा रहा है। एनएसयूआई और एबीवीपी के विरोध के बाद अब आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने इस आदेश पर विरोध जताया है। एसैप का कहना है कि डीयू प्रशासन का यह आदेश तुगलकी है। प्रशासन इस फरमान के जरिये मिडिल क्लास छात्रों को चुनाव से दूर रखने की साजिश कर रहा है। वहीं, छात्र संगठन इनसो ने भी डूसू चुनाव समिति अधिकारियों से मुलाकात पर इस प्रावधान के विरोध में ज्ञापन दिया। एसैप ने डीयू प्रशासन और वाइस चांसलर से इस आदेश पर विचार करने की मांग की। साथ ही कहा है कि अगर यह आदेश वापस नहीं लिया जाता है तो एसैप छात्रों के साथ विरोध प्रदर्शन करेगा। एसैप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप बिधुड़ी ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर कहा कि यह फरमान सीधे तौर पर मध्यम वर्ग के छात्रों को चुनाव लड़ने से रोकने की एक साजिश है। बिधुड़ी ने कहा कि इस फरमान से वही छात्र चुनाव लड़ पाएंगे जिनके पास पैसा होगा। एसैप के दिल्ली प्रदेश उपाध्यक्ष पाश शेरवानी ने कहा कि हम छात्रों के साथ खड़े हैं। ए वहीं, इनसो के प्रदेश अध्यक्ष अंकुर धामा ने डूसू चुनाव अधिकारी से मुलाकात कर एक लाख के बांड भर कर चुनाव लड़ने वाले प्रावधान के विरोध में ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान से गरीब किसान का बच्चा चुनाव लड़ने से वंचित रह जाएगा। एबीवीपी ने भी बुधवार को एक लाख रुपये बॉन्ड भरने के प्रावधान को तत्काल वापस लेने के संदर्भ में ज्ञापन सौंपा और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए एक लाख रुपये का बॉन्ड भरवाना ना केवल अलोकतांत्रिक है बल्कि चुनाव को केवल अमीर वर्ग के छात्रों तक सीमित करने का एक प्रयास है।

अधिवक्ता ने चार मंजिला ऊंची इमारत से कूद कर दी जान

नई दिल्ली। लाजपत नगर में मंगलवार दोपहर अधिवक्ता फागुन कालरा (33) ने चार मंजिला इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। लाजपत नगर में ही रहने वाले अधिवक्ता विवाहित थे। मूलरूप से वह चंडीगढ़ के रहने वाले थे। पुलिस को उनकी जेब से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है जिसमें किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। शुरुआती जांच में पता लगा है कि अवसाद (डिप्रेशन) में होने की वजह से उन्होंने खुदकुशी जैसा कदम उठाया है। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 1:20 बजे लाजपत नगर थाने में पीसीआर कॉल मिली कि कोई व्यक्ति छत से गिर गया है। लाजपत नगर थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पर फागुन कालरा सड़क पर खून से लथपथ हालत में मिले। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि चौथी मंजिल से कूदने से उनकी मौत पर ही मौत हो गई थी। उनकी पत्नी ने नोट में लिखावट को प्रारंभिक तौर पर पहचान लिया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने जांच की और मामले में संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

देश में एशियाई शेरों की संख्या बढ़ी, पांच साल में 32 प्रतिशत बढ़े

नई दिल्ली। भारत में एशियाई शेरों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने रविवार को विश्व शेर दिवस पर 16वीं शेर जनसंख्या रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि बीते पांच वर्षों में देश में एशियाई शेरों की संख्या में 32 प्रतिशत की तेजी आई है। जिसके बाद देश में एशियाई शेरों की संख्या बढ़कर 891 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बारदा वाइल्डलाइफ सेंचुरी, जेतपुर और आसपास के इलाकों में, बाबरा जसदान और आसपास के इलाकों समेत कुल नौ स्थानों पर एशियाई शेरों की संख्या 497 पाई गई है। वहीं पहली बार कॉरिडोर इलाके में 22 एशियाई शेर पाए गए हैं। सैटेलाइट की मदद से यह गिनती की गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत को एशियाई शेरों का घर होने में बेहद गर्व है। बीते कुछ वर्षों में देश में शेरों की संख्या में इजाफा हुआ है। साल 2015 में जहां 523 शेर थे, वहीं 2025 में इनकी संख्या बढ़कर 891 हो गई है। हमें इस मामले में जबरदस्त सफलता मिली है। वर्ल्ड लायन डे पर हम अपने शेरों को बचाने का प्रण लेते हैं। बीते एक दशक में देश में शेरों की संख्या 70 प्रतिशत बढ़ी है। गुजरात के अमरेली में अभी सबसे एशियाई शेर हैं, जिनमें करीब 82 व्यस्क नर और 117 व्यस्क मादा शेर और 79 शावक शामिल हैं। मितियाला वाइल्डलाइफ सेंचुरी में शेरों की संख्या में सबसे ज्यादा तेजी आई है, उसके बाद भावनगर मेनलैंड और दक्षिणी पूर्वी तट शामिल हैं। हालांकि कुछ इलाकों में शेरों की संख्या में कमी भी आई है, जिनमें गिरनार वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और भावनगर तट के इलाके शामिल हैं।

सोनीपत और बहादुरगढ़ के लिए 2,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दो नए 4-लेन संपर्क मार्गों से कनेक्टिविटी होगी बेहतर

नई दिल्ली। हरियाणा के सड़क ढांचे को नई गति देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 अगस्त को प्रदेश को दो बड़ी सड़क परियोजनाओं की सौगात देंगे। सोनीपत और बहादुरगढ़ को जोड़ने वाले लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दो नए 4-लेन संपर्क मार्गों से इन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री 17 अगस्त को दिल्ली के रोहिणी से लगभग 11 हजार करोड़ रुपये लागत की 6 सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें से दो परियोजनाएं हरियाणा से जुड़ी हैं। इनसे एन.सी.आर. क्षेत्र को ट्रैफिक जाम और कनेक्टिविटी की चुनौतियों से मुक्ति मिलेगी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि ये परियोजनाएं एनसीआर क्षेत्र में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इनमें अर्बन एक्सटेंशन रोड - 2 परियोजना के अंतर्गत पैकेज-4 में 1490 करोड़ रुपये की लागत से बना 29.6 किमी लंबा मार्ग सोनीपत को सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह अब एनएच -44 के भारी ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाएगा। यह बवाना औद्योगिक क्षेत्र को सीधे एनएच-352 जींद-गोहाना मार्ग से जोड़कर व्यापार और उद्योग को नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि पैकेज-5 में 487 करोड़ रुपये की लागत से बना 7.3 किमी का मार्ग दिल्ली के दिचाऊं कलां को सीधे बहादुरगढ़ और केएमपी एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। इससे बहादुरगढ़ और केएमपी एक्सप्रेसवे तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के लोकार्पण से क्षेत्र में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और यातायात सुगमता को नया आयाम मिलेगा। साथ ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से हरियाणा के प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए जा रहे ये उपहार हरियाणा की प्रगति यात्रा में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने बताया कि नई सड़क परियोजनाओं से सोनीपत और बहादुरगढ़ ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों को भी लाभ होगा। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री का हरियाणा से विशेष जुड़ाव है। प्रधानमंत्री का स्नेह और आशीर्वाद समय - समय पर हरियाणा को मिलता है। उन्होंने हरियाणा के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए हरियाणा की 2 करो? 80 लाख लोगों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने एलएचएमसी निदेशक को लिखा पत्र

दिल्ली-एनसीआर । लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) एवं संबद्ध अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल और वैकल्पिक सेवाओं से हटने के संबंध में एलएचएमसी निदेशक को एक पत्र लिखा है। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) एवं संबद्ध अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल और वैकल्पिक सेवाओं से हटने के संबंध में एलएचएमसी निदेशक को एक पत्र लिखा है। पत्र में लिखा है कि आपको तत्काल सूचित किया जाता है कि कल देर रात एलएचएमसी के आकस्मिक चिकित्सा विभाग में एक दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर घटना घटी। हमारे सर्जरी रेजिडेंट के साथ उपद्रवियों/भीड़ के एक समूह ने मारपीट की, जिससे न केवल हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान, बल्कि अस्पताल परिसर की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। रेजिडेंट डॉक्टर तत्काल प्रभाव से सभी वैकल्पिक सेवाओं से अपनी सेवाएँ वापस ले रहे हैं।

56 वर्षीय महिला के गर्भाशय से निकाला 18.5 किलोग्राम का ट्यूमर

नई दिल्ली। दिल्ली के नामी निजी अस्पताल में 56 वर्षीय महिला के गर्भाशय से सफलतापूर्वक 18.5 किलोग्राम ट्यूमर निकाला गया। इस ट्यूमर के कारण महिला को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ट्यूमर के कारण आसपास के अंगों पर दबाव पड़ रहा था। इससे महिला को चलने-फिरने में भी मुश्किल थी। महिला को फाइब्रॉइड (गर्भाशय में होने वाली गैर-कैंसरकारी गांठे) की समस्या था। महिला की सर्जरी अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग प्रमुख डॉ. दिनेश कंसल के नेतृत्व में की गई। डॉ. दिनेश कंसल ने कहा कि मरीज के गर्भाशय में बहुत बड़ा ट्यूमर था। इस कारण गर्भाशय बढ़कर आंतों, ब्लैडर व यूरेटर जैसे आसपास के अन्य अंगों को दबाने लगा था। इंटर्नल एनाटॉमी गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी। महत्वपूर्ण अंग फाइब्रॉइड से चिपके हुए थे। पहले हुई सर्जरी के कारण मरीज के शरीर के अंदर कुछ घाव भी थे। जिससे यह सर्जरी और भी जटिल हो गई थी। यह ऑपरेशन कई घंटों तक चला। ऑपरेशन के बाद चौथे दिन महिला को छुट्टी दे दी गई। अस्पताल की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डॉ. सुप्रिया महिपाल ने कहा कि इस मामले में सिर्फ तकनीकी कौशल की नहीं बल्कि लगातार स्थिति के अनुरूप निर्णय लेने की भी जरूरत थी। न्यूनतम मुश्किलों के साथ सभी चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार करना ही इस सर्जरी को सही मायनों में खास बनाता है।

तिहाड़ में उगाही रैकेट चलाने के आरोप में नौ अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट को बुधवार को सूचित किया गया कि तिहाड़ जेल के नौ अधिकारियों को जेल के अंदर कैदियों के साथ मिलकर कथित तौर पर उगाही रैकेट चलाने के आरोप में निलंबित और स्थानांतरित किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने दिल्ली सरकार और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया। सुनवाई को 28 अक्टूबर के लिए निर्धारित किया। आरोप सामने आने के बाद, दिल्ली सरकार ने कहा कि उसने नौ जेल अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है, जिन्हें संबंधित नियमों के तहत निलंबित और स्थानांतरित किया गया है। खंडपीठ ने सरकार को निर्देश दिया कि वह तिहाड़, मंडोली और रोहिणी सहित दिल्ली की सभी जेलों में अपना परामर्श पत्र प्रसारित करें। यह मामला पूर्व कैदी की ओर से दायर याचिका से संबंधित है, जिसमें तिहाड़ जेल के अंदर उगाही और कैदियों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों का आरोप लगाया गया था। खंडपीठ ने पहले सीबीआई को इन आरोपों की प्रारंभिक जांच करने का आदेश दिया था। जांच रिपोर्ट में कैदियों और जेल अधिकारियों की अवैध और भ्रष्ट गतिविधियों में संलिप्तता का संकेत मिला। 11 अगस्त को, खंडपीठ ने आरोपों को चौंकाने वाला बताते हुए सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया और कहा कि इस मामले में सरकार की ओर से गंभीर विचार की आवश्यकता है। 2 मई को, दिल्ली सरकार के गृह विभाग के प्रधान सचिव को तथ्य-खोज जांच करने और तिहाड़ में प्रशासनिक और पर्यवेक्षी चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों का पता लगाने का निर्देश दिया गया था। 11 अगस्त को सरकार के वकील ने खंडपीठ को सूचित किया कि विभाग को जांच पूरी करने के लिए और समय चाहिए। याचिका में जेल अधिकारियों और कैदियों की ओर से अनियमितताओं, अवैध गतिविधियों, कदाचार और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। याचिका में दावा किया गया कि जेल परिसर के अंदर कुछ सुविधाएं हासिल करने के लिए जेल के अंदर और बाहर के कुछ व्यक्तियों ने जेल अधिकारियों के साथ मिलकर उगाही की। खंडपीठ ने सीबीआई वकील को निर्देश दिया कि जांच न केवल जेल अधिकारियों के आचरण पर, बल्कि इसमें शामिल सभी लोगों पर, जिसमें कुछ कैदियों के रिश्तेदार और याचिकाकर्ता स्वयं शामिल हैं, केंद्रित हो।

युवती के साथ अश्लील हरकत करते हुए देखने पर कर दी हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व जिले के अमर कॉलोनी थाना इलाके में बुधवार युवती के साथ अश्लील हरकत करते हुए देखने पर आरोपियों ने युवक की हरकत दी थी। आरोपियों ने पहले उसके सिर को पत्थर पर रखा और दूसरे पत्थर कुचल दिया। डंडे से ताबड़तोड़ वार किया। पुलिस व जिले के नारकोटिक्स स्क्वायड की टीमों ने तीन नाबालिगों को इस मामले में पकड़ा है। बताया जा रहा है कि तीसरे आरोपी की उम्र अभी 18 वर्ष है, मगर पुलिस सत्यापन होने तक उसे नाबालिग ही जा रहा है। जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार धर्म बुधवार को आस्था कुंज में घूम रहा था। उसी समय उसके साथ वारदात को अंजाम दिया गया। बताया जा रहा है कि तीसरे आरोपी की उम्र अभी 18 वर्ष है, मगर पुलिस सत्यापन होने तक उसे नाबालिग ही जा रहा है।

निर्माण और विध्वंस से निकलने वाला मलबा बन रहा है गंभीर चुनौती

नई दिल्ली। राजधानी में कूड़े की तरह ही निर्माण और विध्वंस से निकलने वाला मलबा भी गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। एमसीडी के पास फिलहाल इतनी क्षमता नहीं है कि वह प्रतिदिन निकलने वाले पूरे मलबे का निपटान कर सके। परिणामस्वरूप, सड़कों के किनारे, नालों और खाली जमीनों पर मलबे के ढेर आम नजारा बन चुके हैं। आंकड़े बताते हैं कि राजधानी में रोजाना करीब 6000 टन कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन (सीएंडडी) वेस्ट यानी मलबा निकलता है लेकिन एमसीडी की निस्तारण की क्षमता 5000 टन प्रति दिन तक ही सीमित है। इससे करीब 20 प्रतिशत मलबा बिना प्रोसेस हुए रह जाता है। आलम यह है कि मलबा नालों को जाम करता है। धूल प्रदूषण बढ़ाकर निर्माण स्थलों के आसपास सफाई को प्रभावित करता है। इस समस्या को देखते हुए एमसीडी ने क्षमता विस्तार का रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत ओखला के सेनेटरी लैंडफिल पर आठ एकड़ भूमि में 1,000 टन प्रतिदिन क्षमता का नया सीएंडडी प्लांट प्रस्तावित है। इसके दिसंबर 2026 तक इसके शुरू होने की संभावना है। इसके चालू होने के बाद कुल प्रोसेसिंग क्षमता 6,000 टन प्रतिदिन हो जाएगी जो मौजूदा जरूरत के बराबर होगी। एमसीडी ने 106 सीएंडडी डंपिंग साइट जनता के लिए निर्धारित हैं।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहरुख उर्फ शक्ति पुत्र सगीर निवासी फिरदौस मस्जिद के पास, गरिमा गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 240/2017, U/S 379/356/411 IPC, अन्तर्गत थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहरुख उर्फ शक्ति** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहरुख उर्फ शक्ति** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 240/2017, U/S 379/356/411 IPC, अन्तर्गत थाना नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **शाहरुख उर्फ शक्ति** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं. 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/10794/NE/2025(Court Matter)

स्वतंत्रता दिवस पर महापौर ने निगम मुख्यालय में किया ध्वजारोहण

एजेंसी

फरीदाबाद। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम महापौर श्रीमती प्रवीण जोशी ने नगर निगम मुख्यालय में ध्वजारोहण कर शहर वासियों को शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने मुख्यातिथि महापौर का स्वागत किया। महापौर श्रीमती प्रवीण जोशी ने इस पावन अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरा भारत तिरंगामय है, हर गली, हर घर तिरंगे के रंग में रंगा है, हर कोने में देश भक्ति की गूंज है। तिरंगा हमारा इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवन प्रतीक है, उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम में आतंकियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या के बाद सख्त निर्णय लेते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और देश की आन बान शान सुरक्षा पर तैनात सभी जवानों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई दी, महापौर श्रीमती प्रवीण जोशी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। महापौर ने इस अवसर पर निगम के अधिकारी और कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया।

भारत अपने स्वाभिमान व सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करता : बिश्नोई

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के महाराणा प्रताप स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने ध्वजारोहण किया। विश्वविद्यालय के नाम अपने सम्बोधन में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि आजादी का हम पर्व केवल उत्सव नहीं, बलिदान और स्वाभिमान की अमरगाथा की स्मृति भी है। उन्होंने बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते हुए भारत की सेनाओं को सलाम किया तथा ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने अदम्य साहस दिखाया है। उन्होंने कहा कि अब विश्व को पता चल चुका है कि भारत अपने स्वाभिमान व सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। भारत तीसरी विश्व शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। धरती पर ही नहीं अंतरिक्ष में भी हम अपनी धाक जमा चुके हैं। भारत अब तकनीकों का आयातक नहीं बल्कि निर्यातक भी बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने तक्षशिला व नालंदा जैसे महान प्राचीन विश्वविद्यालयों का जिक्र करते हुए कहा कि विकसित भारत में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

झज्जर में सांसद रामचंद्र बैंदा और बादली में कार्तिकेय शर्मा ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

झज्जर। जिले में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे जोश और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। झज्जर में सांसद रामचंद्र बैंदा ने, बादली में राज्यसभा सदस्य कार्तिकेय शर्मा ने, बहादुरगढ़ में विधायक राजेश जून ने और बेरी में दादरी से विधायक सुनील सांगवान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर राज्य पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी और स्काउट एंड गाइड्स की टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह के आखिरी चरण के दौरान बारिश शुरू होने के कारण थोड़ा व्यवधान हुआ। जिला स्तरीय समारोह हरियाणा राज्य परिवहन झज्जर की कार्यशाला में आयोजित हुआ, जहां सांसद रामचंद्र बैंदा ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान करने वाले देशभक्तों को याद किया। स्वतंत्रता के बाद से वर्तमान तक देश के विकास का उल्लेख किया। केंद्र और राज्य की मौजूदा सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों का जिक्र किया। देश की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों की वीरांगनाओं को सम्मानित किया। स्कूली बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी के मन में देशभक्ति का जज्बा भर दिया।

भारत की अस्मिता पर चोट पहुंचाने का प्रयास करने वालों को जवानों ने दिया करारा जवाबः बराला

सिरसा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भारत की अस्मिता पर जब-जब चोट पहुंचाने का प्रयास किया है, तब-तब हमारे देश के जवानों ने दुश्मन को करारा जवाब देने का काम किया है। 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया और हमारी बहनों के सिंदूर को उजाड़ दिया। सात मई की रात को हमारे बहादुर सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। यह एक सटीक और साहसिक अभियान था, जिसमें हमारी सेना ने पाकिस्तान की सरजमीं पर जाकर आतंकवाद के नौ ठिकानों को ध्वस्त किया। भारत की ओर से उन्हें उन्हीं की जमीन पर करारा जवाब दिया गया। सुभाष बराला सिरसा में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में विभिन्न राज्यों की झलक दिखी। बराला ने कहा कि हरियाणा की धरती वीरों की भूमि है। दस मई 1857 को अंबाला से स्वतंत्रता आंदोलन की जो चिंगारी उठी, उसने पूरे देश में आजादी की अलख जगा दी। उस चिंगारी ने गुलामी की नींव हिला दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अनेक ऐसी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज राज्य स्तरीय 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुलिस लाइन, अंबाला में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। समारोह की शुरुआत शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देने से हुई। राज्यपाल ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर युद्ध वीरांगनाओं, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों, आपातकालीन व हिंदी आंदोलन में भाग लेने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया। अपने संदेश में राज्यपाल ने 79 वर्ष पूर्व मिली आजादी को बलिदानियों की अमर गाथा बताया और देश की एकता, प्रगति व भाईचारे के संकल्प को दोहराया। उन्होंने हरियाणा के

स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, कृषि, उद्योग, खेल और तकनीकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा ने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई बल्कि आजादी के बाद भी सीमाओं की रक्षा, औद्योगिक विकास, खेलों और शिक्षा के क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी विधवाओं की पेंशन बढ़ाकर 40 हजार रुपये मासिक कर दी गई है। साथ ही पारदर्शिता के लिए 100 से अधिक पोर्टल और ऐप विकसित किए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की तकनीकी और सैन्य उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम में राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष का भी अभिनंदन किया गया। इस मौके पर हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर, उपायुक्त अजय सिंह तोमर, आईजी पंकज नैन, मेयर शैलजा सचदेवा, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पंचकूला में सतर्कता ब्यूरो ने मनाया स्वतंत्रता दिवस, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

एजेंसी

पंचकूला। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आज अपने मुख्यालय और सभी रेंज कार्यालयों में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और

उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर, ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों ने देशभक्ति की भावना के साथ समारोह में भाग लिया। समारोह के दौरान, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा ने उन अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने ब्यूरो में उत्कृष्ट कार्य किया है। यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत और ईमानदारी के प्रति ब्यूरो की सराहना को दर्शाता है।

जिले में उप मंडल स्तर पर धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

एजेंसी

सिरसा। 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह जिला व उप मंडल स्तर पर धूमधाम से मनाया गया। डबवाली में उप मंडल अधिकारी (ना.) अर्पित संगल ने मंडी डबवाली के श्री गुरू गोबिंद सिंह स्टेडियम में उप मंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और ध्वजारोहण किया। इसी प्रकार ऐलनाबाद की अनाज मंडी में आयोजित समारोह में एसडीएम पारस भागोरिया व कालांवाली के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित समारोह में एसडीएम मोहित कुमार ने बतौर मुख्यातिथि ध्वजारोहण किया। समारोह में भव्य परेड निकाली गई तथा स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इसके अलावा जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. विजय कुमार ने ध्वजारोहण किया। सीएमके कालेज में प्राचार्या डा. रंजना ग्रोवर ने तिरंगा फहराया।

डबवाली में आयोजित समारोह में एसडीएम अर्पित संगल ने बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण किया व उप मंडल वासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सम्मान स्वरूप शॉल भेंट की। समारोह में पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, डीएसपी कपिल अहलावत, तहसीलदार सुनील कुमार, नायब तहसीलदार रवि कुमार, बीईओ लक्ष्मण दास, नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सुरेंद्र कुमार, हरियाणा बीज विकास निगम के चेयरमैन देव कुमार शर्मा, दीपा सिंह गंगा सहित

भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे। ऐलनाबाद में आयोजित समारोह में एसडीएम पारस भागोरिया ने ध्वजारोहण किया व परेड की सलामी ली। उन्होंने उप मंडल वासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नगर पालिका ऐलनाबाद के चेयरमैन राम सिंह सोलंकी, तहसीलदार रविंद्र, तहसीलदार रानियां शुभम, डीएसपी संजीव, बीडीपीओ स्टालिन सिद्धार्थ सचदेवा, पूर्व चेयरमैन रवि लढ्ढा, मार्केट कमेटी के सचिव विकास सेतिया, नायब तहसीलदार रानियां लोकेश कुमार उपस्थित रहे।

हमारे वीर जवान ही हमारी ताकत, हमारी पहचान और हमारी शानः मोहन लाल बड़ौली

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर सोनीपत के राई हलके के ताजपुर और जैनपुर गांव में ध्वजारोहण किया। बड़ौली ने इस अवसर पर देश के ज्ञात व अज्ञात शहीदों को नमन किया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन में मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि देश की एकता, अखंडता की रक्षा के लिए हमारे वीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया तब जाकर हमें आजादी मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान ही हमारी ताकत, हमारी पहचान और हमारी शान हैं। बड़ौली ने कहा कि सैनिकों के कल्याण हेतु भाजपा सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हरियाणा की नायब सरकार शहीदों के परिवारों के सम्मान और भलाई के लिए निरंतर काम कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज देश हर्षोल्लास और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, पूरा भारत तिरंगामय है और तिरंगा ही हमारे इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है। बड़ौली ने कहा कि वीर सैनिकों के कारण ही हम चैन की नींद सो पाते हैं और इन्हीं की वजह से एक सूत्र भारत का निर्माण आज हो रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या की और हमारी बहनों के सिंदूर को उजाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के बाद कड़ा एक्शन लिया और हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान में आतंकवाद के 9 ठिकानों को

ध्वस्त किया। बड़ौली ने कहा कि यह केवल प्रतिशोध नहीं था, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश है। श्री बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और मजबूत हो रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोहः मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के लिए किया वोकल फॉर लोकल का आह्वान

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण किया।

उन्होंने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत आज चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। इसके लिए उन्होंने नागरिकों से 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने शहीदी स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी हरियाणा के जवानों ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन बढ़ाकर ?40,000 मासिक कर दी है और युद्ध में शहीद सैनिकों के परिवारों को

दी जाने वाली अनुग्रह राशि को बढ़ाकर 1 करोड़ किया गया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लक्ष्य में हरियाणा का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 10 वर्षों में सरकार ने भेदभाव वाली व्यवस्था को खत्म कर भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार किया है। इस दौरान 1 लाख 80 हजार युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां: किसानों की सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है और अब तक ?1.48 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खातों में डाली गई है। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण को दो वर्गों में बांटा गया है और पिछड़ा वर्ग की क्रीमिलेयर आय सीमा बढ़ाकर ?8 लाख की गई है। 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' के तहत गरीब बेटियों को 71,000 का शगुन दिया जा रहा है।

'आयुष्मान भारत-चिरायु योजना' में लगभग 22 लाख लोगों का मुफ्त इलाज हुआ है। राज्य के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा गया है। महिलाओं को 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' जैसी योजनाओं से सशक्त किया जा रहा है। 21 नए राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए गए हैं और रिठाला से कुंडली मेट्रो कॉरिडोर का शिलान्यास किया गया है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाला समय भी हरियाणा के विकास, उन्नति और समृद्धि का उदाहरण बनेगा।

आज़ादी के रणबांकुरों की शहादत को राष्ट्र सदैव याद रखेगा : प्रो. बीआर कंबोज

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कैंपस स्कूल परिसर में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की जबकि स्कूल की निदेशिका संतोष ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने करतल ध्वनि के बीच ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।कुलपति प्रो. कंबोज ने अपने संबोधन में कहा कि देश को आज़ादी दिलाने में जिन स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया, राष्ट्र उन रणबांकुरों की शहादत को सदैव याद रखेगा। आज हम उन शूरवीरों की बदौलत खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने देश को आज़ादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि अब नक़ल का नहीं, बल्कि नेतृत्व करने का समय है। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने तीन मुख्य मुद्दों पर कार्य करने पर बल दिया, जिसमें प्लास्टिक मुक्त विश्वविद्यालय बनाने, पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण व जल

का संरक्षण शामिल है। कैंपस स्कूल के विद्यार्थियों ने समारोह में देश भक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने देश भक्ति पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसमें 200 छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने शहीद उधम सिंह के जीवन पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी। एनसीसी कैडेट्स ने कदमताल, पीटी शो, तिरंगा गीत तथा हरियाणवी नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुतियां देकर दर्शकों से तालियां बटोरीं। प्राध्यापक सुषमा चौधरी ने सभी का धन्यवाद किया।

सैनिकों के त्याग व समर्पण के कारण ही हम ले रही खुली हवा में सांस : कृष्ण बेदी

एजेंसी

हिसार। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को पूरे देश में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। देश की सीमाओं पर तैनात हमारे जवान विषम परिस्थितियों में भी तिरंगे की शान बनाए हुए हैं और उनके त्याग व समर्पण के कारण ही हम सभी खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए हुए आंदोलनों में क्रांतिकारियों का अहम योगदान रहा है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गिरी सेंटर में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण के बाद उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने परेड की सलामी ली और मार्च पास्ट करने वाली टुकड़ियों का निरीक्षण किया। इससे पूर्व वह उपायुक्त अनीश यादव और पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के साथ लघु सचिवालय परिसर के समीप शहीद स्मारक पर पहुंचे व देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले तथा आजादी के पश्चात राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी शहादत देने वाले अमर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर

भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मंत्री ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में हिसार के निवासियों, विशेषकर ग्रामीणों ने जिस वीरता और साहस का परिचय दिया, वह देश के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा और निर्णायक रुख अपनाया है। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने साफ शब्दों में कहा था कि भारत आतंकवाद को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगा। हमारे सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान की सरजमीं पर 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया और इसके तुरंत बाद ऑपरेशन महादेव चलाकर पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों का सफाया किया। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिजनों की भलाई सरकार की प्रथम प्राथमिकता है। अक्टूबर 2014 से जून 2025 तक 410 वीर शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने बताया कि युवाओं को सेना में भर्ती के लिए तैयार करने के लिए चरखी दादरी, हिसार और यमुनानगर में सशस्त्र बल तैयारी संस्थान खोले जा रहे हैं।

शहीदों के सपनों को साकार कर रही भाजपा सरकारः गहलावत

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना के शहीद मदन लाल ढींगरा स्टेडियम में उपमंडल स्तरीय 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह देश भक्ति के उल्लास से सराबोर रहा। मुख्य अतिथि विधायक कृष्णा गहलावत ने ध्वजारोहण कर वीर शहीदों को नमन किया और परेड की सलामी ली। उन्होंने कहा कि युवा, अन्नदाता, महिला और गरीब ये विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ हैं, जिन्हें सशक्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम कर रही है। समारोह में एनसीसी, पुलिस व स्कूली बच्चों की जोश से भरी परेड देखने को मिली। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति और हरियाणवी संस्कृति से जुड़ी शानदार प्रस्तुतियां दीं। वीरांगनाओं, शहीद परिजनों और समाज सेवियों को सम्मानित किया गया। विधायक ने ऑपरेशन सिंदूरका उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार सेना ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की। उन्होंने शहीदों के परिजनों के लिए सरकारी नौकरियों, किसानों को एमएसपी, युवाओं के लिए रोजगार, और महिलाओं के लिए लाडो सखी जैसी योजनाओं की जानकारी दी। देशभक्ति गीत, नृत्य और कविताओं से माहौल भावुक और उत्साहपूर्ण रहा। अंत में विधायक ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ कर समाज सेवा

का संदेश दिया। इस मौके पर नगर परिषद गोहाना की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय, डीसीपी भारती डबास, भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, भाजपा नेता प्रदीप सांगवान, इंद्रजीत विरमानी, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. धर्मबीर नांदल, विजय, श्यामलाल, कृष्ण गोपाल, ओमप्रकाश शर्मा, रामधारी जिंदल, ओमबीर वत्स, संजय दूहन, रजनिश मलिक आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस केवल कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का पर्व है : आरती राव

एजेंसी

नूंह। हरियाणा की कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने अनाज मंडी में आयोजित 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया और भव्य मार्च पास्ट की सलामी ली। उन्होंने आजादी दिलाने वाले ज्ञात व अज्ञात शहीदों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आरती राव ने स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों, शहीदों की वीरांगनाओं को सम्मानित भी किया। अपने संबोधन में आरती राव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल कैलेंडर की तारीख नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का पर्व बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आतंकवाद पर जीरो टोलरेंस नीति के तहत कार्य कर रहे हैं। आपरेशन सिंदूर के तहत उन्होंने दुनिया को दिखा दिया कि भारत आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं करेगा।आरती राव ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश हर क्षेत्र में उन्नति कर रहा है। कृषि के क्षेत्र में हरियाणा देश का पहला राज्य है, जो सभी फसलों को एमएसपी पर खरीद रहा है। पिछले साढ़े 10 सालों में किसानों को फसल मुआवज़े के रूप में 15 हजार

465 करोड़ दिए गए हैं व पीएम किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 7 हजार करोड़ किसानों के खातों में पहुंचाए गए हैं।आरती राव ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में 'आयुष्मान भारत चिरायु योजना' के तहत 22 लाख लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा दी जा रही है। राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में किडनी मरीजों के लिए डायलिसिस सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं और हाल ही में 561 मेडिकल ऑफिसर व 530 आयुष मेडिकल ऑफिसर की भर्ती की गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने जिला वासियों का आह्वान किया कि सभी मिलकर संकल्प लें कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। यही हमारे अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को एक लाख 51 हजार रुपए देने की घोषणा भी की तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया।

पानीपत में कई जगह मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में 79 वां स्वतंत्रता दिवस शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठन व औद्योगिक संस्थानों में बड़ी धूमधाम से मनाया गया । जिला न्यायालय परिसर पानीपत में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह एवं राष्ट्रीय गौरव के साथ आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुदेश कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण वर्षा शर्मा उपस्थित रहे। अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा के प्रधान सुरेश राणा ने ध्वजारोहण किया उनके साथ वरिष्ठ उप प्रधान सतपाल राणा एडवोकेट आनंदपाल राणा एडवोकेट तेजपाल चौहान राजकुमार राणा राम सिंह राणा धर्मपाल राणा आदि लोग उपस्थित है। आर्य कॉलेज के प्रांगण में ध्वजारोहण कर 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्राध्यापकों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी स्वतंत्रता दिवस के इस कार्यक्रम में भाग लिया। आर्य कॉलेज प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने ध्वजारोहण कर 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया और साथ ही उन्होंने कॉलेज के शिक्षक व गैर शिक्षक वर्ग समेत सभी विद्यार्थियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। आई.बी. कॉलेज, पानीपत की प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा मलिक को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह में विशिष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन हेतु किए गए प्रयासों तथा हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रदान किया गया। सद्भावना पार्क में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया इसमें डॉ ललित वर्मा ने नशे के खिलाफ शपथ दिलाई नशा बहुत बुरी चीज है यह कई बुराइयों को जन्म देती है सभी ने हाथ उठाकर शपथ ली उसके बाद झंडा रस्म अदा की है ।इस मौके पर डॉक्टर मदन लाल महाराज, कीमती लाल, जोगिंदर चावला, शशि लूथरा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।आर्य गर्ल्स पब्लिक स्कूल में 79 वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रगान के उच्चारण के साथ ध्वजारोहण से किया गया।

आईआरबी इंफास्ट्रक्चर ने पहली तिमाही में मुनाफे में 44.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की

- मजबूती का मुख्य कारण टोल कलेक्शन में वृद्धि

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी हाईवे विकास कंपनी आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा इस तिमाही में 202.4 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 140 करोड़ रुपये से 44.6 प्रतिशत अधिक है। इस मजबूती का मुख्य कारण टोल कलेक्शन में वृद्धि को बताया गया है। आईआरबी और उसके प्राइवेट आईएनवीआईटी ने इस तिमाही में टोल से कुल 1,680 करोड़ रुपये की आय हासिल की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 1,555 करोड़ रुपये से लगभग 8 प्रतिशत ज्यादा है। कुल आय भी 13 प्रतिशत बढ़कर 2,099 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल 1,853 करोड़ रुपये थी। ऐ` बिडेटा में भी 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 952 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, मार्जिन पिछले साल के 46.25 प्रतिशत से थोड़ा कम होकर 45.35 प्रतिशत रहा। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 7 प्रतिशत का अंतरिम डिविडेंड यानी 0.07 रुपये प्रति शेयर घोषित किया है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 29 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है और डिविडेंड का भुगतान 12 सितंबर 2025 तक किया जाएगा।

आईआरबी का ऑपरेशन और मेंटेनेंसऑर्डर बुक भी मजबूत रहा और यह 30,900 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें प्राइवेट आईएनवीआईटी से पब्लिक आईएनवीआईटी में एसेट ट्रांसफर के बाद करीब 3,100 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी शामिल है। कंपनी के सीएमडी ने कहा कि 80,000 करोड़ रुपये के मजबूत एसेट बेस के चलते कंपनी को टोल ग्रोथ में फायदा हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की मजबूत जीडीपी ग्रोथ और सरकार के पीपीपी मॉडल पर जोर से आईआरबी आगामी प्रोजेक्ट्स के जरिए नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए तैयार है।

ट्रंप का बड़ा ऐलान- सेमीकंडक्टर पर 300 फीसद तक टैरिफ लगाने की तैयारी

- ट्रंप ने कहा कि उन कंपनियों को राहत दी जाएगी जो अमेरिका में उत्पादन करेंगी

नई दिल्ली ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह अगले दो हफ्तों में सेमीकंडक्टर (चिप्स) पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, मैं अगले हफ्ते और उसके बाद टैरिफ लगाऊंगा। स्टील पर और चिप्स–चिप्स और सेमीकंडक्टर पर। उन्होंने यह भी कहा कि टैरिफ 100 फीसदी ही नहीं, बल्कि 200 या 300 फीसदी तक हो सकता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने स्टील को लेकर गलती से कहा या नहीं, क्योंकि जून में ही वह स्टील और एल्युमिनियम पर 50 फीसदी तक ड्यूटी बढ़ा चुके हैं। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि चिप्स और फार्मास्यूटिकल सेक्टर पर टैरिफ लगाया जाएगा, लेकिन अब तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई थी। इन सेक्टरों की जांच अप्रैल से वाणिज्य विभाग कर रहा है ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टैरिफ लगाया जा सके। ट्रंप ने कहा कि उन कंपनियों को राहत दी जाएगी जो अमेरिका में उत्पादन करेंगी। हाल ही में ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टिम कुक से मुलाकात के दौरान यह स्पष्ट किया कि अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग लाने वाली कंपनियों को छूट मिलेगी। एप्पल पहले ही अमेरिका में 600 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा कर चुका है। ट्रंप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में शिखर बैठक के लिए रवाना हो रहे थे जब उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि रूस के साथ व्यापार तभी संभव होगा जब यूक्रेन युद्ध का हल निकलेगा, नहीं तो रूस पर और कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

बिहार में उद्योग लगाने बड़ा आर्थिक पैकेज दिया जाएगाः नीतीश

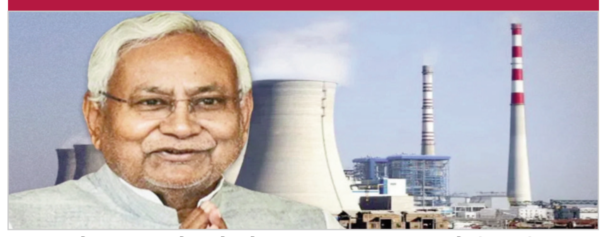

1 करोड़ युवाओं को रोजगार का लक्ष्य घोषित किया

नई दिल्ली ।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जन्माष्टमी के मौके पर नई आर्थिक पहल की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब बिहार में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को विशेष आर्थिक पैकेज दिया जाएगा। इसका मकसद राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देना और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया कि सरकार द्वारा कैपिटल सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी और जीएसटी प्रोत्साहन राशि को दोगुना करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा, उद्योग स्थापित करने के लिए सभी जिलों में जमीन की व्यवस्था की जाएगी। जो उद्योग ज्यादा रोजगार देंगे, उन्हें मुफ्त में भी जमीन दी जाएगी। राज्य सरकार उद्योगों के लिए आवंटित भूमि से जुड़ी विवादों को खत्म करने के लिए भी कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सभी सुविधाएं अगले छह महीने के भीतर लागू कर दी जाएंगी। इसके अलावा, और भी कई प्रावधान किए गए हैं जो उद्यमियों के लिए मददगार साबित होंगे। यह योजना बिहार में आर्थिक विकास को गति देने के साथ-साथ युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगी। नीतीश कुमार ने यह भी बताया कि 2020 में 'सात निश्चय-2' योजना के तहत 50 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। अब सरकार अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है।

इस पहल के तहत स्वरोजगार और उद्योग लगाने वालों को कई प्रकार की सहूलियतें दी जाएंगी, जिससे राज्य में रोजगार के व्यापक अवसर पैदा होंगे। यह कदम बिहार को उद्योग के मामले में आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

केंद्र सरकार ने बढ़ाया मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड

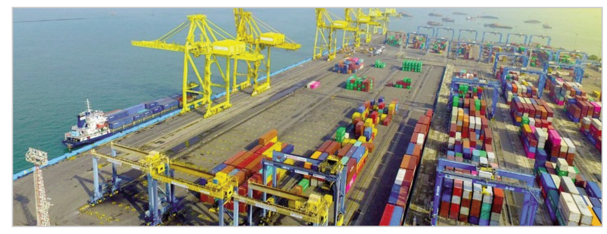

समुद्री क्षेत्र को मिलेगा 70,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ) को 70,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का फैसला किया है। यह राशि फरवरी में घोषित राशि से लगभग 2.8 गुना अधिक है। इस फंड का उद्देश्य जहाज निर्माण, मरम्मत, सहायक उद्योगों, शिपिंग टनेज बढ़ाने और बंदरगाहों के ढांचे का विकास करना है। वित्त मंत्रालय की व्यय वित्त समिति ने इस फंड को मंजूरी दे दी है और जल्द ही कैबिनेट की भी अनुमति मिलने की संभावना है।

इस फंड में 49 प्रतिशत राशि सरकार और सरकारी बंदरगाहों की ओर से रियायती पूंजी के रूप में आएगी, जबकि बाकी 51 प्रतिशत पूंजी बहुपक्षीय और द्विपक्षीय कर्जदाताओं तथा सॉवरेन फंड्स से जुटाई जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस फंड की घोषणा करते हुए कहा था कि यह समुद्री क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन को लंबी अवधि के लिए सस्ती पूंजी उपलब्ध कराएगा। अनुमान है कि 2030 तक यह फंड 1.3 से 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश और 11 लाख नौकरियों का सृजन करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 2047 तक समुद्री क्षेत्र में 885 से 940 अरब डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें शिपिंग टनेज बढ़ाने, ग्रीन जहाजों, अगली पीढ़ी के बंदरगाहों और वैश्विक जहाज निर्माण हब बनाने जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत का लक्ष्य 2030 तक जहाज निर्माण में विश्व के टॉप-10 और 2047 तक टॉप-5 देशों में आना है। हाल ही में संसद ने मर्चेंट शिपिंग बिल, कोस्टल शिपिंग बिल और इंडियन पोर्ट्स बिल जैसे महत्वपूर्ण कानून पारित किए हैं। इसके अलावा, उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए भी 5,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं घोषित की गई हैं, जिनमें अंतर्देशीय जलमार्ग और नए कार्गो टर्मिनल शामिल हैं। यह कदम भारत के समुद्री क्षेत्र को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

एसएंडपी ने भारत की क्रेडिट रेटिंग बढ़ाकर 'बीबीबी किया

- रेटिंग 19 साल बाद पहली बार सुधारी गई

नई दिल्ली ।

साख निर्धारण एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की क्रेडिट रेटिंग 'बीबीबी- से बढ़ाकर 'बीबीबी कर दी है। यह रेटिंग 19 साल बाद पहली बार सुधारी गई है और इसे स्थिर परिदृश्य के साथ रखा गया है। एजेंसी ने इस सुधार के पीछे मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय मजबूती के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और महंगाई नियंत्रण में बेहतर मौद्रिक नीतियों को प्रमुख कारण बताया है। एसएंडपी ने कहा है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले पांच-छह वर्षों में सरकारी खर्च की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' कहने और भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की घोषणा के बावजूद एसएंडपी ने माना कि अमेरिकी शुल्क का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा, क्योंकि भारत की 60 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि घरेलू खपत पर निर्भर है और व्यापार पर निर्भरता कम है। इस रेटिंग सुधार से भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कर्ज़ लेने में आसानी होगी, जिससे कर्ज़ की लागत कम होगी। एसएंडपी ने यह भी कहा कि सरकार की सतर्क राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां आने वाले 24 महीनों में रेटिंग को और मजबूत बनाएंगी। एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2025-26 तक भारत के सामान्य सरकारी घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 7.3 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत करने का अनुमान

लगाया है। एजेंसी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर को भी 6.5 प्रतिशत से बढ़कर अगले तीन वर्षों में औसतन 6.8 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना जताई है। यह रेटिंग सुधार भारत की आर्थिक स्थिरता और विकास के प्रति वैश्विक निवेशकों का विश्वास बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा बैठक अक्टूबर में

नई दिल्ली । भारत और आसियान देशों के बीच चल रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा वार्ता का अगला दौर अक्टूबर 2025 में इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित किया जाएगा। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, यह बैठक 6–7 अक्टूबर को होगी और इसकी मेजबानी मलेशिया करेगा। यह समीक्षा आसियान–भारत वस्तु व्यापार समझौते को अधिक प्रभावी, सरल और व्यापार के लिए अनुकूल बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। समीक्षा के माध्यम से दोनों पक्ष व्यापार प्रक्रिया को बेहतर बनाने, गैर–शुल्क बाधाओं को कम करने और व्यापार सुविधा को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। आसियान भारत का एक प्रमुख व्यापार भागीदार है, जिसकी हिस्सेदारी भारत के वैश्विक व्यापार में लगभग 11 प्रतिशत है। वर्ष 2024–25 में भारत–आसियान द्विपक्षीय व्यापार 123 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो दोनों पक्षों के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों को दर्शाता है।

बीएमडब्ल्यू ने बढ़ाई कारों की कीमतें

- 1 सितंबर से लागू होगी नई दरें

मुंबई । जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने 1 सितंबर 2025 से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने विदेशी विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों को इस बढ़ोतरी का कारण बताया है। बीएमडब्ल्यू इलेक्ट्रिक वाहनों समेत लक्जरी कारों और एसयूवी की श्रृंखला बेचती है, जिनमें द्वितीय सीरीज ग्रैन कूप की कीमत लगभग 46.9 लाख रुपए और बीएमडब्ल्यू एक्सएम की कीमत 2.6 करोड़ रुपए है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ विक्रम पावाह ने कहा कि इस वर्ष की पहली छमाही में कंपनी की बिक्री और विकास की गति काफी अच्छी रही, लेकिन बढ़ती लॉजिस्टिक लागत ने मूल्य बढ़ाने पर मजबूर किया। उन्होंने बताया कि आगामी त्योहारों के दौरान कंपनी कई नए मॉडल लॉन्च करेगी, जिससे ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

अमेरिका में जुलाई में थोक कीमतों में अप्रत्याशित तेजी रही

- फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना प्रभावित हो सकती है

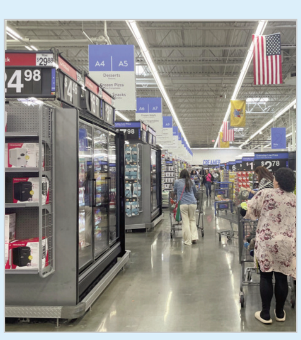

नई दिल्ली। अमेरिका में जुलाई महीने में थोक स्तर पर कीमतों में उम्मीद से कहीं ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स जुलाई में 0.9 फीसदी बढ़ा, जबकि विशेषज्ञों का अनुमान सिर्फ 0.2 फीसदी था। खाद्य और ऊर्जा क्षेत्र को छोड़कर कोर पीपीआई भी 0.9 फीसदी बढ़ा, जो अनुमानित 0.3 फीसदी से काफी अधिक है। वार्षिक आधार पर, हेडलाइन पीपीआई 3.3 फीसद बढ़ी है, जो फरवरी के बाद सबसे बड़ी 12 महीने की वृद्धि है और फेडरल रिजर्व के 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य से कहीं ऊपर है। इस बढ़ोतरी में सेवाओं की कीमतें मुख्य कारण रही हैं, जो जुलाई में 1.1 फीसदी बढ़ी, मार्च 2022 के बाद सबसे बड़ी मासिक उछाल। व्यापार सेवाओं के मार्जिन भी 2 फीसदी बढ़े, जिसमें मशीनरी और उपकरणों के थोक कारोबार में 3.8 फीसदी की वृद्धि शामिल है। रिपोर्ट के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में वायदा गिर गया, जबकि अल्पावधि ट्रेजरी यील्ड में तेजी आई। इससे बाजार में फेडरल रिजर्व की आगामी नीतियों को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। पहले उम्मीद थी` कि सीपीआई के स्थिर रहने से फेड सितंबर में ब्याज दरें घटाएगा, लेकिन अब यह संभावना कमजोर दिख रही है।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार 6 हफ्तों की गिरावट के बाद आई मजबूती

– निवेशकों के मनोबल में सुधार हुआ और बाजार की स्थिरता की उम्मीद बढ़ी

मुंबई ।

पिछले कई हफ्तों से जारी भारी उतार-चढ़ाव के बाद शेयर बाजार ने इस सप्ताह सकारात्मक रुख अपनाया है। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के कारण बाजार केवल चार दिन खुला, लेकिन इस छोटे कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी ने गिरावट के बाद मजबूती दिखाई है। 6 हफ्तों की लगातार गिरावट के बाद यह बाजार के लिए राहत की खबर है। सोमवार को विदेशी निवेशकों के भरोसे और अमेरिकी बाजारों में तेजी के कारण शुरुआती कारोबार में बाजार हरियाली से रंगा। बीएसई सेंसेक्स 104.84 अंक की बढ़त के साथ 79,962.63 पर खुला और अंततः 746.29 अंकों की जोरदार बढ़त के साथ 80,604.08 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 55.85 अंक की तेजी के साथ 24,419.15 पर खुला और 221.75 अंक ऊपर 24,585.05 पर बंद हुआ। मंगलवार को हालांकि बाजार में उतार-चढ़ाव देखे गए। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 66.28 अंक ऊपर खुला लेकिन अंत में 368.49 अंक गिरकर 80,235.59 पर बंद हुआ। निफ्टी ने भी 42.85 अंक बढ़कर कारोबार शुरू किया, पर अंत में 97.65 अंक गिरावट के साथ 24,487.40 पर बंद हुआ। बुधवार को अमेरिका में स्थिर मुद्रास्फीति के आंकड़ों से वैश्विक बाजारों में तेजी आई, जिसका असर भारत के बाजारों पर भी पड़ा। सेंसेक्स 304.32 अंक की बढ़त के साथ 80,539.91 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 131.95 अंक की तेजी दर्ज की और 24,619.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में सकारात्मक रुख कायम रहा। एचडीएफसी बैंक, टीसीएस जैसे प्रमुख शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को 57.75 अंक बढ़ाकर 80,597.66 पर और निफ्टी को 11.95 अंक ऊपर 24,631.30 पर बंद कराया।

इस तरह, निवेशकों के मनोबल में सुधार हुआ है और बाजार की स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है।

अगले हफ्तों में वैश्विक आर्थिक हालात और घरेलू नीतिगत फैसलों पर नजर बनी रहेगी, जो बाजार के रुख को प्रभावित कर सकते हैं।

बेम्को ने शेयरधारकों के लिए स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा

- 22 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड डेट तय

मुंबई । इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी बेम्को हाइड्रोलिक्स लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए दो बड़ी कॉरपोरेट घोषणाएं की हैं। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू की घोषणा करते हुए 22 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इस दिन जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, वे इन दोनों लाभों के पात्र होंगे। कंपनी ने अपने शेयरों के स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है, जिसके तहत मौजूदा 10 फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर को 1 फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बदला जाएगा। इसका मतलब यह है कि निवेशकों के शेयरों की संख्या दस गुना बढ़ जाएगी, लेकिन कुल निवेश की रकम में कोई बदलाव नहीं होगा। यह फैसला कंपनी की 1 अगस्त को हुई 67वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लिया गया। इसके साथ ही, कंपनी ने 1ः1 के अनुपात में बोनस शेयर भी जारी करने का ऐलान किया है। इसका मतलब है कि प्रत्येक शेयरधारक को उसके मौजूदा शेयरों की संख्या के बराबर अतिरिक्त शेयर मुफ्त में मिलेंगे। यह बोनस इश्यू भी एजीएममें मंजूर किया गया है और इसका रिकॉर्ड डेट भी 22 अगस्त है। फिलहाल कंपनी का मार्केट कैप 14 अगस्त तक 619.54 करोड़ है। साथ ही, बेम्को हाइड्रोलिक्स सेबी के एन्हांस्ड सर्विलांस मेजर के तहत है, जिससे कंपनी पर निगरानी बढ़ी हुई है। इस स्टॉक स्प्लिट और बोनस इश्यू के बाद शेयरधारकों को अधिक शेयर मिलेंगे, जिससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ने की संभावना है। यह कदम कंपनी के शेयरधारकों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

केटीएम की बाइक 160 ड्यूक जल्द देगी दस्तक

नईदिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी केटीएम ने अपनी बहुप्रतीक्षित 160 ड्यूक को आधिकारिक रूप से पेश करने की पुष्टि कर दी है। यह नई बाइक जल्द ही भारतीय बाजार में दस्तक देने वाली है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर इसका टीज़र जारी किया। 160 ड्यूक को केटीएम की 200 ड्यूक के नीचे पोजिशन किया जाएगा, जिससे यह ब्रांड की सबसे किफायती एंट्री-लेवल स्ट्रीटफाइटर बाइक बन जाएगी। इसमें 160सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया जाएगा, जो 200 ड्यूक के प्लेटफॉर्म पर आधारित होगा। हालांकि, पावर आउटपुट का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि यह यामाहा एमटी-15 वी2 जैसे प्रतिद्वंद्वियों से ज्यादा दमदार प्रदर्शन देगी। कीमत को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए केटीएम ने इस मॉडल में थर्ड-जेन प्लेटफॉर्म के बजाय सेकंड-जेन 200 ड्यूक का प्लेटफॉर्म चुना है। इससे न केवल निर्माण लागत कम होगी, बल्कि बाइक को व्यापक राइडर बेस के लिए सुलभ बनाया जा सकेगा।

इंडस्ट्रियल एंड प्रूडेंशियल इन्वेस्टमेंट ने 110 प्रति शेयर फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की

- कंपनी ने डिविडेंड के लिए 19 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड तारीख घोषित की

नई दिल्ली ।

इंडस्ट्रियल एंड प्रूडेंशियल इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने शेयरधारकों के लिए खुशखबरी दी है। कंपनी ने प्रति इक्विटी शेयर 110 रुपये के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है, जो कि 1100 प्रतिशत का डिविडेंड है। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह डिविडेंड टैक्स कटौती के बाद शेयरधारकों को दिया जाएगा। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 19 अगस्त, 2025 को रिकॉर्ड तारीख घोषित की है। इसका मतलब है कि जिन निवेशकों के पास इस तारीख तक कंपनी के शेयर होंगे, वे डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। इसके साथ ही कंपनी की वार्षिक आम बैठक 29 अगस्त को आयोजित की जाएगी, जिसमें इस डिविडेंड को अंतिम मंजूरी दी जाएगी। अगर एजीएम में डिविडेंड प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो कंपनी इसे मंजूरी मिलने के 30 दिनों के भीतर भुगतान कर देगी। शेयर बाजार में कंपनी के शेयर की कीमत भी मजबूत बनी हुई है। 14 अगस्त को बीएसई पर कंपनी के शेयर 6845.05 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुए, जो पिछले बंद भाव 6834.40 रुपये से 0.16 प्रतिशत अधिक है। पिछले एक महीने में इस शेयर में औसतन रोजाना 100 से कम यूनिक क्लाइंट्स ने कारोबार किया है। कंपनी का वर्तमान बाजार पूंजीकरण लगभग 1,147.12 करोड़ रुपये है। यह डिविडेंड कंपनी के सुदृढ़ वित्तीय प्रदर्शन का

संकेत है और शेयरधारकों के लिए आकर्षक लाभ का अवसर प्रदान करता है। निवेशक अब 19 अगस्त की रिकॉर्ड तारीख और 29 अगस्त की एजीएम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जहां इस डिविडेंड को अंतिम रूप दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में बनेगा आईसीएआई उत्कृष्टता केंद्र

- जीएसटी स्लैब में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली।

भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) जम्मू-कश्मीर में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है। यह घोषणा संस्थान की 445वीं परिषद बैठक के दौरान की गई। बैठक में आईसीएआई अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने कहा कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बावजूद परिषद की उपस्थिति दृढ़ता और एकता का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार और आईसीएआई राज्य में शिक्षा, प्रशिक्षण और वित्तीय कौशल निर्माण के क्षेत्र में सहयोग कर सकते हैं। आईसीएआई ने स्पष्ट किया कि यह केंद्र अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। वहीं केंद्र सरकार जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। सरकार पेट्रोल और डीजल को भी जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही है। यह सुधार उपभोग को बढ़ावा देने, महंगाई कम करने और आर्थिक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री का स्वाधीनता दिवस संबोधन- मजबूत भारत, बुलंद इरादे

ऋतुपर्ण दवे

प्रधानमंत्री का यह संबोधन कई मायनों में बेहद अलग, सख्त और दुनिया के लिए कूटनीतिक बयानों जैसा था। साथ ही साथ देश में भी घट रही अस्वीकार्य घटनाओं से निपटने की चेतावनी भी। इसके अलावा देश की तरक्की, युवाओं को प्रोत्साहन, उपब्धियों और दुनिया के महत्वपूर्ण मिशन में भारतीय योगदान पर भी केन्द्रित था। प्रधानमंत्री ने शायद ही ऐसा कोई विषय छोड़ा हो जो जरूरी न हो। इतना ही नहीं इशारों ही इशारों में जहां अमेरिका और चीन को उसकी हैसियत बताई वहीं खुलेआम पाकिस्तान को भी लताड़ लगाई।

लालकिले की प्राचीर से लगातार 12वीं बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वाधीनता दिवस का इस बार का संबोधन कुछ अलग और कई संकेतों से भरा था। उनका 103 मिनट का भाषण न केवल अब तक का सबसे बड़ा बल्कि सख्त और साफ इरादों को दर्शाने वाला था। यह कूटनीति लिहाज से भी गहरे मायनों से भरा था। जहां एक ओर शुरूआत में ही धारा 370 को हटाकर, एक देश एक संविधान की बात कही। वहीं ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए सेना को खुली छूट देने का सच भी सामने रखा। दरअसल प्रधानमंत्री का यह संबोधन कई मायनों में बेहद अलग, सख्त और दुनिया के लिए कूटनीतिक बयानों जैसा था। साथ ही साथ देश में भी घट रही अस्वीकार्य घटनाओं से निपटने की चेतावनी भी। इसके अलावा देश की तरक्की, युवाओं को प्रोत्साहन, उपब्धियों और दुनिया के महत्वपूर्ण मिशन में भारतीय योगदान पर भी केन्द्रित था। प्रधानमंत्री ने शायद ही ऐसा कोई विषय छोड़ा हो जो जरूरी न हो। इतना ही नहीं इशारों ही इशारों में जहां अमेरिका और चीन को उसकी हैसियत बताई वहीं खुलेआम पाकिस्तान को भी लताड़ लगाई।

पहले जानते हैं कि उन्होने क्या-क्या कहा। पहलगाम हमले पर पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उनके आतंकी हेडक्वार्टर्स को मिट्टी में मिलाने का जिक्र कर पाकिस्तान की नींद गायब होने की भी बात कही। लंबे समय से चल रहे न्यूक्लियर ब्लैकमेल को नहीं सहने और सेना की शर्तों पर मुंह तोड़ जवाब देने की बात भी कही। पुराने सिंधु जल समझौते को अन्याय पूर्ण बताया और कहा कि भारत की नदियां दुश्मनों के खेत सींचे और देश के किसान की धरती प्यासी रहे? सिंधु समझौते के उस स्वरूप को आगे नहीं सहा जाएगा। 21वीं सदी टेक्नोलॉजी ड्रिवन सेंचुरी है। 50-60 साल पहले सेमीकंडक्टर पर विचार हुआ। लेकिन फाइलें वहीं अटक गईं। सेमीकंडक्टर के विचार की भ्रूण हत्या हो गई। बाद में कई देश सेमीकंडक्टर में महारत हासिल कर दुनिया को अपनी ताकत को दिखा रहे हैं। मिशन मोड में इस काम को आगे बढ़ाने तथा 6 अलग-अलग सेमीकंडक्टर यूनिट्स लगाने जिसमें चार की स्वीकृति की जानकारी दी। वर्ष के अंत तक मेड इन इंडिया यानी भारत की बनी हुई चिप्स बाजार में होना बड़ी उपलब्धि होगी। प्रधानमंत्री ने अन्य कई योजनाओं, उपलब्धियों की भी चर्चा की। 11 वर्षों में सोलर एनर्जी का उपयोग 30 गुना बढ़ना।

नए-नए डैम बना जल शक्ति का विस्तार कर क्लीन एनर्जी की ओर बढ़ना। 10 नए न्यूक्लियर रिएक्टर तेजी से काम करना। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना ताकि देश की आजादी के 100 साल पर हमारी परमाणु ऊर्जा क्षमता 10 गुना से भी अधिक हो।

ग्लोबल वार्मिंग से निपटने तय 2030 तक क्लीन एनर्जी में 50 प्रतिशत लक्ष्य 5 साल पहले ही हासिल करना हमारी प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता है। नेशनल क्रिटिकल मिशन लॉन्च कर 1200 से अधिक स्थानों पर खोज अभियान से हम क्रिटिकल मिनरल में भी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं जो बहुत बड़ी उपलब्धि है। युवाओं का आव्हान किया कि क्या हमारे अपना मेड इन इंडिया फाइटर जेट्स खातिर जेट इंजन भी हमारे हों? हम फार्मा ऑफ द वर्ल्ड हैं। अब समय की मांग नहीं कि हम रिसर्च और डेवलपमेंट मां और ताकत लगाएं। हमारे अपने पेटेंट हों। मानव कल्याण हेतु सस्ती, सबसे कारगर नई-नई दवाइयों पर शोध हो। संकट में बिना साइड इफेक्ट के जन कल्याण में काम आए। प्रधानमंत्री मोदी ने आव्हान किया कि आईटी का युग है, डेटा ताकत है। क्या समय की मांग नहीं है कि ऑपरेटिंग सिस्टम से लेकर के साइबर सुरक्षा, डिप टेक से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, सारी चीजें हमारी अपनी हों। अपनी सामर्थ्य शक्ति से विश्व को परिचित कराने की बात कहते हुए कहा कि हमारा यूपीआई दुनिया को अजूबा लग रहा है। रियल टाइम ट्रांजैक्शन 50 प्रतिशत अकेला भारत यूपीआई से कर रहा है। क्रिएटिव वर्ल्ड, सोशल मीडिया जितने भी प्लेटफॉर्म्स हैं हमारे अपने क्यों ना हों? क्यों भारत का धन बाहर जाए? मुझे युवाओं के सामर्थ्य पर भरोसा है।

प्रधानमंत्री ने ईवी बैटरी, सोलर पैनल, महिला स्वसहायता समूह, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद में पहचान के साथ ही नेक्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स के लिए टास्क फोर्स गठन व समय सीमा में काम पूरा करने ताकि वर्तमान नियम, कानून, नीतियां, रीतियां 21वीं सदी के और वैश्विक वातावरण के अनुकूल हो, भारत को 2047 में विकसित राष्ट्र बनाने के संदर्भ में हो। नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स को दिवाली का तोहफा बताते हुए लोगों की जरूरतों पर लग रहे भारी टैक्स को बहुत कम करने से एमएसएमई, लघु उद्यमियों को लाभ मिलने और रोजमर्रा की चीजें बहुत सस्ती होने से इकॉनामी को नया बल मिलने की बात भी कही। प्रधानमंत्री मोदी ने षड्यंत्र के तहत, सोची समझी साजिश के जरिए देश की डेमोग्राफी को बदलने को नया संकट बताया। घुसपैठिए, देश के नौजवानों का हक छीन रहे हैं, बहन बेटियों को निशाना बना रहे हैं। यह बर्दाश्त नहीं होगा। हमारे पूर्वजों ने त्याग और बलिदान से आजादी पाई है। एक हाई पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करने का निर्णय किया है। जो ऐसे भीषण संकट से निपटने के लिए तय समय में कार्य करेगा, उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

इस बार के संबोधन से इतना तो साफ हो गया कि प्रधानमंत्री ने ज्यादा फोकस बजाए दीर्घ कालिक योजनाओं के मौजूदा चुनौतियों और उनसे निपटने के मंसूबों को देश के सामने रखा। ब्लैकमेलिंग नहीं सहने, ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र, स्वदेशी मजबूरी नहीं मजबूती सहित पाकिस्तान को खुलेआम तो अमेरिका को संकेतों में चेताया भी। पहली बार लालकिले से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल की राष्ट्र की सेवा का जिक्र करना और मां भारती के कल्याण का लक्ष्य लेकर सेवा, समर्पण, संगठन और अप्रतिम अनुशासन की चर्चा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को दुनिया का यह सबसे बड़ा एनजीओ है बताना तथा आपातकाल का हवाला भी देने के कई राजनीतिक मायने निकाले जाएंगे।

संभव है कि लोकसभा में आई कम सीटों, आरएसएस से और बेहतर तालमेल, विपक्ष पर पहले के मुकाबले कम हमलावर होने से सहयोगियों को भी ज्यादा सोचने का मौका नहीं देना कोई रणनीति हो। लेकिन डेमोग्रॉफी की चर्चा कर बिहार-बंगाल के आगामी चुनाव साथ ही आपातकाल की याद दिला विरोधियों सहित किन पर निशाना साधा है, देश समझता है। सेना को खुली छूट की बात दोहराना बहुत बड़ा संकेत है कि पाकिस्तान पर हमारी नजरें अभी भी टेढ़ी हैं। राजनीतिक नजरिए से भले ही उनके संबोधन के लोग अलग-अलग मायने निकालें, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 12वीं बार सबसे ज्यादा देर, 103 मिनट संबोधित कर, दुनिया को अपने इरादे साफ कर दिए हैं। अब वक्त है पक्ष-विपक्ष का जो उनके भाषण के अपने-अपने, कैसे-कैसे और क्या-क्या मायने निकालता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

संपादकीय

एसआईआर मतदातानुकूल

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे मतदातानुकूल बताया। याचिकाओं में राज्य में स्थाई निवासी प्रमाणपत्र का कोई प्रावधान न होने के साथ ही आधार को न स्वीकरने पर भी सवाल उठाया गया था। याचिकाकताओं के अनुसार लोगों के पास मांगे गए दस्तावेज की उपलब्धता बहुत कम है। पैंसठ लाख मतदाताओं का नाम इस सूची में शामिल न किए जाने पर विपक्ष लगातार प्रश्न उठा रहा है। मतदाताओं को भारतीय नागरिक न होने के संदेह पर सुनवाई का अवसर न देना संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत अनावश्यक प्रयोग बताया जा रहा है।

पीठ ने इस सारे विवाद को काफी हद तक विश्वास की कमी का मुद्दा ठहराया। हालांकि चुनाव आयोग की दलील अनुचित नहीं कही जा सकती जिसके अनुसार कुल 7.9 करोड़. मतादातओं को अपने या माता-पिता के लिए कोई दस्तावेज दाखिल करने की आवश्यकता नहीं थी। उनके नाम 2003 की मतदाता सूची में पहले ही मौजूद हैं। मतदाता सूची में नामों के पंजीकरण के संबंध में आयोग का मार्गदर्शन करने के लिए प्रक्रियाएं पहले से ही मौजूद हैं। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 16 मतदान के लिए अयोग्य ठहराने के तीन कारण बताती है-गैर-नागरिकता, विकृत मानसिकता, चुनाव संबंधी भ्रष्टाचार/अपराध। मतदाता की मृत्यु के अतिरिक्त सुनवाई का अवसर देने की भी इसमें चर्चा है। सिद्धांतों और कानून के अनुरूप आयोग को जिम्मेदारियों में कोताही करने से बाज आते नजर आना होगा। अदालत पहले ही चुनाव आयोग से नाम हटाने के अलग-अलग कारणों का जवाब तलब कर चुकी है। बाल की खाल निकालने की बजाय याचिकाकताओं को अदालत के आश्वासन और आयोग के जवाब पर भरोसा जताना होगा। मतदाताओं के अधिकारों के प्रति समूचा देश और व्यवस्था जागरूक है। स्वयं मतदाताओं की बड़ी संख्या अब अपने वोट को लेकर उदासीन नहीं रही। निःसंदेह आयोग को अविलंब जिन दावेदारों के पास ग्यारह में से कोई दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें सहायता प्रदान करने की सुविधा देने की व्यवस्था करनी चाहिए। दावों और आपत्तियों को लेकर पारदर्शितापूर्ण कार्रवाई करने में आयोग को कोताही करते नहीं नजर आया चाहिए। लोकतंत्र में मतदाता की अधिकार शीर्ष पर होता है।

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य ह्यमौनह्ल करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

लोकेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकताओं की लंबी श्रृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकताओं को यह शपथ दिलाता हो कि 'मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ', उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है।

भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिशचंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराण प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- 'हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है'। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था।

डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- 'ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा'। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हलदे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसेनापति मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकताओं के आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला।

अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद कांग्रेस को जनमानस के दबाव के कारण 31 दिसंबर, 1929 को लाहौर में रावी के तट पर पहली बार 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित करना पड़ा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने 1920 में नागपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में ही पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया था। उन्होंने कांग्रेस की प्रस्ताव समिति के सामने सुझाव रखा था कि कांग्रेस का उद्देश्य भारत को पूर्ण स्वतंत्र कर भारतीय गणतंत्र की स्थापना करना और विश्व को पूंजीवाद के चंगुल से मुक्त करना होना चाहिए। बहरहाल, सम्पूर्ण स्वतंत्रता का उनका सुझाव कांग्रेस ने 9 वर्ष बाद 1929 के लाहौर अधिवेशन में स्वीकृत किया। कांग्रेस का यह निर्णय संघ के घोषित उद्देश्य के अनुरूप था। इसलिए इससे आनंदित होकर सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं को 26 जनवरी, 1930 को कांग्रेस का अभिनंदन करने, राष्ट्रध्वज का वंदन करने और स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही यह भी कहा कि शाखाओं पर भाषण करके स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ एवं महत्व को समझाया जाए। सरसंघचालक के निदेर्शानुसार, संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी, 1930 को सायं 6 बजे स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवलिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया। विदर्भ में बावली (अमरावती), आष्टी (वर्धा) और चिमूर (चंद्रपुर) में हुए आंदोलनों में संघ के स्वयंसेवकों ने ही नेतृत्व किया। चिमूर के समाचार बर्लिन रेडियो पर भी प्रसारित हुए। यहां के आन्दोलन का नेतृत्व कांग्रेस के उद्धवराव कोरेकर और संघ के अधिकारी दादा नाईक, बाबूराव बेगडे, अण्णाजी सिरास ने किया। चिमूर के इस आन्दोलन में अंग्रेज की गोली से एकमात्र मृत्यु बालाजी रायपुरकर की हुई, जो संघ स्वयंसेवक थे। इस आंदोलन के अंतर्गत राजस्थान में प्रचारक जयदेवजी पाठक, आर्वी (विदर्भ) में डॉ. अण्णासाहब देशपांडे, जशपुर (छत्तीसगढ़) में रमाकांत केशव (बालासाहब) देशपांडे, दिल्ली में वसंतराव ओक एवं चंद्रकांत भारद्वाज और पटना (बिहार) में अधिवक्ता कृष्ण वल्लभप्रसाद नारायण सिंह (बबुआजी) ने भाग लिया।

अंग्रेज सरकार संघ के बढ़ते प्रभाव से घबरा गई थी। इसलिए उसने संघ पर आंशिक प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए ताकि संघरूपी आंदोलन को रोका जा सके। गुप्तचर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर अंग्रेज सरकार ने सबसे पहले 15 दिसंबर, 1932 को एक सर्कुलर निकालकर सरकारी कर्मचारियों को संघ में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया। वहीं, 5 अगस्त, 1940 को ब्रिटिश सरकार ने संघ की सैनिक वेशभूषा और प्रशिक्षण पर पूरे देश में प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि सरकार को गुप्तचर रिपोर्ट में यह जानकारी मिलने लगी थी कि संघ के स्वयंसेवक पूर्ण स्वतंत्रता की ओर तेजी से अग्रसर हैं। राष्ट्रीय आंदोलनों में बढ़-चढ़ कर सहभागिता कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संघ के प्रचारक बाबा साहब आप्टे ने 12 दिसंबर, 1943 को जबलपुर में गुरुदक्षिणा उत्सव पर स्वयंसेवकों से कहा- 'अंग्रेजों का अत्याचार असहनीय है, देश को स्वतंत्रता के लिए तैयार हो जाना चाहिए'। संघ अपनी स्थापना के समय से ही देश की स्वतंत्रता का स्वप्न लेकर चल रहा था। भारत की सर्वांग स्वतंत्रता के लिए संघ के स्वयंसेवक प्रतिज्ञाबद्ध थे इसलिए अवसर आने पर उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलनों में सहभागिता की, जेल गए और बलिदान भी दिया।

मुद्दाः समस्या और सुप्रीम कोर्ट

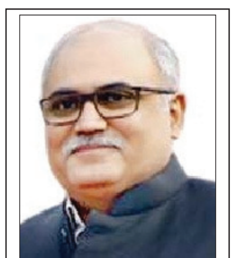

रजनीश कपूर

बीती ग्यारह अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की समस्या पर स्वतः संज्ञान लेते हुए आदेश जारी किया कि दिल्ली सरकार और स्थानीय निकाय अगले छह-आठ सप्ताह के भीतर सभी आवारा कुत्तों को सड़कों से हटा कर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करें, उनकी नसबंदी करें और टीकाकरण सुनिश्चित करें। कोर्ट ने स्थिति को 'बेहद गंभीर' बताते हुए कहा कि बच्चों और बुजुर्गों को आवारा कुत्तों के हमलों से बचाना अत्यंत आवश्यक है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में इस साल जनवरी से जून तक 35,198 कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए जिनमें 49 रेबीज के मामले भी शामिल हैं। रेबीज एक जानलेवा बीमारी है और भारत वैश्विक रेबीज मृत्यु दर का 36प्र. हिस्सा लेता है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरु ग्राम में तत्काल प्रभाव से कुत्तों को पकड़ने, नसबंदी और टीकाकरण करने और उन्हें आश्रय स्थलों में रखने की प्रक्रिया शुरू की जाए। साथ ही कोर्ट ने एक हेल्पलाइन स्थापित करने और आश्रय स्थलों में सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया। पशु प्रेमियों, जो जानवरों के कल्याण के प्रति संवेदनशील होते हैं, को इस निर्णय को सकारात्मक कदम के रूप में देखना चाहिए। यह आदेश केवल कुत्तों को सड़कों से हटाने की बात नहीं करता, बल्कि उनके लिए सुरक्षित और मानवीय वातावरण प्रदान करने पर भी जोर देता है। नसबंदी और टीकाकरण जैसे कदम न केवल कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करेंगे, बल्कि उनके स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाएंगे। कहना न होगा कि आवारा कुत्ते अक्सर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की कमी से जूझते हैं। इस कारण आक्रामक हो सकते हैं। आश्रय स्थलों में उन्हें नियमित भोजन, चिकित्सा देखभाल और सुरक्षित स्थान मिलेगा जो उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सरकार को कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। यह न केवल दिल्ली-एनसीआर, बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल बन सकता है। कोर्ट ने शुरूआत में 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों के निर्माण का आदेश दिया है। दिल्ली में अनुमानित 10 लाख आवारा कुत्तों को देखते हुए यह संख्या अपर्याप्त हो सकती है। फिर, इन आश्रय स्थलों में पशु चिकित्सकों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति भी आवश्यक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 70प्र. से अधिक कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण रेबीज को नियंत्रित करने में प्रभावी है। गोवा का 'मिशन रेबीज' इस दिशा में सफल उदाहरण है, जिसने रेबीज को नियंत्रित करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कोर्ट ने एक हेल्पलाइन स्थापित करने का निर्देश भी दिया है, जो कुत्तों के काटने की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करे। सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि हेल्पलाइन 24/7 सक्रिय रहे। शिकायत मिलने पर चार घंटे के भीतर कार्रवाई हो। रेबीज और कुत्तों के काटने से बचाव के लिए जनता को जागरूक करना आवश्यक है। लोगों को सड़कों पर कुत्तों को भोजन न देने को कहना होगा क्योंकि यह उनकी आबादी को बढ़ाने का कारण बनता है। अभी पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 के तहत नसबंदी के बाद कुत्तों को उसी स्थान पर छोड़ना अनिवार्य है। यह नियम कई बार प्रभावी नहीं होता क्योंकि यह आक्रामक कुत्तों को नियंत्रित करने में बाधा बनता है।

सरकार को नियमों में संशोधन करना चाहिए ताकि खतरनाक कुत्तों को आश्रय स्थलों में रखा जा सके। यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी होगी कि इस प्रक्रिया में कुत्तों के साथ क्रूरता न हो। आश्रय स्थलों में कुत्तों को पर्याप्त भोजनङ्क पानी और चिकित्सा सुविधाएं मिलनी चाहिए। पशु कल्याण संगठनों को इस प्रक्रिया में शामिल करना जरूरी है ताकि सुनिश्चित हो सके कि कुत्तों के साथ मानवीय व्यवहार किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की समस्या को हल करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि दुनिया भर में नीदरलैंड़ ही ऐसा देश है जहां आपको आवारा कुत्ते नहीं मिलेंगे। नीदरलैंड़ सरकार ने एक अनूठा नियम लागू किया। किसी भी पालतू पशु की दुकान से खरीदे गए महंगी नस्ल के कुत्तों पर वहां सरकार भारी मात्रा

में टैक्स लगती है। वहीं यदि कोई नागरिक बेघर पशुओं को गोद लेकर अपनाता है, तो उसे आयकर में छूट मिलती है। इस नियम के लागू होते ही लोगों ने अधिक से अधिक बेघर कुत्तों को अपनाना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे नीदरलैंड़ में आवारा कुत्तों की संख्या घटते-घटते शून्य हो गई। दुनिया भर के पशु प्रेमी संगठनों ने इस कार्यक्रम को सबसे सुरक्षित और असरदार माना है। इस कार्यक्रम से न सिर्फ आवारा कुत्तों की जनसंख्या पर रोक लगती है, बल्कि आम नागरिकों को भी इस समस्या से निजात मिलती है। हमारे देश में ऐसा कब होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

फिलाडेल्फिया में ब्रिंक ट्रक से 8 लाख डॉलर की लूट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फिलाडेल्फिया क्षेत्र में बख्तरबंद कैश ट्रकों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार को एक एच मार्ट स्टोर के बाहर ब्रिंक कंपनी के ट्रक से दो हथियारबंद बदमाशों ने 7 से 8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 6.6 करोड़ रुपये) लूट लिए। पुलिस के मुताबिक, दोनों लुटेरे एक एआरआर-15 जैसी राइफल और हैंडगन से लैस थे। लूट के बाद वे फरार हो गए और कुछ दूरी पर अपनी गाड़ी छोड़ दी। इस दौरान कोई गोलीबारी नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ।

ट्रंप प्रशासन की गर्भनिरोधक छूट नियम खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक संघीय अदालत ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में बनाए गए उस नियम को रद्द कर दिया, जिसमें नियोक्ताओं को धार्मिक या नैतिक आधार पर कर्मचारियों को गर्भनिरोधक बीमा कवर देने से छूट दी गई थी। यह फैसला फिलाडेल्फिया की डिस्ट्रिक्ट जज वेंडी बीटलस्टोन ने सुनाया। उन्होंने कहा कि 2018 के ये नियम उचित आधार पर नहीं टिकते और ट्रंप प्रशासन द्वारा पेश किए गए तर्क कमजोर हैं। सरकार ने दावा किया था कि ये नियम धार्मिक नियोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी हैं। बता दें कि यह मामला पेंसिल्वेनिया और न्यू जर्सी राज्यों द्वारा दाखिल एक याचिका से जुड़ा था, जो 2020 में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने तकनीकी आधार पर नियम को सही ठहराया था लेकिन उसके वास्तविक औचित्य पर कोई टिप्पणी नहीं की थी।

टेक्सास में पहले ही दिन स्कूल बस हादसे का शिकार

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में बुधवार को स्कूल खुलने के पहले ही दिन एक बड़ा हादसा हो गया। एक स्कूल बस, जिसमें 40 से ज्यादा छात्र सवार थे, एक ग्रामीण सड़क पर पलट गई। इस हादसे में कई छात्र घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम एक व्यक्ति की हालत नाजुक है, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, बस एक संकरी दो लेन की सड़क पर चल रही थी, जब वह अचानक दाईं ओर मुड़ गई और पलट गई। यह अभी साफ नहीं है कि बस किस वजह से सड़क से उतरी। जांच जारी है घटनास्थल की वीडियो फुटेज में पीली रंग की स्कूल बस सड़क के किनारे पलटी हुई दिखी। बस की छत को नुकसान पहुंचा है और कई खिड़कियां टूट गई हैं। बस में कुल 42 बच्चे सवार थे। ड्राइवर सहित 12 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि गंभीर रूप से घायल व्यक्ति छात्र है या ड्राइवर।

पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस के जश्न में हवाई फायरिंग, 8 साल की बच्ची समेत 3 की मौत, 60 से ज्यादा घायल

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कराची में जश्न के दौरान हुई हवाई फायरिंग में 3 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में एक 8 बच्ची और एक बुजुर्ग शामिल हैं। इसके अलावा 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों मुताबिक, शहर के अलग-अलग इलाकों में 13 और 14 अगस्त की दरमियानी रात को लोग आजादी का जश्न मना रहे थे। कई जगहों पर लोगों ने हवाई फायरिंग की, जिससे बेगुनाह लोग निशाना बन गए। यह पहली बार नहीं है जब कराची में खुशी के मौके पर फायरिंग से लोगों की जान गई हो। जनवरी 2025 में ही शहर में फायरिंग की अलग-अलग घटनाओं में 42 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 5 महिलाएं भी शामिल थीं। 233 लोग घायल हुए थे, जिनमें से कई को आवारा गोलियां लगी थीं। इनमें से 5 लोगों की मौत डकैती के दौरान विरोध करने पर हुई, जबकि बाकी की मौत आपसी विवाद, दुश्मनी और हवाई फायरिंग के कारण हुई।

समानांतर सरकार गठन की कोशिश गलत

क्षेत्रीय शांति पर खतरा, सूडान संकट पर सुरक्षा परिषद

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। सूडान में चल रहे गृह युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत यूएनएससी ने सूडान के अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में समानांतर सरकार बनाने की योजना को सख्ती से खारिज कर दिया है। बुधवार को जारी बयान में यूएनएससी ने कहा कि यह कदम देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा है और इससे गृहयुद्ध और गहराने का खतरा है।

इसको लेकर यूएनएससी ने एक कड़े बयान में कहा कि वह सूडान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और एकता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही परिषद ने चेताया कि आरएसएफ द्वारा घोषित समानांतर सरकार देश को बांट सकती है और पहले से ही खराब मानवीय हालात को और बदतर बना सकती है।

यूएनएससी ने सभी देशों से की अपील : यूएनएससी ने किसी देश का नाम लिए बिना सभी देशों से सूडान में किसी भी तरह की बाहरी हस्तक्षेप से बचने और शांति प्रयासों में सहयोग देने की अपील की। परिषद ने कोरडोफान क्षेत्र में हालिया हमलों की भी निंदा की, जिनमें भारी संख्या में नागरिकों की मौत हुई। साथ ही सूडान की सरकार ने पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर कोलंबिया से लड़ाके भेजने और आरएसएफ को समर्थन देने का आरोप लगाया है। हालांकि यूएई ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है।

सूडान में तेजी से फैल रहा भुखमरी का संकट : सूडान में जारी गृह युद्ध के चलते देशभर में भुखमरी का संकट तेजी से फैल रहा है। मामले में यूएन के प्रवक्ता स्टेफन दुजारिक ने बताया कि डारफुर और पड़ोसी कोरडोफान क्षेत्र में भुखमरी का खतरा तेजी से फैल रहा है। लोग जानवरों के चारे और खाने के कचरे पर जीने को मजबूर हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अल-फशर में 2.5 लाख लोगों को डिजिटल कैश सहायता दी है लेकिन हालात बहुत गंभीर हैं।

आईसीसी और यूएन की चेतावनी : इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के अनुसार डारफुर में युद्ध अपराध हो रहे हैं। फिलहाल उत्तर डारफुर के अल-फशर को छोड़कर सभी क्षेत्रीय राजधानियों पर नियंत्रण बनाए हुए है। हस्ट ने त्रस्त से अल-फशर की घेराबंदी हटाने की पुरानी मांग भी दोहराई।

समझिए सूडान में संकट कब और कैसे शुरू हुआ? : बता दें कि सूडान में अप्रैल 2023 से हिंसक संघर्ष जारी है, जब देश की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच पुरानी रंजिशें राजधानी खार्तूम से शुरू होकर पूरे देश में फैल गईं। इस संघर्ष में अब तक लगभग 40,000 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 1.3 करोड़ लोग बेघर हो चुके हैं और लाखों भुखमरी के कगार पर हैं।

इसके बाद आरएसएफ ने जून के अंत में सूडान के पश्चिमी हिस्से डारफुर में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में एक समानांतर सरकार का गठन करने की घोषणा की थी। इसी क्षेत्र में युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों की अंतरराष्ट्रीय जांच चल रही है।

ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को चेतावनी दी : कहा- बातचीत के बाद जंग नहीं रोकी तो गंभीर नतीजे भुगतने होंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन जंग पर चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा है कि अगर पुतिन शुक्रवार को होने वाली बातचीत के बाद भी जंग खत्म करने पर राजी नहीं होते हैं तो उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। उनका यह बयान बुधवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आया। ट्रम्प और पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मिलने वाले हैं।

इसका मकसद यूक्रेन में साढे तीन साल से चल रही जंग को खत्म करना है। दोनों नेता पहली बार अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे।

जेलेंस्की ने जंग खत्म करने के बदले जमीन देने से इनकार किया

ट्रम्प ने बुधवार को ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। इस मीटिंग में ट्रम्प ने कहा कि जंग को खत्म करने के लिए दोनों पक्षों को जमीन की अदला-बदली करनी पड़ सकती है। इस पर यूरोपीय नेताओं ने ट्रम्प को समझाने की कोशिश की कि 15 अगस्त को उनकी रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ होने वाली मुलाकात में ऐसा कोई समझौता न हो, जिससे यूक्रेन को नुकसान पहुंचे।

जेलेंस्की ने बैठक के दौरान कहा कि पुतिन धोखा दे रहे हैं। वो यह दिखावा कर रहे हैं कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा हैं और ये कारगर नहीं हैं। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में डोनबास क्षेत्र की जमीन रूस को सौंपने के सवाल पर जेलेंस्की ने साफ कहा कि वे अपनी जमीन नहीं छोड़ रहे हैं। पहले युद्धविराम होना चाहिए और फिर सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए।

जेलेंस्की बोले- मेरी पोजिशन नहीं बदलेगी

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की जमीन के बारे में कोई भी फैसला बिना यूक्रेन की सहमति के नहीं हो सकता। मेरी पोजिशन नहीं बदलेगी। एक दिन पहले भी उन्होंने कहा था कि उनके पास अपनी देश की जमीन छोड़ने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आगे कहा- पहले युद्धविराम होना चाहिए, फिर मजबूत सुरक्षा गारंटी दी जानी चाहिए। रूस को यूक्रेन के यूरोप या नाटो में शामिल होने की संभावनाओं पर वीटो लगाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि पुतिन शांति नहीं चाहते, वे यूक्रेन पर कब्जा करना चाहते हैं। पुतिन किसी को बेवकूफ नहीं बना सकते।

दरअसल, यूरोप और यूक्रेन को डर है कि ट्रम्प और व्लादिमीर पुतिन के बीच कोई ऐसा समझौता हो सकता है, जिससे रूस को यूक्रेन का करीब पांचवां हिस्सा मिल सकता है। इस बैठक में फिनलैंड, फ्रांस, ब्रिटेन, इटली, पोलैंड, यूरोपीय यूनियन के नेता और नाटो महासचिव मार्क रूट भी मौजूद थे।

बाइडेन के बेटे के बयान पर भड़क गईं ट्रंप की पत्नी, एक अरब डॉलर का नोटिस थमाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पहली महिला और डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन को कड़ी चेतावनी देते हुए 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का मानहानि मुकदमा करने की धमकी दी है। मेलानिया का आरोप है कि हंटर ने उन पर और राष्ट्रपति ट्रंप पर झूठे और अपमानजनक बयान दिए हैं।

आपको बता दें कि हाल ही में यूट्यूब शो चैनल 5 विद एंड्रयू कैलाघन पर दिए एक इंटरव्यू में हंटर बाइडेन ने दावा किया कि जेफ्री एप्स्टीन ने मेलानिया से डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात करवाई। उनके बीच के कनेक्शन बहुत गहरे और व्यापक हैं। यह बयान सोशल मीडिया और कई डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से फैल गया, जिससे मेलानिया की छवि को नुकसान पहुंचा।

मेलानिया ने दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी: मेलनिया की ओर से वकील अलेजांद्रो ब्रिटो ने 6 अगस्त को हंटर बाइडेन और उनके वकील एबी लोवेल को एक कानूनी नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि हंटर बाइडेन अपने बयान तुरंत वापस लें, सार्वजनिक माफी जारी करें और संबंधित वीडियो को हटा दें। ऐसा नहीं करने पर 1 अरब डॉलर लगभग 8,300 करोड़ का मानहानि मुकदमा दायर किया जाएगा।

ब्रिटो ने लिखा, इन झूठे, अपमानजनक और भड़काऊ बयानों ने मेलानिया ट्रंप को वित्तीय और प्रतिष्ठा स्तर पर भी भारी नुकसान पहुंचाया है। वीडियो और इसमें किए गए दावे दुनियाभर में करोड़ों लोगों तक पहुंचे हैं। ब्रिटो ने यह भी आरोप लगाया कि हंटर का सोर्स सीरियल फैब्युलिस्ट माइकल वुल्फ हैं। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका में अगले राष्ट्रपति चुनाव के लेकर माहौल बनता दिख रहा है। ट्रंप और बाइडेन परिवार के बीच यह टकराव चुनावी बहसों और मीडिया कवरेज को और अधिक तीखा बना सकता है।

बेंजामिन नेतन्याहू के ग्रेटर इजरायल वाले बयान पर भड़के सऊदी समेत कई मुसलमान देश

तेल अवीव, एजेंसी।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के एक बयान पर सऊदी अरब, सीरिया, लेबनान, इराक जैसे देश भड़क गए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में ग्रेटर इजरायल के विजन के साथ अपनी भावनाएं जुड़े होने की बात कही थी। इसी को लेकर विवाद हो रहा है क्योंकि ग्रेटर इजरायल की परिभाषा में कई बार यहूदी विद्वान सीरिया, जॉर्डन, इराक, सऊदी अरब और मिस्र को भी शामिल करते रहे हैं। इसके अलावा 1967 में जो 6 दिनों का युद्ध हुआ था, उसमें इजरायल ने गाजा, सिनाई, गोलान हाइट्स, पूर्वी येरूशलम और वेस्ट बैंक को जीच लिया था। इसे भी ग्रेटर इजरायल के रूप में मिलाकर पेश किया जाता रहा है।

यहूदी देश के दक्षिणपंथी विचारक अकसर इच्छा जताते रहे हैं कि गोलान हाइट्स, गाजा, वेस्ट बैंक समेत उन सभी इलाकों का इजरायल में विलय कर लिया जाए और उन पर हुकूमत रहे, जिन्हें 1967 में इजरायल ने जीता था। इस ग्रेटर इजरायल के नक्शे को :मैप ऑफ प्रॉमिस्ड लैंडः भी कहा जाता रहा है। नेतन्याहू के इस बयान पर सऊदी अरब, जॉर्डन, कतर और अरब लीग की ओर से तत्काल बयान जारी किया गया। इन बयानों में कहा गया कि नेतन्याहू की यह इच्छा क्षेत्रीय अशांति और अस्थिरता को पैदा करने वाली है। अब तक इस मामले में इजरायल की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेतन्याहू का बयान बेहद खतरनाक और उकसाने वाला है। हम ऐसे बयान को सिरे से खारिज करते हैं। जॉर्डन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सुफयान कुदा ने कहा कि नेतन्याहू का बयान ऐसा है, जो क्षेत्र में हिंसा और अस्थिरता के चक्र को बढ़ावा देगा। इसके अलावा मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजरायल को इस पर सफाई देनी चाहिए। आखिर वह चाहता क्या है। मिस्र ने कहा कि ऐसे बयान तो क्षेत्र में पहले से चली आ रही अस्थिरता में और इजाफा करेंगे। इसके अलावा कतर ने कहा कि नेतन्याहू का यह बयान अहंकार से भरा है। वह इजरायल की विस्तारवादी नीति को आखिर कहां तक ले जाना चाहते हैं।

बेघर लोगों को वाशिंगटन से निकालेंगे राष्ट्रपति ट्रंप, इनकार करने पर जुर्माना या जेल, जबरन हटाने पर कई सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वाशिंगटन से बेघर लोगों को निकालने और दूसरी जगह बसाने की तैयारी कर रहे हैं। यदि कोई उनकी इस योजना से इनकार करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है या फिर उसे जेल की भी हवा खानी पड़ सकती है। हालांकि, कुछ वकीलों ने बेघर लोगों को शहर से जबरन हटाने पर सांविधानिक सवाल उठाए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन में कानून-व्यवस्था को संघीय सरकार के नियंत्रण में लिया जाएगा और अपराध पर सख्ती की जाएगी। इसी योजना के तहत वे बेघर लोगों को शहर से बाहर ले जाने का इरादा रखते हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप की योजना क्या है, इस बारे में अभी स्पष्ट नहीं है।

शिविरों को खाली कराने से हल नहीं होगी समस्या : वकीलों और अन्य लोगों का कहना है कि बेघर लोगों की समस्या को सिर्फ शिविरों को खाली करवाने से हल नहीं किया जा सकता है, और इसके लिए बेहतर तरीके मौजूद हैं। बेघर लोगों को कहां ले जाया जाएगा, ये अभी स्पष्ट नहीं है। वहीं, वाशिंगटन में कितने बेघर लोग हैं, इसकी सटीक गणना प्राप्त करना मुश्किल है।

बेघर लोगों को तुरंत शहर छोड़ना होगाः ट्रंप : ट्रंप ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अपनी सोशल मीडिया साइट पर लिखा, :बेघर लोगों को तुरंत शहर छोड़ना होगा। हम आपको रहने के लिए जगह देंगे, लेकिन राजधानी से दूर।:

मना करने वालों पर लग सकता है जुर्मानाः लेविट : मंगलवार को प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने व्हाइट हाउस में एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित किया। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि बेघर लोगों को कहां स्थानांतरित किया जाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया स्थानीय पुलिस और संघीय एजेंसियां पहले से मौजूद कानूनों को लागू करेंगी, जिन पर अब तक ध्यान नहीं दिया गया था।

उन्होंने बताया कि शहर के नियम के मुताबिक, पुलिस बेघर शिविरों को हटाने की कार्रवाई कर सकती है। बेघर लोगों को यह विकल्प दिया जाएगा कि वे शिविर छोड़कर किसी आश्रय गृह में जाएं और मानसिक स्वास्थ्य की सेवाएं लें। अगर वे मना करते हैं, तो उन पर जुर्माना लग सकता है या जेल भी हो सकती है।

बीते पांच महीनों में हटाए गए 70 बेघर शिविर : कैरोलिन लेविट ने बताया कि बीते पांच महीनों में, अमेरिकी पार्क पुलिस ने 70 बेघर शिविरों को हटा दिया है और वहां रहने वालों को भी यही विकल्प दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार तक, राष्ट्रीय उद्यान सेवा द्वारा संचालित जिला पार्कों में केवल दो बेघर शिविर बचे हैं, जिन्हें इसी हफ्ते हटा दिया जाएगा।

बेघरों के लिए और ज्यादा आश्रय उपलब्ध करा रहे जिला अधिकारी : वाशिंगटन के जिला अधिकारियों का कहना है कि वे बेघर लोगों के लिए और ज्यादा आश्रय स्थल उपलब्ध करा रहे हैं। यह इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि संघीय एजेंट शहर से बेघर लोगों को हटा देंगे। शहर के प्रशासक केविन डोनह्यू ने कहा कि आउटरीच कार्यकर्ता बेघर शिविरों का दौरा कर रहे हैं। उनके पास एक इमारत भी है, जहां जरूरत पड़ने पर 200 लोगों को रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह आउटरीच काम पूरे हफ्ते और भी तेजी से जारी रहेगा।

अमेरिका में भीषण हादसा, पिकअप ट्रक की दूसरे वाहन से भिड़ंत में 6 लोगों की मौत ; कई घायल

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका की सड़कों पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां मिशिगन के ग्रामीण इलाके में एक पिकअप ट्रक ने स्टॉप साइन की अनदेखी कर अमिश समुदाय के सदस्यों से भरी वैन से टक्कर मार दी, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार दोपहर टस्कोला काउंटी के गिलफोर्ड टाउनशिप में हुआ, जो डेट्रायट से लगभग 160 किलोमीटर उत्तर में है।

बता दें कि दोनों वाहनों में कुल 13 लोग सवार थे, जिनमें से 10 लोग वैन में थे। मामले में अमेरिकी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि कई यात्री दुर्घटना के कारण वैन और पिकअप से बाहर निकल गए। इस हादसे में अभीतक छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य घायल लोगों की हालत का पता नहीं चल सका है।

अंडरशेरिफ रॉबर्ट बैकस्टर ने बताया कि वैन में स्थानीय अमिश समुदाय के लोग थे और वैन में एक पेड ड्राइवर था। वे काउंटी के ही निवासी हैं, लेकिन वे कहां जा रहे थे या कहां से आ रहे थे, इसकी जानकारी नहीं है। इस हादसे में सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उनकी हालत अभी साफ नहीं है।

बता दें कि उत्तरी अमेरिका में रहने वाला एक ईसाई समूह अमिश समुदाय कहते है। इस समुदाय के लोग आमतौर पर घोड़े की गाड़ी से सफर करते हैं और अपनी खुद की गाड़ी या ट्रक नहीं चलाते। वे अपनी धार्मिक मान्यताओं के चलते आम समाज से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन गैर-अमिश ड्राइवर की गाड़ी में सफर करते हैं। उत्तर अमेरिका की अमिश आबादी का लगभग 61 प्रतिशत हिस्सा ओहायो, पेंसिलवेनिया और इंडियाना में रहता है, जबकि मिशिगन में भी उनकी अच्छी संख्या है।

किम जोंग उन की बहन ने खारिज किया दक्षिण कोरिया का दावा, कहा- सीमा से नहीं हटाए जा रहे लाउडस्पीकर

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरियाई तानाशाह की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के दावों को खारिज कर दिया है। किम यो जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया अंतर-कोरियाई सीमा पर से कोई लाउडस्पीकर नहीं हटा रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया अपने कुछ लाउडस्पीकर हटा रहा है। इससे कुछदिन पहले दक्षिण कोरिया ने भी सीमा पर लगे अपने लाउडस्पीकर हटा दिए थे।

किम यो जोंग ने कहा कि हमें अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ लंबे समय से रुकी वार्ता दोबारा शुरू करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया के प्रति शत्रुता का प्रमाण बताया। किम ने दक्षिण कोरियाई सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर कोरियाई लोगों ने सीमा क्षेत्र में लगे लाउडस्पीकरों को नहीं हटाया है और न ही वे उन्हें हटाने के लिए तैयार हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बाद उनकी बहन किम यो जोंग को बेहद ताकतवर माना जाता है। ऐसे में किम यो जोंग के बयान को उत्तर कोरियाई सरकार का आधिकारिक स्टैंड माना जा सकता है।

दक्षिण कोरिया ने शांति बहाली की जताई उम्मीद : इससे पहले दक्षिण कोरिया के नए उदारवादी राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने उत्तर कोरिया के कदम की सराहना की।

उन्होंने उम्मीद जताई कि कोरियाई देश धीरे-धीरे बातचीत और संचार को फिर से खोल सकेंगे। हालांकि किम यो जोंग के बयान को लेकर दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल ली सुंग जून ने कहा कि दक्षिण की सेना ने कुछ उत्तर कोरियाई लाउडस्पीकरों को हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने उत्तर कोरिया के बयानों से आसानी से प्रभावित न होने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, हमेशा से ऐसा होता रहा है कि उत्तर कोरिया अक्सर ऐसे दावे करता है जो सच नहीं होते।

हमें अमेरिका से बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं : किम यो जोंग ने कहा कि दक्षिण कोरियाई मीडिया कह रहा है कि उत्तर कोरिया रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाली बैठक के जरिये वॉशिंगटन को कड़ा संदेश दे सकता है।

हमें अमेरिका को संदेश क्यों भेजना चाहिए? उत्तर कोरिया को अमेरिका के साथ बातचीत में कोई रुचि नहीं है। वहीं उत्तर कोरिया और रूस की सरकारी मीडिया ने बुधवार को कहा कि किम जोंग उन और पुतिन ने फोन पर बातचीत कर अपने गहरे होते संबंधों और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयासों पर चर्चा की।

पहले भी खारिज कर चुकीं अमेरिका और दक्षिण कोरिया का दावा : किम यो जोंग ने जुलाई में भी बयान जारी कर उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के उद्देश्य से कूटनीति को फिर से शुरू करने की वाशिंगटन और सियोल की इच्छा को खारिज कर दिया था।

हाल के महीनों में दक्षिण कोरियाई सीमा निवासियों ने शिकायत की है कि उत्तर कोरियाई लाउडस्पीकर दक्षिण कोरियाई दुष्प्रचार प्रसारणों के जवाब में जानवरों की चीखें और घंटियों की तेज आवाजें निकालते हैं। उत्तर कोरिया ने जून में अपने प्रसारण बंद कर दिए थे, जब ली ने युद्ध में विभाजित प्रतिद्वंद्वियों के बीच तनाव कम करने की दिशा में अपनी सरकार के पहले ठोस कदम के तहत दक्षिण कोरिया के प्रसारण को रोकने का आदेश दिया था।

जामुन खाने से सेहत ही नहीं, सुंदरता में भी आता है निखार

काले, मीठे, रसीले और स्वाद भरे जामुन...बारिश के मौसम में आते ही, हर मन पर राज करते हैं और इसका स्वाद चखे बिना कोई नहीं रह पाता। स्वाद में जितने लाजवाब, उतने ही बेशकीमती हैं इसके सेहत एवं सौंदर्य लाभ। जानिए जामुन के 7 बेहतरीन लाभ -

काले-काले, मीठे और रसीले जामुन किसे पसंद नहीं होते। स्वाद में यह जितने लाजवाब हैं, सेहत और सौंदर्य के लिए भी उतने ही फायदेमंद। क्या आपको पता हैं इसे बेमिसाल लाभ अगर नहीं पता तो जरूर जान लीजिए इसके बेहतरीन फायदे...

- जामुन और आम का रस बराबर मात्रा में मिलाकर पीने से मधुमेह के रोगियों को लाभ होता है। यह त्वचा का रंग बनाने वाली रंजक द्रव्य मेलानिन कोशिका को सक्रिय करता है, अतः यह रक्तहीनता तथा ल्यूकोडर्मा की उत्तम औषधि है।
- गठिया के उपचार में जामुन बेहद उपयोगी है। इसकी छाल को खूब उबालकर बचे हुए घोल का लेप घुटनों पर लगाने से गठिया में आराम मिलता है। इसमें मौजूद तांबा शीघ्र अवशोषित होकर रक्त निर्माण करने में सहायक है।
- मुंह में छाले होने पर जामुन का रस लगाने, पीने एवं जामुन के पत्तों का चबाने से बहुत जल्दी लाभ होता है। जामुन के पत्तों को अच्छी तरह से चबाकर थूकते रहें। छाले गायब हो जाएंगे।
- जामुन का रस, शहद, आंवले या गुलाब के फूल का रस बराबर मात्रा में मिलाकर एक-दो माह तक प्रतिदिन सुबह के वक्त सेवन करने से रक्त की कमी एवं शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। यौन तथा स्मरण शक्ति भी बढ़ जाती है।
- जामुन के एक किलोग्राम ताजे फलों का रस निकालकर ढाई किलोग्राम चीनी मिलाकर शरबत जैसी चाशनी बना लें। इसे एक ढक्कनदार साफ बोतल में भरकर रख लें। जब कभी उल्टी-दस्त या हैजा जैसी बीमारी की शिकायत हो, तब दो चम्मच शरबत और एक चम्मच अमृतधारा मिलाकर पिलाने से तुरंत राहत मिल जाती है।
- भूख न लगने की स्थिति में कुछ दिनों तक जामुन के रस का सेवन आश्चर्यजनक रूप से फायदेमंद साबित होता है। वहीं कब्ज और पेट संबंधी रोगों में जामुन का सिरका चमत्कारिक लाभ देता है।
- विषैले जंतुओं के काटने पर जामुन की पत्तियों का रस पिलाना चाहिए। काटे गए स्थान पर इसकी ताजी पत्तियों का पुल्टिस बांधने से घाव स्वच्छ होकर ठीक होने लगता है, चूंकि, जामुन के चिकने पत्तों में नमी सोखने की अद्‌भुत क्षमता होती है।

विशेष: इतना ध्यान रहे कि अधिक मात्रा में जामुन खाने से शरीर में जकड़न एवं बुखार होने की संभावना भी रहती है। इसको कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए और न ही इसके खाने के बाद दूध पीना चाहिए।

एक गिलास दूध में 1 चम्मच शहद मिलाकर पीएं
मिलेंगे जबरदस्त फायदे

हम सभी जानते हैं कि दूध और शहद दोनों ही हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद हैं। शहद में विटामिन-ए, बी और सी पाया जाता है। इसमें ढेर सारे एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसके अलावा शहद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होता है। शहद में फैट नहीं होता, इसलिए यह वजन घटाने में मदद करता है। शहद कुछ सामान्य बीमारियों जैसे- सर्दी, जुकाम आदि में भी काफी फायदेमंद होता है।

दूध एक संपूर्ण आहार है। जिसमें विटामिन ए, विटामिन बी और डी की पर्याप्त मात्रा होती है। इसके अलावा ये कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड से भी भरपूर होता है। दूध के सेवन से हड्डियां और दांत स्वस्थ रहते हैं। यह भी कहा जाता है कि दूध पीने से तनाव दूर होता है और यह शरीर को हाइड्रेड रखता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अलग-अलग सेवन के बजाय अगर आप दूध और शहद का सेवन एक साथ करें, तो ये आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। जी हां, गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आइए आपको बताते हैं इसके ढेर सारे लाभ।

बेहतर होता है पाचन

शहद एक प्रीबायोटिक आहार है, जो पाचन को बेहतर बनाता है। शहद पाचन तंत्र में उपयोगी बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है। इसलिए जब आप शहद के साथ हर दिन दूध का सेवन करते हैं, तो ये आपको पाचन क्रिया में काफी मदद करता है। इसके नियमित सेवन से आपको सूजन, कब्ज और ऐंठन जैसे समस्याओं से छुटकारा मिलता है और आप स्वस्थ रहते हैं।

स्टेमिना बढ़ाते हैं दूध और शहद

ठंडे दूध में शहद मिलाकर पीने से आपका स्टेमिना (शारीरिक क्षमता) बढ़ता है। सुबह एक गिलास दूध के साथ शहद पीने से आपको कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन और अन्य आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। एक गिलास दूध और एक चम्मच शहद आपको पूरे दिन एनर्जी से भरपूर रखेंगे। शहद मेटाबॉलिक रेट और शारीरिक प्रक्रिया को बढ़ाता है, ये आपको काम करने के लिए पर्याप्त सभी ऊर्जा देने में आपकी मदद करता है।

त्वचा की देखभाल करता है

शहद और दूध के मिश्रण में कई ऐसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा को चिकना और चमकदार बनाते हैं। इसमें प्रोटीन्स, अमीनो एसिड्स, विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दूध और शहद पीने के साथ-साथ इससे नहाने से भी त्वचा स्वस्थ रहती है और निखार आता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में 150 मिलीग्राम दूध और 2 चम्मच शहद मिलाकर नहाएं। इस तरह नहाने से त्वचा का संक्रमण मुंहासे और प्रदूषण के कारण होने वाले त्वचा रोगों से छुटकारा मिलता है।

हड्डियों को रखता है स्वस्थ

उम्र बढ़ने के साथ ही बहुत लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में दूध और शहद उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जिनकी हड्डियां कमजोर हैं या जिन्हें हड्डियों से जुड़ी बीमारियां हैं। दूध में कैल्शियम की मात्रा भरपूर होती है, जो हड्डियों के लिए आवश्यक तत्व है। शहद और इसके एंजाइम शरीर में पोषक तत्वों को रेगुलेट (प्रवाहित) करने में मदद करते हैं। कैल्शियम वाले आहारों के सेवन से दांत भी मजबूत और स्वस्थ रहते हैं।

अच्छी नींद के लिए दूध और शहद

आजकल बहुत से लोग तनाव या मानसिक चिंता की वजह से ठीक से सो नहीं पाते हैं। युवाओं में देर रात तक जागने और मोबाइल के इस्तेमाल के कारण स्लीप एप्निया (अनिद्रा) की समस्या काफी बढ़ गई है। नींद की कमी कई तरह के शारीरिक और मानसिक रोगों को बढ़ावा देती है। अगर आप एक गिलास गुनगुने दूध में शहद मिलाकर पीते हैं, तो आपको रात में अच्छी और गहरी नींद आती है।

रेसिपी

लहसुनी दाल

सामग्री
- अरहर दाल: 1 कप
- इमली का पेस्ट: 1/4 कप
- हरी मिर्च: 1-2
- लहसुन: 10 कलियां
- तेल : 1 बड़ा चमच्च
- राई: 1 छोटा चमच्च
- कढ़ी पत्ता: 6-7
- हरा धनिया
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

लहसुनी दाल बनाने के लिए सबसे पहले, दाल को प्रेशर कुकर में पानी और हल्दी के साथ पका लें। पकने के बाद उसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक कढ़ाई में हरी मिर्च को बिना तेल के फ्राई कर अलग रख दें। अब एक मिक्सर में दाल, हरी मिर्च, लहसुन, इमली का पेस्ट और नमक डाले और पीस लेंगे। अब कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई और कढ़ी पत्ता डालें। 10 सेकंड बाद इसमें पीसी हुई दाल डाले और गैस बंद कर दे। बंद करने के बाद, हरे धनिए से गार्निश करें।

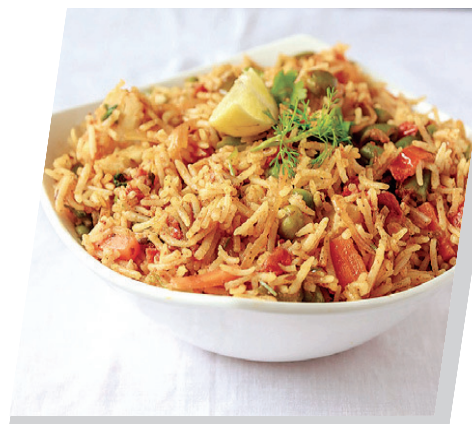

तवा पुलाव

सामग्री
- चावल: 1/2 कप
- तेल या मक्खन: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच
- प्याज बारीक काटा: 1/4 कप
- अदरक :लहसुन पेस्ट- 1 चम्मच
- टमाटर: 1/3 कप
- पावभाजी मसाला: 1 बड़ा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- शिमला मिर्च: 1/4 कप बारीक कटी
- सीजनल सब्जियां (आलू, गाजर, बींस, मटर): 3/4 कप
- हरी धनिया: बारीक कटी
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

चावल को धोकर अच्छे से पका लें। सारी सब्जियों को काटकर हल्का उबाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालकर तड़काएं। अब इसमें प्याज डालें और उसे सुनहरा भूरा करें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर भूनेंगे। फिर टमाटर और नमक डालकर नरम होने तक पकाएं। अब इसमें सभी उबली हुई सब्जियों को डाल दें। ऊपर से पावभाजी मसाला डालें और पानी डालकर थोड़ी और देर पकाएं। पानी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो। अब इसमे चावल डालेंगे और ऊपर से बारीक कटी हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1809

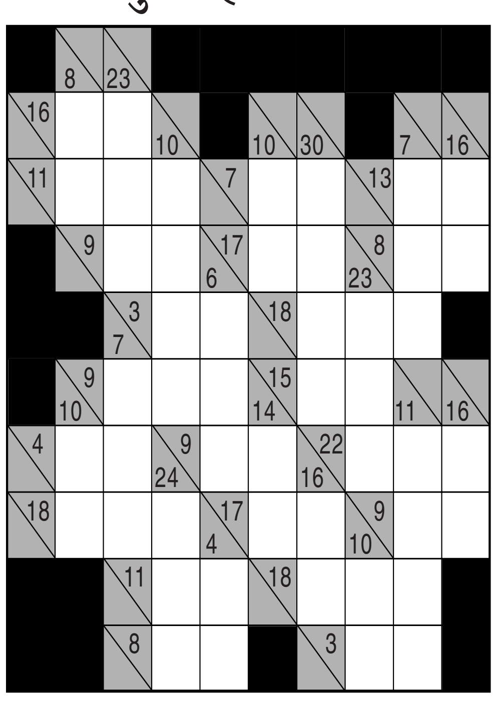

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

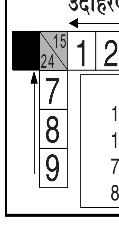

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1808 का हल

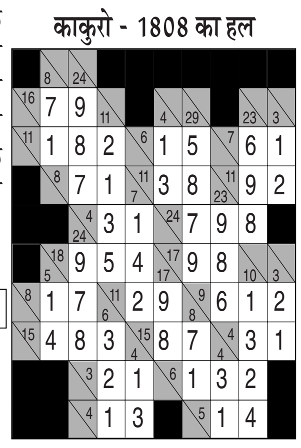

हंसी के फूव्वारें

एक बार एक सेठ बीमार पड़ गया. उसकी हालत मरने की-सी हो गई. पूरा परिवार उसके चारों ओर एकत्र था. सेठ ने अपनी पत्नी को बुलाकर पूछा-'बड़ा लड़का कहां है ?'

'यहीं है !'

'मंझला ?'

'यहीं है.'

'और छोटा ?'

'यहीं है.'

'तो फिर क्या दुकान बन्द पड़ी है ?' सेठ ने चारपाई से उठते हुए पूछा.

□ □ □

एक जहाज का कप्तान डेक से फिसल कर समुद्र में गिर गया. एक नाविक ने अपनी जान हथेली पर रखकर उसे बचा लिया.

'मैं तुम्हें क्या इनाम दूं !' कप्तान ने पूछा.

'श्रीमान !' नाविक हाथ जोड़ते हुए बोला-'सबसे अच्छा इनाम तो यह होगा कि आप इस घटना का जिक्र किसी से न करें. वरना बाकी नाविक मुझे उठाकर समुद्र में फेंक देंगे.'

□ □ □

जज, कैदी से- 'तुम्हें कल फांसी दी जाएगी, तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा है?'

कैदी-'जी हाँ.'

जज-'क्या?'

कैदी-'जी मेरी जगह आप फांसी पर लटक जाइये!'

फिल्म वर्ग पहेली- 1809

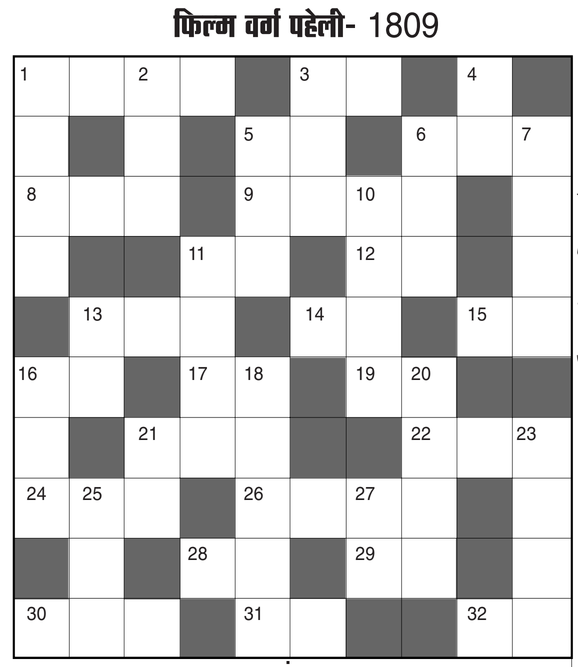

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1808

सूडोकु -1809

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1808 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 1809

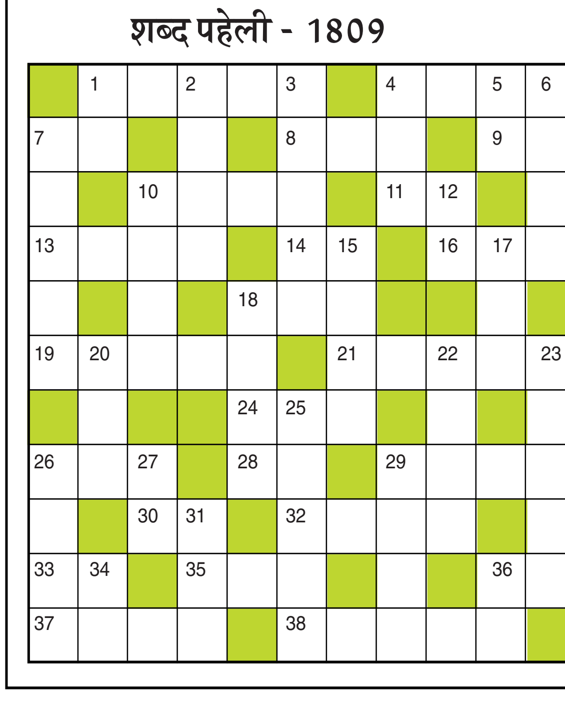

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली - 1808 का हल

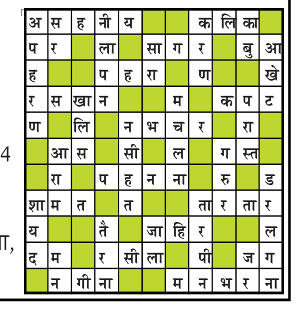

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के कर्रेगुट्टा सहित 29 गांवों में पहली बार फहरा राष्ट्रीय ध्वज

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में दशकों से नक्सलवाद की भयावह छाया में जी रहे बस्तर संभाग के बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा जिलों के कर्रेगुट्टा सहित 29 गांवों में आज 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से फहराया गया। अब तक जहां नक्सलियों के लाल-काले झंडे की प्रतीकात्मक उपस्थिति ही देखी जाती थी वहीं पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई व स्थानीय लोगों के सहयोग से अब इन गांवों में लोकतंत्र की वापसी हुई है। जनसंपर्क के सहायक संचालक अर्जुन पाण्डेय ने बताया कि नारायणपुर के 11, बीजापुर के 11 और सुकमा के 7 गांव अब पूरी तरह नक्सल मुक्त हो चुके हैं। यह बस्तर के बदलते परिदृश्य राज्य और केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों और सबसे महत्वपूर्ण इन क्षेत्रों के आम ग्रामीणों के जीवन में आ रही नई उम्मीद की एक जीवंत मिसाल है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टा की काली पहाड़ी वही इलाका हैं, जिसमें 21 दिनों तक चले ऑपरेशन में नक्सलियों के गढ़ को ध्वस्त कर 31 नक्सलियों को ढेर कर दिये गए थे और 400 से अधिक आईईडी और 40 हथियार के साथ बड़े पैमाने पर राशन सामग्री बरामद की गई थी।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में स्थापित 12 नए सुरक्षा कैंप-थानों के इलाकों में पहली बार फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला जहां दशकों तक नक्सली हिंसा का गढ़ रहा, यहां स्थापित किए गए 12 नए सुरक्षा कैंपों और थानों के इलाकों में आज 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं था बल्कि यह लोकतंत्र की बहाली और नक्सलियों के भय पर ग्रामीणों की जीत का प्रतीक था। बीजापुर जिले के इन नए कैंपों में कोण्डापल्ली, वाटेवागु, जिडपल्ली-1, जिड़पल्ली-2, काउरगट्टा, कोरचोली, पीड़िया, पुजारी कांकेर, गुंजेपर्ती, गोरना, भीमाराम और गुटुमपल्ली जैसे नक्सल प्रभावित अति संवेदनशील गांव शामिल हैं। इन इलाकों में ग्रामीणों, स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों और सुरक्षा बलों ने मिलकर ध्वजारोहण किया। दशकों तक जहां नक्सलियों के लाल झंडे लहराते थे, वहां 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों की गूंज सुनाई दी। बच्चों ने देशभक्ति के गीत गाए और तिरंगा यात्रा में उत्साह पूर्वक भाग लिया। सुरक्षा बलों के चलाए गए सघन अभियानों और इन नए कैंपों की स्थापना के कारण यह ऐतिहासिक बदलाव आया और यह क्षण संभव हो पाया है।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर ट्रक में भिड़ी, इंदौर के चार युवकों सहित 6 की मौत

इंदौर। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सुबह एक तेज रफ्तार कार बागनदी थाना क्षेत्र के चिरचारी के पास डिवाइडर से टकराकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार इंदौर के चार युवकों समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश के इंदौर आरटीओ पासिंग कार में सवार सात लोग उज्जैन से महाकाल के दर्शन करने के बाद राजनांदगांव होते हुए धार्मिक टूर पर ओडिशा जा रहे थे। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे बागनदी थाना क्षेत्र के चिरचारी नेशनल हाईवे चौराहे के पास उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। तेज रफ्तार होने के कारण कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई।

हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ जासूसी मामले में 2500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में जेल में बंद हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने कोर्ट में 2500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। पुलिस का दावा है कि तीन महीने की गहन जांच और ठोस सबूतों के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) शशांक कुमार सावन ने शुक्रवार को बताया कि ज्योति लंबे समय से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंटों के संपर्क में थी और भारत विरोधी जानकारियां साझा कर रही थी। ज्योति मल्होत्रा पहले तो सामान्य यूट्यूबरों की तरह ब्लॉग बनाती थी, लेकिन पाकिस्तान यात्रा के बाद से वह पाक एजेंटों के संपर्क में आ गई थी और उनसे इसकी लंबी बातचीत होती थी। ज्योति के मोबाइल खंगालने पर पाक उच्चायुक्त में तैनात एहसान-उर-रहीम दानिश अली से लंबी बातचीत है। आईएसआई एजेंट शाकिर, हसन अली के अलावा नासिर ढिल्लों से ज्योति की बातचीत होती थी। उन्होंने बताया कि ज्योति मल्होत्रा केस में एसआईटी का गठन किया गया था।

यूपी की मिसाइल ने दुश्मनों के अड्डों को किया ध्वस्तः सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर विधानसभा भवन परिसर के सामने तिरंगा फहराया। उसके बाद उन्होंने परेड की सलामी ली। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद और बृजेश पाठक भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में बनी मिसाइल ने दुश्मन के अड्डों को तहस-नहस कर दिया। यूपी में रोजगार को लेकर कहा कि यहां का वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट दुनिया में धूम मचा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस की ताकत पाकिस्तान से पूछो। स्वदेशी मॉडल से आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। उत्तर प्रदेश का ओडीओपी मॉडल दुनिया में धूम मचा रहा है। देश का पैसा देश में लगेगा। यहां का पैसा यहीं लगना चाहिए। इसमें हस्तशिल्प से लेकर किसान तक खुश होंगे। इसे हमें समेटना है। तकनीक और

डिजाइन साथ बाजार के अनुरूप काम करना होगा। पीएम ने इसीलिए लोकल फॉर वोकल का आह्वान किया है। मेक इन इंडिया से देश खुशहाल होगा। सीएम योगी ने आगे कहा, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसान खुशहाल होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि पहले यहां पर गुंडागर्दी चरम पर थी; व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। आज सुरक्षा का नया मॉडल विकसित किया गया है। आज यहां का युवा अपना लोहा मनवा रहा है। यह राज्य निवेश का ड्रीम स्टेट बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी शक्ति और ऊर्जा को पहचान कर आगे बढ़ने वाले देश ही आगे बढ़ते हैं। पुलिस बल में महिलाओं को 33 फीसदी से 50 फीसदी तक आरक्षण देने की योजना पर राज्य सरकार काम कर रही है। यूपी में पुलिस बल की भर्ती में 60,200 में से 12 हजार से अधिक महिला भर्ती हुई है। यूपी भारत का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। यूपी विधानसभा में काम काज का माहौल कम होता है, ऐसा लोगों का कहना होता है। रात भर यूपी विधानसभा में लगातार 36 घंटे चर्चा हुई। इसमें सतत विकास पर चर्चा हुई, जो आम आदमी की जरूरत है। योगी ने कहा कि हाल में देश ने पीएम मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की शक्ति का सफल क्रियान्वयन देखा है। मैं सभी सैनिकों को नमन करता हूं, जिन्होंने विपरीत परिस्थिति में देश की अखंडता को मजबूत किया है।

महाराष्ट्र के नागपुर संघ मुख्यालय में फहराया गया राष्ट्रध्वज

एजेंसी

नागपुर। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र के नागपुर में महल इलाके स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में आज स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाया गया। सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के नागपुर में उपस्थित नही होने के कारण संघ के नागपुर महानगर संघचालक राजेश लोया ने राष्ट्रध्वज फहराया। इस अवसर पर कई स्वयंसेवक और प्रचारक उपस्थित थे। इस पर्व पर अपने विचार रखते हुए महानगर संघचालक लोया ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और स्वतंत्रता के पश्चात देश पर आए हर

संकट का डटकर सामना करने वाली भारतीय सशस्त्र सेनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने संसाधनों के बलबूते पर जो विजय प्राप्त की हैं, उन्होंने पूरे विश्व को चकित किया है। यह सफलता पिछले कुछ वर्षों में जागृत हुए राष्ट्रीय स्वाभिमान की भावना के कारण संभव हो सकी है। आत्मनिर्भरता के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जागरूकता भाषा से शुरू होती है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता दें, विशेष रूप से हिंदी को, क्योंकि यह देश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिस राज्य में हम रहते हैं, उसकी भाषा को भी सम्मानपूर्वक सीखना और प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विदेशी भाषाओं का उपयोग केवल सामान्य संवाद के लिए किया जाना चाहिए।

अनुराग ठाकुर ने ऊना में फहराया तिरंगा, बोले- देश को आगे बढ़ाने में पीएम मोदी के प्रयास सराहनीय

एजेंसी

ऊना । हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर लोकसभा सीट से सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाजपा के ऊना जिला कार्यालय 'दीप कमल' में तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह का आगाज किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऊना सदर के विधायक एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती ने की। इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्कूली बच्चों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष के साथ अनुराग ठाकुर का जोरदार स्वागत किया। सांसद अनुराग ठाकुर ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आजादी लाखों लोगों की कुर्बानियों के बाद मिली है और विकसित भारत के निर्माण में हर नागरिक का योगदान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व प्रगति की है और विश्व मंच पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। लाल किले से दिए गए पीएम मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि अगर दुश्मन हमारी तरफ गलत नजर से देखेगा तो उसे करारा जवाब मिलेगा।इस दौरान अनुराग ठाकुर ने

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा और वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी यात्रा करें, उन्हें कोई नहीं रोकता, लेकिन वोट चोरी ना करें। उन्होंने सवाल किया कि वायनाड और रायबरेली में क्या हुआ था, इसका जवाब राहुल गांधी को देना चाहिए। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ही वोटों में घुसपैठ करती आई है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर चुनाव आयोग मतदाता सूची की सफाई करता है तो इसमें किसी को डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि इस अभियान में सभी को सहयोग करना चाहिए। भाजपा सांसद ने आगे कहा कि लोकतंत्र की मजबूती और देश की प्रगति के लिए पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया अनिवार्य है।

अगर स्वदेशी चुप रहे तो 20 साल में बनेगा 'अज्ञात' समुदाय का मुख्यमंत्री : डॉ. हिमंत

एजेंसी

गुवाहाटी। स्वतंत्रता दिवस पर गुवाहाटी में तिरंगा फहराने के बाद असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने चेतावनी दी कि यदि असमिया समाज ने समय रहते कदम नहीं उठाया, तो आने वाले 20 वर्षों में राज्य का मुख्यमंत्री 'अज्ञात लोगों' में से होगा।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने बार-बार 'अज्ञात लोग' शब्द का प्रयोग किया। हालांकि किसी समुदाय का नाम नहीं लिया। उनका इशारा बंगाली भाषी मुसलमानों की ओर माना गया। बाद में एक्स पर उन्होंने लिखा कि यदि सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो मुख्यमंत्री भी घुसपैठियों के समुदाय से होगा। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी लोगों से भूमि, पहचान और संस्कृति की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि अब तक 1.2 लाख बीघा अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराया जा चुका है और यह अभियान भूमि जिहाद के खिलाफ लड़ाई का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले और मध्य असम की जनसांख्यिकी बदल चुकी है और अब ऊपरी व उत्तर असम को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने चेताया- 10 साल में हम अपनी जाति, माटी, भेटी (निवास) खो देंगे, 15

साल में 80 प्रतिशत मंत्री उन्हीं के होंगे और 20 साल में मुख्यमंत्री भी अज्ञात समुदाय से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने आग्रह किया कि कोई भी स्वदेशी व्यक्ति अपनी भूमि या संपत्ति अज्ञात लोगों को न बेचे। उनके अनुसार आर्थिक आत्मनिर्भरता ही जनसांख्यिकीय चुनौती को रोक सकती है। उन्होंने पिछले दौर की समझौतापूर्ण नीतियों को संकट का कारण बताते हुए कहा कि पूर्वजों ने बाहरी लोगों को घरों में बसने दिया और लव जिहाद जैसे सांस्कृतिक अतिक्रमण को बढ़ावा दिया।उन्होंने चेताया कि यदि वर्तमान रुझान जारी रहे तो बटद्रवा की तरह अन्य सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों पर भी अतिक्रमण होगा। शिक्षा, कानून और परिवहन जैसे क्षेत्रों में भी अज्ञात लोगों का वर्चस्व बढ़ने की बात उन्होंने कही। मुख्यमंत्री ने जिला उपायुक्तों को निर्देश दिया कि सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण न होने दें।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत लिख रहा आत्मनिर्भरता की नई कहानी- सीएम भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जोधपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। शर्मा जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन-रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में

उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं-यातनाएं झेलने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते 11 वर्ष में ऐतिहासिक निर्णय एवं कार्य किए हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के सपने पूरे हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत 140 करोड़ भारतीयों का सपना, दृढ़ निश्चय और एक जन आंदोलन है। इस सपने को साकार करने में सभी सक्रिय रूप से देश की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' से प्रेरणा लेते हुए हमें स्वदेशी उत्पादों को गर्व के साथ अपनाना है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब जय अनुसंधान जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है।

भारतीय राष्ट्र में उन्नति करने की जन्मजात क्षमताः होसबाले

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यहां के रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा फीनिक्स पक्षी की तरह है। प्राचीन काल से ही भारतीय राष्ट्र में किसी भी संकट का सामना करने के बाद पुनः उठ खड़े होने, प्रगति करने और उन्नति करने की जन्मजात क्षमता रही है। सरकार्यवाह होसबाले ने देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण किया। उन्होंने सैन्यकर्मियों सहित उन सभी अर्धसैनिक बलों के जवानों के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित की, जो आज भारत की बाह्य और आंतरिक सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की सीमाएं पराक्रमी, वीर सैनिकों के कारण ही अक्षुण्ण हैं। कार्यक्रम में रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रबोधिनी के कोषाध्यक्ष नीलेश गोसावी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रकाश आड़े भी उपस्थित थे। रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ग्लोबल आउटरीच प्रोग्राम में शामिल होने आए दुनिया भर के स्वयंसेवक और पदाधिकारी भी ध्वजारोहण समारोह में उपस्थित थे। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के बाद ग्लोबल आउटरीच कार्यक्रम में आये स्वयंसेवकों एवं प्रबोधिनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भारत माता की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का समापन किया।

उच्च समिति पहुंची आपदाग्रस्त धराली, किया मूल्यांकन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के तहत आपदा प्रभावित क्षेत्र धराली में शासन की ओर से गठित उच्चस्तरीय समिति ने व्यापक निरीक्षण कर, पुनर्वास एवं आजीविका सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक पहलुओं का मूल्यांकन किया। समिति के सदस्यों ने प्रभावित परिवारों, जन प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत विचार-विमर्श कर उनके सुझाव संकलित किए। प्रभावित ग्रामीणों ने जांगला, लंका एवं कोपांग में विस्थापन की मांग रखते हुए केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण की तर्ज पर धराली का पुनर्निर्माण करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर आपदा पीड़ित कौशिक पंवार ने सेब उत्पादकों के लिए सड़क मार्ग के समीप सुरक्षित भंडारण के लिए शेड निर्माण कराए जाने की मांग रखी। जिलाधिकारी, (डीएम),उत्तरकाशी, प्रशांत आर्य ने आश्वासन देते हुए कहा कि सड़क मार्ग के बहाल होते ही शेड का निर्माण प्राथमिकता से कराया जाएगा। समिति अध्यक्ष डॉ.सुरेंद्र नारायण पांडेय ने कहा कि यह त्रासदी अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। केंद्र एवं राज्य सरकार शासन और प्रशासन इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े

हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्र में तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। क्षति की भरपाई के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार कर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

डीएम श्री आर्य ने बताया कि आपदा में क्षतिग्रस्त फसलों एवं सेब के वृक्षों का सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है। सड़क मार्ग बहाली का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। प्रभावित परिवारों को राहत धनराशि वितरित की जा चुकी है तथा समुचित मात्रा में खाद्य सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, सर्च एवं रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, युकाडा, डॉ.आशीष चौहान और अपर सचिव हिमांशु खुराना ने कहा कि विस्थापन के लिए प्रभावित परिवारों को उपयुक्त विकल्प प्रदान किए जाएंगे। जिनके आधार पर, विस्थापन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों का संपूर्ण विवरण तैयार कर शासन को भेजा जाएगा।

ऐसा भारत होना चाहिए जहां अभाव का हो अभावः योगेश सिंह

नई दिल्ली। देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर एनसीसी कैडेटों के प्रभावशाली परेड की सलामी भी ली। प्रो. सिंह ने कहा कि 21वीं सी के भारत को अब परफॉर्मर की आवश्यकता है, क्योंकि गरीबी और अशिक्षा को जड़ से समाप्त करना है। उन्होंने एक ऐसे भारत की कल्पना की जहां अभाव का अभाव हो और यह लक्ष्य केवल और केवल शिक्षा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है और इसके लिए सामाजिक समरसता आवश्यक है। कुलपति ने इसे शिक्षकों की जिम्मेदारी बताया कि वे छात्रों को इस दिशा में प्रेरित करें। प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय को हाल ही में प्राप्त एनएएसी ए++ ग्रेडिंग का जिक्र करते हुए इसे सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया और सभी को बधाई दी।

मीनाक्षी जैन, डॉ. पीटी उषा सहित चार हस्तियां वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देर शाम भोपाल के रवीन्द्र भवन स्थित हंसध्वनि सभागार में आजादी का महापर्व कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय अलंकरण समारोह में देश की गणमान्य हस्तियों को वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान, अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान, महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान और महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया। मीनाक्षी जैन नईदिल्ली, डॉ. शशिप्रभा कुमार (नोएडा), इंदुमति काटदरे (अहमदाबाद) एवं डॉ. पीटी उषा नई दिल्ली को वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान से विभूषित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की धरती अनेक वीर योद्धाओं, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र सेवियों द्वारा राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए जीवन का बलिदान करने की साक्षी रही है। राष्ट्र के निर्माण में भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली विभूतियां अभिनंदन की पात्र हैं। मध्य

प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी विभूतियों का चयन कर उन्हें सम्मानित करने की परम्परा है। संस्कृति, पर्यटन और सहयोगी संस्थाओं ने अभिनव और गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया है, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब हम भारत माता की जय बोलते हैं तो रोम रोम रोमांचित हो जाता है। आनंद का प्रवाह कई गुना प्रारंभ हो जाता है। यह परमात्मा की दया है जिस देश में हमने जन्म लिया है, उस देश को पूरी दुनिया बड़े आदर के साथ देखती है। हमारे देश की सनातन संस्कृति की कई विशेषताएं हैं। हर काल, हर युग में हर समय दुनिया के लिए हर उलझे-सुलझे प्रश्नों के उत्तर यह संस्कृति देती आई है। दुनिया सदैव कई प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करने के लिए भारत की तरफ देखती रही है और भारत ने सदैव उत्तर देने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें इस बात का गर्व और आनंद भी है कि बदलते दौर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम सभी ने भारत का पराक्रम देखा है। इस आपरेशन के माध्यम से सेना के सामर्थ्य को देखा है। लेकिन एक और दौर से हम गुजर रहे हैं, एक तरफ वैश्विक उथल-पुथल में अलग-अलग प्रकार से अब सारी घटनाओं को भी देख रहे हैं। दूसरी तरफ भारत की प्रगति यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तमाम चुनौतियों के बीच कितने ही प्रकार से हो रही है। गत 11 साल का समय अभूतपूर्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री मोदी द्वारा धारा 370 की समाप्ति, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम और आंतक की समाप्ति की दिशा में उल्लेखनीय और ऐतिहासिक कार्य किए हैं। भारत विश्व में अपनी साख बढ़ा रहा है। उन्होंने समस्त पुरस्कृत विभूतियों को बधाई देते हुए राष्ट्र हित में किए गए उनके कार्यों का उल्लेख किया।

स्वतंत्रता दिवस पर भगवंत मान का ऐलान, पंजाब में अब एक किलो हेरोइन पकड़ने पर मिलेगा 1.20 लाख रुपये का इनाम

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नशे के खिलाफ लड़ाई तेज करने का ऐलान करते हुए कहा कि नशा के खिलाफ लड़ाई के तहत हम नई रिवॉर्ड पॉलिसी लागू कर रहे हैं। अब 01 किलोग्राम हेरोइन पकड़ने वाले पुलिस कर्मी को 1.20 लाख रुपये पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे। अब एनडीपीएस मामलों की जांच हेड कॉन्स्टेबल को सौंपी जा रही है। 1,600 नए पुलिस कर्मियों की भर्ती की जा रही है। हालांकि, पहले इन पदों पर तैनात मुलाजिमों को प्रमोशन दिया जाएगा।पंजाब सरकार का स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम फरीदकोट में हुआ। यहां मुख्यमंत्री भगवंत मान ने नेहरू स्टेडियम में ध्वजारोहण किया। इसके बाद उन्होंने परेड का निरीक्षण किया और भाषण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी में 80 प्रतिशत कुर्बानियां पंजाब ने दी हैं। यहां लाशों से भरी रेलगाड़ियां पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि यह आज़ादी हमें बहुत महंगी पड़ी है। अब भाईचारा बनाए रखने के लिए मैं अंतिम सांस तक मेहनत करूंगा। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और कारगिल युद्ध के हीरोज को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में राजस्थान आर्म्ड पुलिस फोर्स की टुकड़ी भी शामिल हुई। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 26 हस्तियों और पुलिस मुलाजिमों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्रीने कहा कि पंजाब को नंबर वन बनाए बिना देश नंबर वन नहीं बन सकता। हर कुर्बानी के लिए पंजाबी तैयार हैं, चाहें अनाज पैदा करना हो, बॉर्डर पर मोर्चा संभालना हो या खेलों में आगे बढ़ना हो। पंजाब की चमक फीकी नहीं पड़ने देनी है। सभी को इसकी तरक्की के लिए मिलकर काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा तस्करी से जुड़े एनडीपीएस मामलों में अब नई रिवॉर्ड पॉलिसी लागू की जा रही है। इसके तहत एक किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन पकड़ने वाले पुलिस कर्मियों को 1.20 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। इनकी जांच अब हेड कॉन्स्टेबल को सौंपी जा रही है, जो पहले एएसआई के पास होती थी। उन्होंने कहा कि पुलिस महकमे में 1600 नई पोस्ट भरी जाएंगी। इनमें 150 इंस्पेक्टर, 450 सब-इंस्पेक्टर और 1000 कॉन्स्टेबल के पद प्रमोशन से भरे जाएंगे। इसके बाद नई भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि 3,068 स्कूलों में युद्ध स्तर पर नशों के विरुद्ध सिलेबस शुरू किया गया है। आठ लाख युवाओं को यह सिलेबस पढ़ाया जाएगा।

संजू सैमसन, रिंकू सिंह और तिलक वर्मा बाहर, जानिए एशिया कप 2025 के लिए चुनी गई इस टीम में किन्हें मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 की टीम का बीसीसीआई द्वारा आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन क्रिकेट जगत में चर्चा छिड़ चुकी है। पूर्व भारतीय स्पिन गेंदबाज और वर्ल्ड कप विजेता हरभजन सिंह ने अपनी पसंदीदा टीम का ऐलान किया है। इस टीम में कई बड़े नामों को जगह नहीं मिली है जबकि कुछ नए और युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। खासकर विकेटकीपिंग में हरभजन के फैसले ने सभी को हैरान कर दिया है।

संजू सैमसन, रिंकू सिंह और तिलक वर्मा को टीम से बाहर किया गया

हरभजन सिंह की चुनी हुई टीम में संजू सैमसन, जो पिछले कुछ समय से विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें जगह नहीं मिली है। इसके साथ ही रिंकू सिंह और तिलक वर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। ये फैसले क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाले हैं क्योंकि ये खिलाड़ी आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में छाए हुए हैं।

विकेटकीपर की भूमिका पर बड़ा फैसला

- केएल राहुल या ऋषभ पंत?

हरभजन सिंह ने टीम में विकेटकीपिंग के लिए ऋषभ पंत और केएल राहुल में से किसी एक को चुनने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम में दोनों को शामिल नहीं किया जाएगा। यह बात खासतौर पर इसलिए भी अहम है क्योंकि संजू सैमसन को इस भूमिका से बाहर किया गया है। भज्जी के अनुसार, ÷केएल राहुल एक शानदार विकल्प हो सकते हैं और पंत या राहुल में से किसी एक को ही टीम में होना चाहिए।'

गेंदबाजी विभाग में बदलाव, मोहम्मद सिराज को मिला मौका

टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह को जरूर जगह मिली है। इसके साथ ही अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज को भी टीम में चुना गया है। यह बात खास है कि मोहम्मद सिराज को इस बार मोहम्मद शमी और हर्षित राणा से ऊपर रखा गया है। ये चयन दर्शाता है कि हरभजन सिंह ने गेंदबाजी में युवा और फॉर्म में चल रहे खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है।

स्पिन विभाग में कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रियान पराग को मौका

स्पिन गेंदबाजी में हरभजन ने कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को टीम में शामिल किया है। इसके साथ ही रियान पराग को भी जगह दी गई है, जो कई फैंस के लिए आश्चर्यजनक फैसला माना जा रहा है क्योंकि यह उनका पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा।

शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे दिग्गजों को मिला मौका

टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान और आईपीएल 2025 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शुभमन गिल को भी टीम में चुना गया है। हरभजन ने गिल की स्थिरता और क्षमता की तारीफ करते हुए कहा, ÷गिल इस फॉर्मेट में अच्छे से खेलने वाले बल्लेबाज हैं जो सिर्फ छक्के-चौके ही नहीं बल्कि पारी को नियंत्रित भी कर सकते हैं।÷ इसके अलावा श्रेयस अय्यर को भी टीम में शामिल किया गया है जो बल्लेबाजी के मध्यक्रम को मजबूत करेंगे।

हरभजन सिंह की चुनी हुई टीम की सूची

ओपनर: यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल

मिडिल ऑर्डर: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, श्रेयस अय्यर, वाशिंगटन सुंदर

विकेटकीपर: केएल राहुल या ऋषभ पंत

स्पिन ऑलराउंडर: रियान पराग, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल

गेंदबाज: जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज

बीसीसीआई के आधिकारिक ऐलान का इंतजार

भारत का पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ होना है। बीसीसीआई के 19 अगस्त को टीम के आधिकारिक ऐलान की संभावना है। तब तक हरभजन की चुनी हुई टीम फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी रहेगी।

मैकुलम के आने से क्रिकेट के प्रति कैसे बदला नजरिया, जो रूट ने किया खुलासा

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। लंदन (यूके) ~ इंग्लैंड के करिश्माई खिलाड़ी जो रूट ने बताया कि मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने उनकी खेल शैली पर क्या प्रभाव डाला, जिससे उनके बल्लेबाजी करियर में नई जान आ गई। 2017 से 2022 तक चले रूट के कप्तानी कार्यकाल के दौरान उनके शानदार फॉर्म में न रहने के कारण शतकों का सिलसिला कम होने लगा था। अपने नेतृत्व काल के दौरान रूट ने 64 टेस्ट मैचों में 46.44 की औसत से 14 शतक बनाए और 5295 रन बनाए। रूट की गिरावट का असर टीम में दिखाई देने लगा।

कप्तान के रूप में अपने अंतिम 17 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड को केवल एक जीत मिली थी क्योंकि टीम कोविड-19 महामारी के दौर से गुजर रही थी। उथल-पुथल और कुछ मौकों पर शानदार प्रदर्शन से भरे एक कार्यकाल के बाद मैकुलम अपनी 'बॉजबॉल' के साथ आए और बेन स्टोक्स को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया। मैकुलम ने रूट की किस्मत बदल दी। केवल 41 मैचों में उन्होंने 58.00 के बेहतर औसत से 14 शतक जड़े और 3654 रन बनाए। रूट के अनुसार उन्होंने तकनीकी पहलू पर अड़े रहने के तरीके को खारिज कर दिया है और अपना ध्यान अपने खेल को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने पर केंद्रित कर दिया है।

रूट ने कहा, 'बॉज के साथ काम करने से खेल को देखने का मेरा नजरिया बदल गया है। मैं अब तकनीकी रूप से कमजोर हो गया हूं, और खेल को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने और समस्याओं को सुलझाने के तरीके ढूंढने में ज्यादा ध्यान देने लगा हूं। चीजों को देखने का एक बिल्कुल अलग नजरिया रखने वाले किसी व्यक्ति का आना और मेरे खेल में काफी योगदान देना, मेरे लिए बहुत ही ताजगी भरा अनुभव रहा है। वह शानदार रहे हैं।'

158 टेस्ट मैच, 13,543 रन और 39 शतकों के बावजूद, रूट अभी भी अपने खेल को निखारने की चाहत रखते हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर होने के बावजूद वह महान सचिन तेंदुलकर के बाद इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ने के बेहद करीब हैं, लेकिन रूट उस उपलब्धि को तोड़ने की इच्छा से प्रेरित नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर मेरी प्रेरणा यही है कि क्या आप लगातार विकास करते रह सकते हैं। क्या आप अपने प्रतिद्वंदियों से आगे रहने के तरीके खोज सकते हैं? क्या आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप स्थिर न रहें और नीरस न हो जाएं? क्या मैं रचनात्मक बना रह सकता हूं? क्या मैं सुधार के तरीके खोज सकता हूं और यह सुनिश्चित कर सकता हूं कि मैं जो अच्छा कर रहा हूं, वह कम से कम उसी स्तर पर बना रहे?' रूट का अगला टेस्ट मैच इंग्लैंड के चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट की सबसे पुरानी प्रतिद्वंदिता एशेज में होगा जो 21 नवंबर से शुरू होने वाली है।

तेजस्वी दहिया के तूफानी अर्धशतक से साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की रोमांचक जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रीमियर लीग सीजन 2 के एक रोमांचक मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 3 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस वर्षा बाधित मैच में गीली आउटफील्ड के चलते 16-16 ओवर का कर दिया गया था। सुपरस्टार्स के लिए यह जीत बेहद अहम रही क्योंकि मौजूदा सीजन की शुरुआत टीम के लिए अच्छी नहीं रही थी। 140 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरस्टार्स की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पहले पांच ओवरों में ही तीन विकेट गंवा दिए, जिसमें कप्तान आयुष बडोनी भी शामिल थे। 10वें ओवर में सेट बल्लेबाज अनमोल शर्मा के आउट होने के बाद स्थिति और मुश्किल हो गई। उस समय टीम को 6 ओवरों में 70 से ज्यादा रन चाहिए थे।

ऐसे दबाव भरे हालात में नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने आए तेजस्वी दहिया ने शानदार पलटवार किया। उन्होंने महज 30 गेंदों में नाबाद 70 रन ठोकते हुए मैच का रुख पलट दिया। उनकी पारी में 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आखिरी ओवर में जब 7 रन की जरूरत थी, तब तेजस्वी ने लगातार दो गेंदों पर दो गगनचुंबी छक्के जड़कर टीम को नाटकीय जीत दिला दी। सुमित कुमार बेनीवाल ने भी 7 गेंदों में 19 रनों की तेजतर्रार पारी खेली और तेजस्वी का अच्छा साथ दिया। गेंदबाजी में आउटर दिल्ली वॉरियर्स के सुयश शर्मा और अंशुमन हूडा ने दो-दो विकेट झटके।

विराट का वीर जवानों भावुक संदेश हुआ सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में उत्सव का माहौल रहा और इस मौके पर भारतीय क्रिकेटरों ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज़ विराट कोहली ने इस दिन वीर जवानों के साहस और बलिदान को नमन किया और सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें भारतीय होने पर गर्व है। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संदेश साझा करते हुए कहा कि आज हम स्वतंत्रता में मुस्कुरा सकते हैं क्योंकि हमारे नायक अडिग साहस के साथ खड़े रहे। उन्होंने आगे लिखा कि हम अपने नायकों के बलिदानों को इस खुशी के स्वतंत्रता दिवस पर सलाम और सम्मान करते हैं और भारतीय होने पर गर्व है। विराट का यह संदेश देशभर के प्रशंसकों के दिल को छू गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।

विराट कोहली इन दिनों क्रिकेट से दूर हैं और फिलहाल लंदन में अभ्यास कर रहे हैं। वह आईपीएल के बाद से किसी मैच में नज़र नहीं आए हैं। कोहली ने कुछ समय पहले टी20 और टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है और अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज़ के दौरान एक बार फिर भारतीय जर्सी में मैदान पर उतरेंगे। इस अवसर पर अन्य खिलाड़ियों ने भी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। भारतीय मध्यक्रम बल्लेबाज़ श्रेयस अय्यर ने अपनी एक तस्वीर साझा की जिसमें वह बल्ला उठाकर दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते नज़र आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक और फोटो पोस्ट की जिसमें दर्शक तिरंगा लहराते हुए अपने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहे थे। अय्यर ने इन तस्वीरों के साथ सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर और पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने भी सोशल मीडिया पर खास संदेश दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 401 मैचों में 953 विकेट लेने वाले कुंबले ने लिखा कि यह दिन स्वतंत्रता का जश्न मनाने और इसके साथ आने वाली जिम्मेदारियों पर विचार करने का है। उन्होंने उन लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने रास्ता बनाया और सभी को गर्व और शांति से भरे स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

फीफा वर्ल्ड कप के लिए 30 लाख आवारा कुत्तों को मोरक्को में मारी जाएगी गोली!

रबात। जहां एक तरफ भारत में आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखने पर बहस चल रही है वहीं दूसरी ओर मोरक्को देश ने एक क्रूर फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोरक्को में 2030 के फीफा विश्व कप की तैयारियों के नाम पर करीब 30 लाख आवारा कुत्तों को मारने का प्लान बनाया है। इस खबर के सामने आने के बाद पूरी दुनिया में जानवरों के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों और एनिमल लवर्स ने कड़ा विरोध किया है। मोरक्को सरकार की यह क्रूर योजना शहरों को साफ-सुथरा और व्यवस्थित करने के लिए बनाई गई है ताकि फीफा वर्ल्ड कप के दौरान आने वाले विदेशी मेहमानों को कोई परेशानी न हो। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन कुत्तों को ज़हर देकर, गोली मारकर या करंट लगाकर मारा जा रहा है। कुछ मामलों में तो उन्हें अमानवीय तरीकों से शेल्टर होम्स में रखकर भी मारा जा रहा है। यह खबर सामने आने के बाद दुनिया की जानी-मानी जानवर संरक्षण कार्यकर्ता जेन गुडॉल ने फीफा महासचिव को पत्र लिखकर इस पर रोक लगाने की मांग की है।

जैकब बेथेल तोड़ेंगे 136 साल पुराना रिकॉर्ड, बनेगें इंग्लैंड के सबसे युवा कप्तान

नई दिल्ली। इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल इतिहास रचने के करीब हैं। उन्हें आयरलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड का कप्तान नियुक्त किया गया है। जैसे ही वह 17 सितंबर को पहले टी20 मैच में मैदान पर उतरेंगे, वह इंग्लैंड क्रिकेट के 136 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ देंगे और अपनी टीम के सबसे युवा कप्तान बन जाएंगे। इससे पहले इंग्लैंड के सबसे युवा कप्तान का रिकॉर्ड मोंटी बोडेन के नाम था, जिन्होंने 1889 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में कप्तानी की थी। उस समय उनकी उम्र 23 वर्ष थी और उन्होंने बीमार कप्तान ऑब्रे स्मिथ की जगह टीम की बागडोर संभाली थी। अब 21 वर्षीय बेथेल यह रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने वाले हैं। बेथेल ने अब तक इंग्लैंड के लिए 13 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 154.39 की स्ट्राइक रेट से 281 रन बनाए हैं और चार विकेट भी झटके हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी के कारण वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। इस सीरीज के लिए इंग्लैंड ने कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है। नियमित कप्तान हैरी ब्रुक भी टीम का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि वह सितंबर की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में टीम का नेतृत्व करेंगे। ऐसे में बेथेल को कप्तान बनाकर इंग्लैंड ने युवाओं पर भरोसा जताया है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा कि जैकब बेथेल ने हाल के दिनों में अपनी नेतृत्व क्षमता से सभी को प्रभावित किया है। आयरलैंड के खिलाफ यह सीरीज उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कप्तानी कौशल को और निखारने का शानदार अवसर देगी।

जर्मन पुरुष टीम ने हॉकी विश्व कप 2026 के लिए किया क्वालीफाई

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड) (एजेंसी)। जर्मनी ने यूरो हॉकी चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में पहुंचने के साथ ही आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। फाइनल में जर्मनी का सामना नीदरलैंड्स से होगा, लेकिन मेजबान होने के नाते, नीदरलैंड्स ने आगामी विश्व कप में अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली है, जिससे जर्मनी को यूरोप से हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 के लिए सीधे क्वालीफाई स्थान मिल जाएगा।

जर्मनी ने अपने यूरो हॉकी अभियान की शुरुआत, अपने घरेलू मैदान, मोंचेंग्लाडबाक में, पूल बी में फ्रांस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले से की। फ्रांस मैच के अंतिम दस मिनट तक दो गोल की बढ़त बनाए हुए था, लेकिन जस्टस वीगैंड के दो और गोंजालो पेइलाट के एक गोल की बदौलत मेजबान टीम ने वापसी की और पूरे तीन अंक हासिल कर लिए। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 से कड़ा मुकाबला ड्रॉ रहा, जिससे जर्मनी पूल बी में मजबूत स्थिति में आ गया।

पोलैंड के खिलाफ अपने आखिरी पूल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए, जिसे उन्होंने 10-0 से जीता, होनामास ने पूल में दूसरे स्थान पर रहे फ्रांस से आगे रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी का मुकाबला स्पेन से हुआ। लगभग एक महीने पहले स्पेन ने बर्लिन में सीजन के आखिरी दो मैचों में होनामास को जीत से वंचित करके एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के अंत में जर्मनी को पछाड़कर विश्व कप क्वालीफिकेशन में जगह बनाई थी। हालांकि इस बार जर्मनी ने रेड स्टिक्स पर बाजी पलट दी।

होनामास पूरे मैच में बढ़त बनाए रहे और पहले क्वार्टर में दो गोल दागे। हालांकि दूसरे क्वार्टर में उन्होंने एक गोल गंवाया - जिससे हाफ-टाइम तक स्कोर 2-1 हो गया - उन्होंने आखिरी क्वार्टर में स्कोरशीट पर तीसरा और चौथा गोल भी जोड़ दिया, जिससे स्पेन को वापसी का कोई मौका नहीं मिला।

एफआईएच के प्रमुख आयोजन के लिए जर्मनी के क्वालीफिकेशन पर टिप्पणी करते हुए जस्टस वीगैंड ने कहा, 'विश्व कप के लिए क्वालीफाई करके निश्चित रूप से बहुत खुशी हुई। स्पेन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच के बाद हम थोड़े निराश थे। आज रात अपने घरेलू दर्शकों के सामने, यह मैच जीतना और विश्व कप और यूरो हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल, दोनों के लिए क्वालीफाई करना एक विशेष एहसास है। उम्मीद है कि हम नीदरलैंड के खिलाफ फाइनल जीतेंगे।'

जर्मनी FIH हॉकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करने वाली छठी पुरुष टीम बन गई है। इस आयोजन के मेजबान होने के कारण, बेल्जियम और नीदरलैंड को सीधे क्वालीफिकेशन प्राप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के पिछले दो संस्करणों के माध्यम से क्वालीफाई किया था। अर्जेंटीना ने हाल ही में पैन अमेरिकन कप जीतकर अपनी क्वालीफिकेशन पक्की की। आने वाले महीनों में एशिया, अफ्रीका और ओसनिया में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप इस आयोजन के लिए तीन और सीधे क्वालीफायर तय करेंगी, जबकि शेष सात टीमें 2026 में एफआईएच हॉकी विश्व कप क्वालीफायर के माध्यम से क्वालीफाई करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान सिम्पसन का निधन, भारतीय टीम को दी थी कोचिंग

-अपना डेब्यू टेस्ट मैच 1957 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बॉब सिम्पसन का शनिवार को सिडनी में निधन हो गया। सिम्पसन की उम्र 89 साल थी। सिम्पसन का योगदान बतौर खिलाड़ी, कप्तान और कोच तीनों भूमिकाओं में शानदार रहा। सिम्पसन उन क्रिकेटर्स में शामिल थे जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को मुश्किल दौर से बाहर निकालकर वर्ल्ड क्लास टीम बनाया। साल 1999 के वनडे वर्ल्ड कप में सिम्पसन भारतीय टीम के साथ कंसल्टेंट के तौर पर जुड़े थे। बॉब सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 62 टेस्ट मैचों में 46.81 की औसत से 4869 रन बनाए, जिसमें 10 शतक और 27 अर्धशतक लगाए। सिम्पसन ने साल 1964 में मैनचेस्टर टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 311 रनों की पारी खेली। यह एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक है। सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो वनडे मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 36 रन बनाए। सिम्पसन शानदार स्लिप फील्डर और उपयोगी लेग स्पिनर भी थे। सिम्पसन ने टेस्ट में 71 और ओडीआई में 2 विकेट झटके। बॉब सिम्पसन ने 1968 में संन्यास ले लिया था, लेकिन कैरी पैकर वर्ल्ड सीरीज के दौर में ऑस्ट्रेलिया टीम को संभालने के लिए वह दोबारा मैदान में लौटे और टीम की कप्तानी भी की। बॉब सिम्पसन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना डेब्यू टेस्ट मैच दिसंबर 1957 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहानिसबर्ग में खेला था। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच अप्रैल 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्स्टन में खेला, जो उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी मुकाबला था। बॉब सिम्पसन ने 39 टेस्ट मैचों में ऑसट्रेलिया टीम की कप्तानी की। इस दौरान कंगारू टीम ने 12 टेस्ट मैच जीते और इतने ही मैच हारे भी। सिम्पसन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 15 टेस्ट मैच ड्रॉ भी कराए। सिम्पसन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने दो वनडे मुकाबले खेले, जिसमें उसे एक में जीत और एक में हार मिली। क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद बॉब सिम्पसन ने कोचिंग को अपना करियर बनाया। 1986 में ऑस्ट्रेलिया टीम के हेड कोच का पद संभालने के बाद बॉब सिम्पसन ने युवा टीम में नई जान फूंक दी। कप्तान एलन बॉर्डर और कोच सिम्पसन की जोड़ी के दम पर 1987 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे वर्ल्ड कप जीता। फिर 1989 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज जीती, साथ ही 1995 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसकी धरती पर टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की। उनकी कोचिंग में ही स्टीव वॉ, शेन वॉर्न और ग्लेन मैक्ग्रा जैसे क्रिकेटर्स निखरकर सामने आए। बॉब सिम्पसन को साल 1965 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। बाद में उन्हें आईसीसी हॉल ऑफ फेम और ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। सिम्पसन को हमेशा उस क्रिकेटर और कोच के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने टीम को बिखरने से बचाया और जीत की राह आसान की।

सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे को मिली अंतिम मंजूरी

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के सुपरस्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे को अंतिम मंजूरी मिल गई है और उनके तीन दिवसीय दौरे का आगाज 12 दिसंबर को कोलकाता से होगा। इस कार्यक्रम के प्रमोटर सताद्रु दत्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मेस्सी के दौरे 'जीओएटी टूर आफ इंडिया 2025' का पहला पड़ाव कोलकाता होगा जिसके बाद वह अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली जाएंगे। यात्रा का समापन 15 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात के साथ होगा।

यह 2011 के बाद मेस्सी की पहली भारत यात्रा होगी। उस समय वह वेनेजुएला के खिलाफ यहां साल्ट लेक स्टेडियम में फीफा का मैत्री मैच खेलने आए थे। दत्ता ने कहा, 'मुझे पुष्टि मिल गई है और उसके बाद ही मैने इसकी घोषणा (सोशल मीडिया पर) की। मेस्सी 28 अगस्त से एक सितंबर के बीच इसे पोस्ट कर सकते हैं। इसमें आधिकारिक पोस्टर और दौरे की जानकारी होगी।'

दत्ता ने इस साल की शुरूआत में मेस्सी के पिता से मुलाकात करके यह प्रस्ताव रखा था। मेस्सी ने अपने आवास पर उनसे मुलाकात करके 45 मिनट तक बात की। दत्ता ने कहा, 'मैने उन्हें पूरे कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने आने का वादा किया था।' मेस्सी के साथ इंटर मियामी के रौड्रिगो डि पॉल, लुई सुआरेज, जोर्बी अल्बा और सर्जियो बस्केट्स भी आ सकते हैं। मेस्सी हर शहर में बच्चों के साथ मास्टरक्लास में भी भाग लेंगे।

दत्ता ने कहा, 'मेसी 12 दिसंबर को कोलकाता पहुंचेंगे और वहां दो दिन और एक रात रूकेंगे। वह 13 दिसंबर को मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम में भाग लेंगे। उनके लिए विशेष फूड और टी फेस्टिवल होगा जिसमें बंगाली मछली हिलसा, बंगाली मिठाई और असम चाय परोसी जाएगी। इसके बाद ईडन गार्डंस या साल्टलेक स्टेडियम पर जीओएटी कन्सर्ट और जीओएटी कप का आयोजन होगा। शहर में दुर्गापूजा के दौरान उनका 25 फुट ऊंचा और 20 फुट चौड़ा भित्तिचित्र भी रखा जाएगा जिस पर प्रशंसक अपने संदेश लिख सकेंगे। यह स्टेडियम में मेस्सी को उपहार में दिया जाएगा।'

वह प्रति टीम सात खिलाड़ियों का सॉफ्ट टच और सॉफ्ट बॉल मैच खेलेंगे जिसमें सौरव गांगुली, लिएंडर पेस, जॉन अब्राहम और बाईचुंग भूटिया भी होंगे। ईडन गार्डंस पर होने वाले इस आयोजन के लिए टिकट की न्यूनतम दर 3500 रुपए होगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें वहां सम्मानित कर सकती हैं। मेस्सी 13 दिसंबर की शाम को अहमदाबाद में अडाणी फाउंडेशन के निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे जहां सीसीआई पर शाम 3.45 पर 'मीट एंट ग्रीट' कार्यक्रम होगा। इसके बाद वानखेड़े स्टेडियम पर 5.30 से जीओएटी कप और कन्सर्ट होगा। मुंबई में सीसीआई ब्रेबोर्न पर मुंबई पैडल जीओएटी कप होगा।

सूत्रों ने बताया कि शाहरूख खान और लिएंडर पेस पांच से दस मिनट तक मेस्सी के साथ यह मैच खेल सकते हैं। महाराष्ट्र क्रिकेट संघ मेस्सी और सचिन तेंदुलकर, एम एस धोनी और रोहित शर्मा के साथ जीओएटी कैप्टंस मोमेंट का आयोजन कर सकता है जिसमें रणवीर सिंह, आमिर खान और टाइगर श्राफ भी भाग लेंगे। मेस्सी 15 दिसंबर को दिल्ली आएंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। इसके बाद फिरोज शाह कोटला स्टेडियम पर दोपहर 2.15 से जीओएटी कप और कन्सर्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली जिला क्रिकेट संघ विराट कोहली और शुभमन गिल को भी न्योता देगा जो मेस्सी के बड़े प्रशंसक हैं।

सीनियर खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती करेगा पीसीबी... बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के नाम शामिल

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निराशाजनक प्रदर्शन का खामियाजा खिलाड़ियों को भुगतना पड़ सकता है। दरअसल रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सीनियर खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती करने की तैयारी में है। इसमें कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बोर्ड खिलाड़ियों के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से उस हिस्से को हटाने की तैयारी में है, जिसमें आईसीसी के राजस्व का 3 प्रतिशत हिस्सा जोड़ा गया था। यह व्यवस्था करीब दो साल पहले टीम के सीनियर खिलाड़ियों के दबाव में लागू की गई थी। पाकिस्तान टीम का इस साल का प्रदर्शन बेहद बेकार रहा है। टीम ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से केवल एक में जीत दर्ज की है। वनडे क्रिकेट में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की हालात और भी खराब है। पाकिस्तान ने इस साल 11 वनडे खेले हैं, जिसमें से सिर्फ दो ही जीत सकी है। वहीं, टी20 क्रिकेट में भी टीम का संतुलन बिगड़ा रहा।

थलापति विजय जहां भी जाते हैं लोग इकट्ठा हो जाते हैं, बाहर शूटिंग करना मुश्किल होता है

थलापति विजय की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन 9 जनवरी, 2026 को रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है, क्योंकि वह राजनीति में कदम रखने की योजना बना रहे हैं।

बॉबी ने की विजय की तारीफ

बातचीत के दौरान, बॉबी देओल ने बताया कि थलापति विजय बहुत बड़े स्टार हैं। उनकी लोकप्रियता के कारण बाहर शूटिंग करना मुश्किल होता है, क्योंकि लोग भारी संख्या में इकट्ठा हो जाते हैं। इसलिए फिल्म की शूटिंग ज्यादातर स्टूडियो में हो रही है।

साउथ फिल्मों को लेकर बॉबी की राय

बॉबी ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपने पिछले अनुभव भी साझा किए। उन्होंने नंदमुरी बालकृष्ण (एनबीके) के साथ काम करने को शानदार बताया और कहा कि वह जनता के स्टार हैं। साथ ही, उन्होंने सूर्या के साथ फिल्म कंगुवा में काम करने की बात की, जो उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। बॉबी ने कहा कि सूर्या बेहतरीन अभिनेता हैं, लेकिन स्क्रिप्ट में कमी रह गई।

जन नायकन के बारे में

जन नायकन एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। इसमें विजय एक पूर्व पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक बड़ी राजनीतिक लड़ाई में उलझता है। फिल्म में थलापति विजय के अलावा बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, प्रकाश राज, प्रियामणि और ममिता बैजू जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ममिता बैजू ने दिया है।

रिश्ते में उम्र के अंतर पर बोलीं फातिमा सना शेख

फातिमा सना शेख अपनी दो फिल्मों आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों को लेकर चर्चा में रही हैं। फिल्म आप जैसा कोई में उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जो अपने से बड़े उम्र के व्यक्ति के साथ प्यार में पड़ जाती हैं। हाल ही में उन्होंने कहा है कि किसी भी रिश्ते में उम्र कोई दिक्कत नहीं है।

संवेदनाएं एक जैसी होनी चाहिए

उम्र के मामले पर बोलते हुए फातिमा सना शेख ने बातचीत में कहा अगर रिश्ते में दोनों की भावनाएं मेल खाती हैं तो इससे फर्क नहीं पड़ता है कि कोई लड़का मुझसे 10 साल बड़ा है। भावनाओं का स्तर एक जैसा होना चाहिए। उम्र में फर्क वाली चीज तो सदियों से होती आ रही है।

फातिमा ने अपने आपको बताया खुशकिस्मत

फातिमा सना शेख ने रहना है तेरे दिल में के अभिनेता आर माधवन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताया मैं बहुत खुशकिस्मत हूं। मैं लोगों से बताती हूं कि मुझे एक ऐसा किरदार मिला जिसमें मैं उनके साथ रोमांस कर रही हूं। हालांकि फिल्म में बहुत सही तरीके से रोमांस कर रही थी क्योंकि यह अच्छी तरह लिखा गया था। हमारी केमिस्ट्री एकदम प्राकृतिक थी।

निर्देशक जैसे हैं आर माधवन

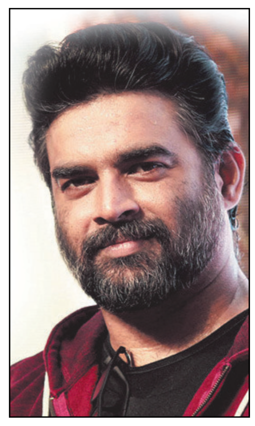

फातिमा सना शेख ने आर माधवन के बारे में आगे कहा वह एक काबिल अभिनेता हैं। वह अपने आप में एक निर्देशक भी हैं। जब भी मैंने फिल्म में कुछ न करने का कारण दिया, तो उन्होंने मेरा उत्साह बढ़ाया। फिल्म में दोनों के अभिनय की सराहना की गई है। फिल्म आप जैसा कोई 11 जुलाई को ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसमें फातिमा सना शेख और आर माधवन ने मुख्य किरदार निभाया है। विवेक सोनी ने इसका निर्देशन किया है। फिल्म में एक अध्यापक के बारे में दिखाया गया है जो बड़ी उम्र के होते हैं और उनकी शादी नहीं होती। इसी तरह से एक लड़की की भी शादी नहीं होती है। दोनों किसी तरह मिलते हैं और दोनों में प्यार हो जाता है। फिल्म दोनों के रिश्ते के आस-पास घूमती है।

'बागी-4' का टीजर आउट इस बार कहानी के विलेन और हीरो भी हैं टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म 'बागी-4' का इंतजार लंबे समय से था। इसका टीजर रिलीज कर दिया गया। इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर से रॉनी के रोल में वापसी कर रहे हैं, मगर इस बार उनका किरदार काफी उग्र होने जा रहा है। उनके किरदार में गुस्से और बदले की भावना देखने के लिए मिलेगी, जिससे यह पहले से भी ज्यादा खतरनाक होने वाला है। इसके टीजर में एक ऐसे आशिक की कहानी है, जो बदला लेने के लिए निकला है। उसका सामना होता है संजय दत्त के किरदार से, जो देखने में उनसे भी हिंसक और खूंखार लग रहा है। टीजर में काफी हिंसा और खून-खराबा दिख रहा है।

टीजर को मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर रिलीज किया है। इसके कैप्शन में लिखा है, बचने का कोई रास्ता नहीं। कोई रहम नहीं। खुद को संभालो, एक खूनी, हिंसक प्रेम कहानी शुरू होती है। फिल्म में दो एक्ट्रेस भी हैं जो फरसे और चाकू चलाती दिख रही हैं। पहली हैं सोनम बाजवा, जो इस फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाते हुए दमदार रोल में दिखाई देंगी। उन्हें भी एक्शन सीन करते देखा जा रहा है। ये दिखाता है कि वे ग्लैमर के साथ ही मारधाड़ करने में भी माहिर हैं। हाउसफुल-5 के बाद साजिद नाडियाडवाला के साथ ये उनकी दूसरी फिल्म है। बागी-4 में इस बार साजिद नाडियाडवाला मिस यूनिवर्स हरनाज संधू को लेकर आए हैं। फिल्म की वो दूसरी लीड एक्ट्रेस हैं, और वे इसमें बहुत ही खूंखार नजर आने वाली हैं। टीजर में उन्हें भी वायलेंस करते हुए देखा जा सकता है। सबसे चौंकाने वाला किरदार होगा संजय दत्त का, जो इस फिल्म में बहुत ही खतरनाक लगे हैं। एक ऐसा विलेन जो शांत और पागल दोनों हैं। उन्हें देखकर एनिमल के बॉबी देओल की याद आ जाती है। कहा जा रहा है कि आपने उन्हें इस तरह के किरदार में पहले कभी नहीं देखा होगा। टीजर में उनकी परफॉर्मेंस भी रोंगटे खड़े कर देने वाली दिख रही है। इसकी स्टोरी और स्क्रीनप्ले साजिद नाडियाडवाला ने लिखा है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। बागी 4 जबरदस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और अराजकता से भरी फिल्म होगी।

मिस यूनिवर्स हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर बॉलीवुड डेब्यू

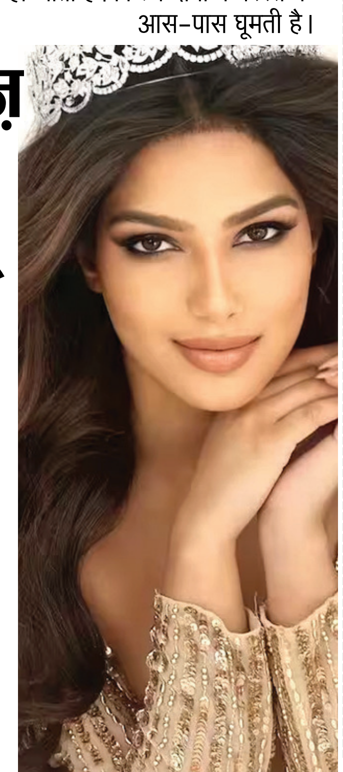

बॉलीवुड के एक्शन सीन में एक नया तूफ़ान आ गया है, और वो हैं मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज़ संधू। बहु-प्रतीक्षित फ़िल्म बाघी 4 का टीज़र रिलीज़ होते ही वायरल हो गया है, जिसमें हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर अवतार देखकर दर्शक हैरान हैं। अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए मशहूर हरनाज़ ने इस टीज़र में अपनी इमेज को पूरी तरह बदल दिया है। रोमांटिक एंट्री की बजाय, वह स्क्रीन पर सीधे हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन करते हुए दिखाई देती हैं। हड्डियां हिला देने वाले हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट से लेकर हथियारों के साथ निंजा-स्टाइल एक्शन तक, उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह इस फ़िल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं। टीज़र में टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी दमदार केमिस्ट्री और संजय दत्त के विलेन अवतार के बीच हरनाज़ की मौजूदगी देखने लायक है।

जॉन अब्राहम ने मोहित सूरी को दिया सैयारा की सक्सेस का श्रेय

अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसमें नीरू बाजवा और मानुषी छिल्लर भी अहम रोल में हैं। सिनेमाघरों में इन दिनों सैयारा का जलवा है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा नजर आए हैं। फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया है। इस पर जॉन अब्राहम ने रिएक्शन दिया है।

मोहित सूरी को दिया पूरा क्रेडिट

जॉन अब्राहम ने हाल ही में सैयारा की अपार सफलता पर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक इंटरव्यू में जॉन अब्राहम ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि फिल्म इतना उम्दा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म की इस जबर्दस्त सफलता का श्रेय वे फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी को देना चाहेंगे। जॉन के अनुसार, मोहित सूरी ने फिल्म के लिए पूरी मेहनत की है। मोहित सूरी की तारीफ करते हुए जॉन ने कहा कि एक व्यक्ति के रूप में मोहित शानदार हैं। जॉन ने निर्देशक को डार्लिंग कहते हुए आगे कहा, सभी ने कहा कि वे उनकी सफलता का जश्न मना रहे हैं। मेरी तरफ से उन्हें सलाम। जॉन ने आगे कहा कि फिल्म में दो नए कलाकारों के साथ एक फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने का सबसे बड़ा श्रेय आदित्य चोपड़ा को जाता है।

सबको छोड़कर जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहती हैं श्रुति हासन

साउथ के चर्चित एक्टर कमल हासन की बेटी और एक्ट्रेस श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें लिखा है, 'कई बार मन होता है कि सबको छोड़कर एक नई जिंदगी शुरू करूं। लेकिन फिर मन में आवाज उठती है, खुद पर भरोसा रखो और डटे रहो।' इस पोस्ट को एक वीडियो के साथ श्रुति हासन ने शेयर किया, जिसमें वह फाइट सीन्स कर रही हैं। श्रुति के फैन पेज ने पहले यह वीडियो साझा किया था,जिसे श्रुति ने भी पोस्ट किया है। इस पोस्ट पर यूजर्स ने, श्रुति के फैंस ने भी रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस को जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है।

यूजर्स ने क्या दी श्रुति हासन को सलाह

यूजर्स ने श्रुति हासन की पोस्ट पर ही कमेंट करके उन्हें जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है। एक यूजर लिखता है, 'श्रुति, आपके मन में उठ रहे दर्द का अहसास हमें भी है। लेकिन उस आवाज पर भरोसा करें, जो आपको जिंदगी में डटे रहने के लिए कहती है। यही प्यार है, इससे ही आप हीलिंग की तरफ आगे बढ़ेंगी। आप जितना दिख रही हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं। आपकी खूबसूरत, जिंदगी की कहानी के कई चैप्टर अभी लिखे जाने बाकी हैं। इसलिए इंतजार ना करें। आज ही आगे बढ़ने का एक कदम उठाएं।' एक अन्य यूजर ने श्रुति को पहाड़ों पर जाकर वक्त गुजारने की सलाह दी। वह कहता है, 'नई शुरुआत करें। पहाड़ों पर जाएं। धीरे-धीरे जिएं, भीड़-भाड़ से दूर रहें। अपनी सोल (आत्मा) के लिए आप इससे ज्यादा खूबसूरत काम कुछ नहीं कर सकते हैं।' कुछ यूजर्स ने श्रुति के जैसा ही महसूस करने की बात भी कही है।

फिल्म 'कुली' में निभाएंगी अहम किरदार

रजनीकांत की फिल्म 'कूली' 14 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें रजनीकांत लीड रोल में हैं। वहीं श्रुति हासन का रोल भी काफी अहम है। फिल्म के ट्रेलर में श्रुति की झलक, अभिनय दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म के अलावा श्रुति हासन फिल्म 'सालार 2' में साउथ एक्टर प्रभास के साथ भी नजर आएंगी।

मुझे राजनीति में दिलचस्पी नहीं, पर अगर पावर मिला तो इंडस्ट्री का स्टार सिस्टम बदल दूंगी

बॉलीवुड में अपने तीन दशक लंबे शानदार सफर में ट्रेन टू पाकिस्तान से लेकर स्पेशल 26, दिल्ली 6, भाग मिल्खा भाग जैसी कई यादगार फिल्में करने वाली नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस दिव्या दत्ता ने पहली बार तेलुगु सिनेमा की ओर रुख किया है। इन दिनों वह अपनी तेलुगु सीरीज मायासभा को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में एक नेता की भूमिका निभा रहीं दिव्या से खास बातचीत

हिंदी फिल्मों में तीस साल के शानदार सफर के बाद तेलुगु सिनेमा की ओर रुख करने का ख्याल कैसे आया? वैसे, इन दिनों पैन इंडिया सिनेमा का दौर चल रहा है। इस बदलाव को कैसे देखती हैं?

असल में, मैं बहुत समय से चाह रही थी कि तेलुगु में कुछ काम करूं। जब मैं शुरू-शुरू में आई थी, तब मुझे तेलुगु फिल्मों के बहुत ऑफर आते थे पर किसी न किसी वजह से मैं वह नहीं कर पाई, मगर मन में यह रह गया कि तेलुगु सिनेमा तो जरूर करना है। इसलिए, जब मायासभा का ऑफर आया, जिसमें बेहतरीन कहानी, बहुत उम्दा किरदार, अच्छा डायरेक्टर, सब मिश्रण मिला तो मैंने हां कर दिया, क्योंकि अगर मैं इतने सालों बाद कुछ नया कर रही हूं तो वह उस लायक होना चाहिए। रही बात पैन इंडिया की, तो जब हम छोटे थे, तब भी ऐसा होता था कि बच्चन साहब और रजनीकांत सर एक साथ काम करते थे, चाहे वो फिल्म हम हो या अंधा कानून। अब यह दौर फिर लौटा है, जिसमें अलग-अलग भाषाओं के सिनेमा के बीच अच्छा संबंध बन रहा है।

आपको फिल्म इरादा में नेता के किरदार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था, इस सीरीज में आप फिर एक नेता के किरदार में हैं। हालांकि, आम तौर पर आप सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों में ज्यादा खुलकर राय जाहिर करती नहीं दिखती?

मैं जिन चीजों के बारे में बहुत मजबूती से महसूस करती हूं, जिसके बारे में मुझे लगता है कि बोलना चाहिए, उसके बारे में बहुत मुखर तरीके से बोलती हूं। जैसे, पर्यावरण को लेकर मुझे बहुत महसूस होता है। उसके बारे में मैंने कविता भी लिखी है। इस मुद्दे पर मैं हर जगह बोलती भी हूं कि इंसान, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों सबको साथ में को-एग्जिस्ट करना चाहिए। लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐक्टर होने के नाते हमारा हर मुद्दे पर राय देना या बोलना जरूरी है।

आपको खुद राजनीति में कितनी रुचि है? अगर आपके पास पावर हो तो इंडस्ट्री में क्या चीज बदलना चाहेंगी?

मुझे पॉलिटिक्स में कोई रुचि नहीं है, लेकिन अगर मेरे पास पावर हो तो मैं इंडस्ट्री का स्टार सिस्टम बदल दूंगी। आप ओटीटी पर स्कैम देखें या पंचायत देखें, वे किरदार हमें सिर्फ किरदार लगते हैं, लगता ही नहीं कि वे एक्टर हैं। इसलिए, चाहे स्टार हो, एक्टर हो या न्यूकमर हो, मेरे हिसाब से किरदार को जो सूट करता है, उसे ही कास्ट करना चाहिए।

आपने सिनेमा से लेकर ओटीटी तक पर कई यादगार किरदार किए हैं। कई करैक्टर और सहयोगी भूमिकाओं में भी छाप छोड़ी है। आपके जेहन में कभी वो बॉलिवुड हीरोइन या स्टार बनने का ख्याल नहीं आया?

मैं स्टार हूं। मैं स्टार एक्टर हूं। मैं अपने तरह की स्टार हूं, जिसकी वजह से मुझे अपनी तरह का प्यार मिलता है और बहुत ही खूबसूरत रोल मिलते हैं। उसके लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। ऑडियंस के दिलों में जो मेरी जगह है, वो बहुत ही खूबसूरत है। मुझे कहीं कुछ बदलना नहीं है। मेरी सोच सिर्फ ये होती है कि मैं फिल्म का बेस्ट पार्ट करूं। मेरे छोटे रोल भी आप देखेंगी, तो वे मैंने इसलिए किए, क्योंकि शायद उस प्रॉजेक्ट का बेहतरीन रोल वही था। मेरी सोच यही रहती है कि मुझे बेस्ट रोल चाहिए। उस मामले में मैं बहुत भुक्खड़ एक्टर हूं कि ये वाला रोल ऑडियंस अपने घर लेकर जाएगी तो करेंगे, नहीं तो नहीं करेंगे। अब वो क्या रोल है, उससे मुझे फर्क नहीं पड़ता।

ऑन और ऑफ स्क्रीन औरतों की स्थिति में कितना बदलाव महसूस करती हैं?

सबसे ज्यादा बदलाव आया है और वह बदलाव आपको सेट पर दिखता है। आज हर विभाग में आपको महिलाएं दिखेंगी, चाहे कैमरा हो, डायरेक्शन, कॉस्टयूम, मेकअप हर जगह पर अब लड़कियां हैं। पहले नहीं होती थीं और यह बदलाव इतने सहज तरीके से धीरे धीरे हुआ है कि हमें अहसास भी नहीं होता, मगर इन बदलावों का स्वागत होना चाहिए। इसी तरह, पर्दे पर भी आप देखें कि कितनी सारी कहानियां महिलाओं पर बनाई जा रही हैं। अब वे ऑब्जेक्टिफाई नहीं हो रही हैं कि एक हीरोइन है, एक वैंप है, एक कॉमेडियन है। आज हर तबके के एक्टर को उनका हक मिल रहा है, जो बहुत बड़ा बदलाव है।

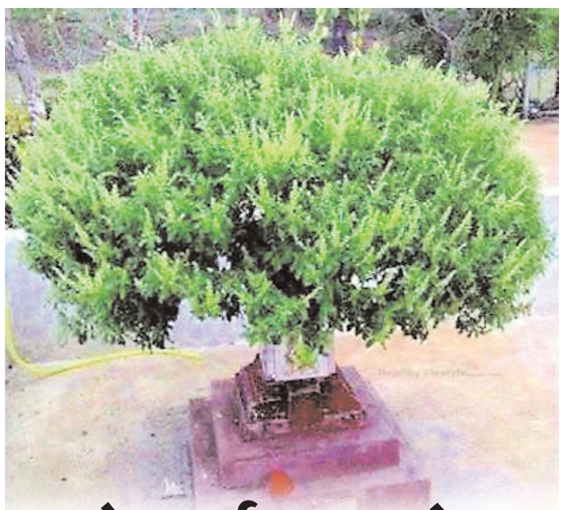

घर के कई वास्तु दोष दूर करती है तुलसी

भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे का बहुत महत्व है और इस पौधे को बहुत पवित्र माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में यह तुलसी का पौधा नहीं होता उस घ में भगवान भी रहना पंसद नहीं करते। माना जाता है कि घर में आंगन में तुलसी का पौधा लगा कलह और दरिद्रता दूर करता है। तुलसी एक ऐसा पौधा है। जिसके लाभ अनेकानेक हैं और इसे विज्ञान भी मान चुका है। तुलसी के कई प्रकार हैं जैसे रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है। तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है। इन्हीं में से कुछ ऐसे उपाय हैं जिनसे आप अपने घर का वास्तु दोष भी ठीक कर सकते हैं। वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है। तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढ़ता है। पूर्व दिशा में यदि खिडकी के पास तुलसी का पौधा रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी। अगर संतान बहुत ज्यादा जिद्दी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें। यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें। इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी। यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढ़ाएं। नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपड़े में बांधकर कोने में दबा दे। इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें।

यह उपाय करने से शांत होंगे शनि दोष

सभी ग्रहों में सूर्य पुत्र भगवान शनिदेव को सबसे कूरर ग्रह माना गया है। भगवान शनिदेव हर राशि में विचरण करते हैं। किसी राशि में शनिदेव ढाई वर्ष तो किसी राशि साढे सात वर्ष तक रहते हैं। भगवान शनिदेव को कर्मो के अनुसार दण्ड देने का प्रतीक माना जाता है। जो जैसा कार्य करता है भगवान शनिदेव उसे वैसा ही दण्ड देते हैं। जिस किसी भी कुण्डली में शनिदेव विराजमान होते हैं वे इंसान हमेशा परेशान रहते हैं। शास्त्रों के अनुसार कुछ उपाय करने से शनिदेव शांत रहते हैं और उस इंसान को शनिदेव कम परेशान करते हैं। शनिवार के दिन काले घो़डे की नाल या समुद्री नाव की कील से लोहे की अंगूठी बनवाएं। उसे तिल्ली के तेल में 7 दिन शनिवार से शनिवार तक रखें तथा उस पर शनि मंत्र के 23,000 जाप करें। शनिवार के दिन शाम के समय इसे धारण करें। यह अंगूठी मध्यमा (शनि की अंगुली) में ही पहनें तथा इसके लिए पुष्य, अनुराधा, उत्तरा, भाद्रपद एवं रोहिणी नक्षत्र सर्वश्रेष्ठ हैं। शनिवार या शनि जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्त्रान आदि से निवृत्त होकर कुश (एक प्रकार की घास) के आसन पर बैठ जाएं। सामने शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें व उसकी पंचोपचार से विधिवत पूजन करें। पूजन के बाद रूद्राक्ष की माला से नीचे लिखे किसी एक मंत्र की कम से कम 5 माला जप करें तथा शनिदेव से सुख-संपत्ति के लिए प्रार्थना करें। यदि प्रत्येक शनिवार को इस मंत्र का इसी विधि से जप करेंगे तो शीघ्र लाभ होगा।

पौराणिक शनि मंत्र

ऊं हिरं नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम।
छाया मार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम।।

प्रत्येक शनिवार को शाम के समय ब़ड (बरगद) और पीपल के पे़ड के नीचे सूर्योदय से पहले स्त्रान आदि करने के बाद कडवे तेल का दीपक लगाएं और दूध एवं धूप आदि अर्पित करें।

तमिलनाडु में कई प्राचीन शहर है जिसमें से एक है महाबलीपुरम जो समुद्र तट पर स्थित है। इस शहर का इतिहास बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यहां प्रस्तुत है संक्षिप्त जानकारी।

महाबलीपुरम का धार्मिक इतिहास और अद्भुत मंदिर

महाबलीपुरम का नामकरण : इस शहर का नाम महान दानवीर असुर राजा महाबली के नाम पर रखा गया था। महाबली ने विष्णु के वामन अवतार को तीन पग भूमि दान में दी थी। वामन भगवान ने दो पग में त्रिलोक्य नाप दिया और फिर पूछा कि राजन तीसरा पग कहां रखूं तो महाबली ने कहा कि भगवन अब बस मेरे सिर ही बचा है आप उसी पर अपना पग रख लें। महाबली की दानवीरता और सत्यता से प्रभावित होकर वामन भगवान ने उन्हें पाताल लोक का चिरंजीवी राजा बनाकर खुद वहां के पहरेदार बन गए। कहते हैं कि आज भी महाबली जिंदा हैं। केरल में उनकी पूजा होती है।

कहते हैं कि बाद में पल्लव राजा नरसिंह वर्मन, जिन्हें मामल्ला के नाम से जाना जाता था उन्होंने महाबलीपुरम का नाम मामल्लापुरम रख दिया था। राजा नरसिंह वर्मन के द्वारा महाबलीपुरम का नाम मामल्लापुरम रखने पर भी आज लोग इस स्थान को महाबलीपुरम के नाम से ही ज्यादा जानते हैं।

7वीं और 10वीं सदी के पल्लव राजाओं द्वारा बनाए गए कई मंदिर और स्थान यहां की शोभा बढ़ा रहे हैं। कंचीपुरम पर राज करने वाले पल्लवों की यह दूसरी राजधानी थी। गुप्त राजवंश के पतन के बाद पल्लव राजाओं ने दक्षिण भारत में राज किया। उन्होंने लगभग 3री सदी से 9वीं सदी के अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा। पल्लव राजाओं के शासन काल के दौरान कई महान कवि, नाटक कार, कलाकार, कारीगर, विद्वान और संत हुए थे। कारीगरी के मामले में पल्ववों का साम्राज्य अग्रिण था।

बोधिधर्म : पल्लव राजाओं के राज में ही महान भिक्षु बोधिधर्म थे। बोधिधर्म का जन्म दक्षिण भारत के पल्लव राज्य के कांचीपुरम के राज परिवार में हुआ था। वे कंचीपुरम के राजा सुगंध के तीसरे पुत्र थे। छोटी आयु में ही उन्होंने राज्य छोड़ दिया और भिक्षुक बन गए। 22 साल की उम्र में उन्होंने संबोधि (मोक्ष की पहली अवस्था) को प्राप्त किया। दुनिया के महान भिक्षुओं में से एक बोधी धर्मन को जो नहीं जानता वह मार्शल आर्ट के इतिहास को भी नहीं जानता होगा। चीन में मार्शल आर्ट और कुंग फू जैसी विद्या को सिखाया था बोधी धर्मन ने। प्रबुद्ध होने के बाद राजमाता के आदेश पर उन्हें सत्य और ध्यान के प्रचार-प्रसार के लिए चीन में भेजा गया था। यह भी कहा जाता है कि ह्वेनसांग ने जब भारत की यात्रा की थी तो वे महाबलीपुरम में आए थे और यहीं रहकर उन्होंने बौद्ध धर्म के बारे में जानकारियां जुटाई थीं।

राजा महाबली : राजा बलि का राज्य संपूर्ण दक्षिण भारत में था। उन्होंने महाबलीपुरम को अपनी राजधानी बनाया था। प्रसिद्ध पौराणिक पात्र वृत्र (प्रथम मेघ) के वंशज हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद था। प्रह्लाद के पुत्र विरोचन का पुत्र महाबली था। दरअसल, कश्यप ऋषि की पत्नी दिति के दो प्रमुख पुत्र हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष थे। हिरण्यकश्यप के 4 पुत्र थे- अनुहल्लाद, हल्लाद, भक्त प्रह्लाद और संहल्लाद। प्रह्लाद के कुल में विरोचन के पुत्र राजा बलि का जन्म हुआ। महाबली ने समुद्र मंथन में हिस्सा लिया था।

महाबलीपुरम के मंदिर : कहा जाता है कि यहां प्राचीनकाल में सैंकड़ों मंदिर थे। यह स्थान कई भव्य मंदिरों, स्थापत्य और सागर-तटों के लिए बहुत प्रसिद्ध था। महाबलीपुरम् के बारे में माना जाता है कि इसके तट पर 17वीं शताब्दी में 7 मंदिर स्थापित किए गए थे और एक तटीय मंदिर को छोड़कर शेष 6 मंदिर समुद्र में डूब गए थे।

शोर मंदिर- महाबलीपुरम के समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर प्राचीन वास्तु कला का उदहारण है। भगवान शिव और विष्णु को समर्पित शोर मंदिर का निर्माण लगभग 700-728 ईस्वी के समय हुआ था। इस स्टोन टेम्पल इसलिए कहते हैं क्योंकि मंदिर वाला भाग ग्रेनाइट पत्थर से बना हुआ है जो देखने में बहुत ही सुंदर दिखता है। मंदिर के प्रांगण में सात पगोडा की पत्थर की मूर्तियां हैं जिन्हें देखना अद्भुत है। इस मंदिर की अलग ही कथा है।

पंच रथ मंदिर- महाबलीपुरम के समुद्री तट पर दूसरा मंदिर पंच रथ या पंच पांडवों का रथ नामक मंदिर है। यह एक सुन्दर स्मारक परिसर है जिसका निर्माण 7वीं सदी में महेंद्र वर्मन प्रथम और बेटे नरसिंह वर्मन प्रथम ने करवाया था। पंच रथ के पांच स्मारकों को पूरी तरीके से रथ के समान बनाया गया है जो सभी ग्रेनाइट पत्थर को खोद-खोद कर बनाए गए हैं। इसमें महाभारत की कहानी को दर्शाते हुए कलाकृतियां देखने को मिलती हैं। यह सभी रात बड़े से छोटे आकार में इस प्रकार से हैं- धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, नकुल एवं सहदेव रथ और द्रौपदी रथ।

गंगा अवतरण का स्मारक- यह गंगा अवतरण के स्मारक महाबलीपुरम के कोरोमोंडल तट पर कांचीपुरम जिले में स्थित हैं। 96.43 फीट का यह स्मारक सुंदर कलाकारी को दर्शाता है। यह एक बड़ा पत्थर है जसमें खोद-खोद कर गंगा की उत्पत्ति का बहुत ही अद्भुत चित्रण किया गया है।

टाइगर गुफाएं- यह गुफाएं महाबलीपुरम की सबसे बेहतरीन कलाकृतियां हैं। इनके बाहर पत्थर में उभरे हुए शेर की मूर्तियां हैं। यह भी पल्लव राजाओं द्वारा बनाया गया था।

कृष्ण की मक्खन गेंद- दक्षिण भारत के महाबलीपुरम में 1200 वर्ष पुराना एक पत्थर बहुत ही अजीबोगरीब तरीके से रखा हुआ है। इसे देखकर लगता है कि यह जरा से टल्ले में नीचे गिर पड़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं है। इस पत्थर की चौड़ाई 5 मीटर तथा ऊंचाई 20 फीट है। 1908 में इस पत्थर पर उस समय के मद्रास गवर्नर आर्थर की नजर पड़ी तो उनको लगा कि यह पत्थर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है इसलिए उन्होंने इस पत्थर को उसके स्थान से हटवाने के लिए 7 हाथियों से खिंचवाया पर यह पत्थर अपनी जगह से 1 इंच भी नहीं खिसका।

ग्रेविटी के नियमों की उपेक्षा करते हुए यह पत्थर एक ढलान वाली पहाड़ी पर 45 डिग्री के कोण पर बिना लुढ़के टिका हुआ है। लोग इस पत्थर को 'कृष्ण की मक्खन गेंद' भी कहते हैं क्योंकि उनका मानना है की यह पत्थर मक्खन की गेंद है जिसको कृष्ण ने अपनी बाल्य अवस्था में नीचे गिरा दिया था।

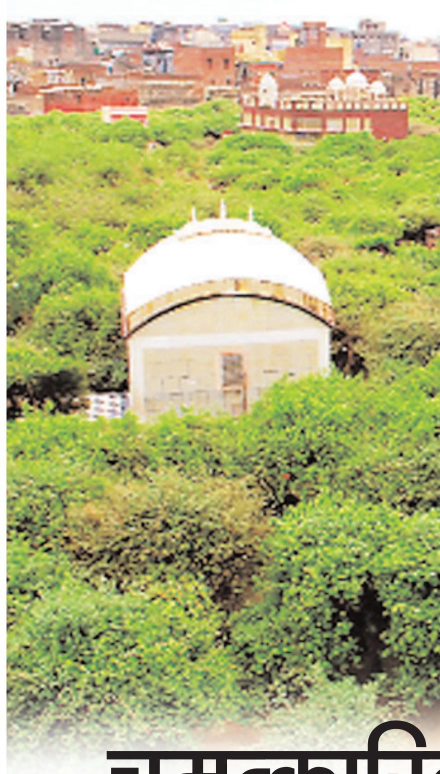

चमत्कारिक और रहस्यमी है

निधिवन का श्रीकृष्ण राधा मंदिर

भारत में कई चमत्कारिक और ररहस्यमी मंदिर है। उन्हीं में से एक ऐसा मंदिर है जिसके दरवाजे रात अपने आप ही बंद हो जाते हैं और सुबह होते ही खुल जाते हैं। इस मंदिर के संबंध में इसके अलावा और भी चमत्कार जुड़े हुए हैं। हालांकि यह कितना सच है यह कहना मुश्किल है क्योंकि यह शोध का विषय है। लोग मानते हैं कि वृन्दावन में श्रीकृष्ण का एक ऐसा मंदिर है जो अपने आप ही खुलता और बंद हो जाता है। यह भी माना जाता है कि इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण रोज रात को खुद शयन करने आते हैं। उनके सोने के लिए मंदिर के पुजारी रोज पलंग लगाते हैं और जिस पर साफ-सुधरी गादी एवं बिस्तर के ऊपर चादर बिछाते हैं।

लेकिन कहते हैं कि जब मंदिर खुलता है तो उस बिस्तर की हालत देखकर सभी अचंभित हो जाते हैं, क्योंकि उसे देखकर लगता है कि यहां कोई सोया था। सबसे आश्चर्य की बात यह भी कि यहां प्रतिदिन माखन मिश्री का प्रसाद चढ़ाया जाता है और जो बच जाता है उसे मंदिर में ही रख दिया जाता है, लेकिन सुबह तक वह प्रसाद भी समाप्त हो जाता है। आखिर कौन खा जाता होगा वह प्रसाद? लोगों की मान्यता है कि इस मंदिर के दरवाजे रात में अपने आप बंद हो जाते हैं इसलिए मंदिर के पुजारी अंधेरा होने से पहले प्रसाद और पलंग का इंजजाम करके रखते हैं और रात की अंतिम आरती के बाद चले जाते हैं। रात में यहां कोई भी नहीं रुकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार ऐसा बरसों से होता आ रहा है। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और कुछ लोग इसे श्रीकृष्ण का चमत्कार।

हालांकि सच क्या है यह तो शोध का विषय ही है। हालांकि सच ये हैं कि निधिवन में श्रीकृष्ण राधा का एक ऐसा मंदिर है जहां राधा और कृष्ण के शयन करने की मान्यता है। मान्यता अनुसार इस मंदिर को तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामीजी की समाधि भी बनी है। जानिए इस मंदिर के बारे में 5 रहस्य।

- जनश्रुति है कि प्रतिदिन मंदिर के अंदर स्थित रंगमहल में कृष्ण-राधा का पलंग लगा दिया जाता है और पूरा रंगमहल सजा दिया जाता है तथा राधाजी का श्रृंगार सामान रख कर मंदिर के दरवाजे बन्द कर दिए जाते हैं। जब प्रातः दरवाजे खुलते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।
- हालांकि शाम के बाद यह मंदिर बंद हो जाता है और यह भी कहा जाता है कि अगर यहां कोई छुपकर रासलीला देखता है तो वह अगले दिन पागल हो जाता है।
- कहते हैं कि यहां तुलसी के दो पौधे एक साथ लगे हैं। रात के समय जब राधा और कृष्ण रास रचाते हैं तो यही तुलसी के पौधे गोपियां बनकर उनके साथ नाचते हैं। इन तुलसी का एक भी पत्ता यहां से कोई नहीं ले जाता है। जिसने भी गुपचुप यह कार्य किया वह भारी आपदा का शिकार हो जाता है।
- इस मंदिर के परिसर में उगने वाले पेड़ भी अजीब है। यहां के पेड़ की शखाएं नीचे की ओर बढ़ती है।
- यहां के आसपास के अधिकतर घरों में खिड़कियां नहीं हैं और जिनके घरों में हैं वे शाम की आरती के बाद खिड़कियां इस डर से बंद कर देते हैं कि कोई मंदिर की दिशा में देखे नहीं, अन्यथा वह अंधा हो जाएगा।